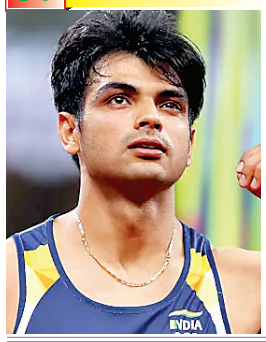
10 नीरज चोपड़ा....

झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 संचिता...

रांची, सोमवार, 29 जून 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रुपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -14 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

शनिचरवा ओरांव
सामाजिक कार्यकर्ता

जीवन एक अनमोल यात्रा है, जिसे छोटी-छोटी बातों में बर्बाद न करें। बदलाव प्रकृति का नियम है, इसलिए समय के साथ चलना ही समझदारी है। सकारात्मक दृष्टिकोण, धैर्य और अपने काम के प्रति जुनून ही सफलता की कुंजी है। अपनी गलतियों से सीखें, दूसरों से नहीं, और याद रखें कि प्रशंसा और आलोचना दोनों क्षणिक हैं।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : 1,49,560
चांदी (प्रति किलो) : 2,55,000
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- 77,100.47
निफ्टी :- 24,056.00

मौसम

अधिकतम तापमान : 32 °
न्यूनतम तापमान : 24 °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- 05:06
संध्या :- 18:39

आज का इतिहास

आज ही के दिन को सांख्यिकी के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व काम के कारण उन्हें 1968 में पद्म विभूषण से नवाजा गया था।

संक्षिप्त समाचार

धुर्वा डैम साइड में युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

रांची। धुर्वा थाना क्षेत्र के डैम साइड इलाके में रहने वाले दीपक कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. जानकारी के अनुसार आत्महत्या करने से पहले दीपक नशे की हालत में था. उसके रूम से नशा करने के लिए चिलम भी मिली है. हालांकि स्थानीय लोगों ने बताया कि कल तक उन्होंने दीपक को अच्छी हालत में घूमते फिरते देखा था, मगर आज जब उसके परिवार वाले उसके कमरे में गये, तो उसे फांसी के फंदे से झूलते देखा. खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी. परिवार वालों ने बताया कि किसी तरह का कोई दबाव उस पर नहीं था, ना ही कोई परेशानी थी. पुलिस शव को अपना कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया कर रही है.

रांची के 4 हजार से अधिक कैब चालक हड़ताल पर

रांची। रांची के 4 हजार से अधिक कैब चालक और बाईक राइडर आज से हड़ताल पर हैं. इसमें ओला, उबर, रैपिडो के चालक शामिल हैं. हड़ताल की वजह किराया की दर में बढ़ोतरी की मांग है. कैब चलाने वालों का कहना है कि तेल की कीमत बढ़ी है, वाहन का बीमा, ईएमआई से लेकर रख-रखाव तक महंगा हो गया है. ऐसे में कीमत नहीं बढ़ाने के अलावा कोई रास्ता बचा नहीं है. कैब संचालकों कहना है कि ओला, उबर व रेपिडो कंपनी द्वारा जो कमीशन लिया जाता है, उसे भी कम किया जाना जरूरी है. तभी वाहन चलाने वालों की कमाई होगी. इससे पहले भी फेयर पॉलिसी और उचित कमाई की मांग को लेकर कैब चालकों ने आंदोलन किया था. चालकों का आरोप है कि एग्रीगेटर कंपनियों की जो नीति है, वह शोषण करने वाला है. उनकी नीतियों की वजह से चालकों की कमाई कम होती जा रही है.

मन की बात : पीएम मोदी ने रक्षा और आत्मनिर्भरता पर जताया गर्व

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें एपिसोड को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि वर्ष 2026 का पहला आधा हिस्सा देश के लिए उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने खास तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और आत्मनिर्भर भारत के क्षेत्र में देश की बढ़ती प्रगति पर संतोष और गर्व व्यक्त किया।

रक्षा क्षेत्र में बढ़ता भारत का दम

प्रधानमंत्री ने कोलकाता की अपनी हालिया यात्रा का जिक्र करते हुए भारतीय नौसेना में शामिल किए गए तीन स्वदेशी युद्धपोतों- आईएनएस दुनागिरि, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन जहाजों का डिजाइन और निर्माण पूरी तरह स्वदेशी है, जो भारत की बढ़ती सैन्य क्षमता को दशार्ता है। साथ ही, डीआरडीओ द्वारा लॉन्ग-रेंज लैंड-अटैक क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षण को रक्षा क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया।

विमानन और आत्मनिर्भरता

पीएम मोदी ने एविएशन सेक्टर में 'मेड इन इंडिया' सी-295 परिवहन विमान की पहली उड़ान को एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने जानकारी दी कि भारत में ऐसे 40 विमानों का निर्माण किया जा रहा है, जो देश की विनिर्माण क्षमता में मील का पत्थर साबित होंगे।

जन अपील पर जनता का सकारात्मक रुख

प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया की युद्ध जैसी स्थिति को देखते हुए की गई अपनी अपील का जिक्र किया। उन्होंने लोगों से सोने की खरीदारी कम करने का आग्रह किया था, जिस पर देशवासियों ने न केवल समर्थन दिया बल्कि अपनी सक्रिय भागीदारी भी निभाई। इसके अलावा, पीएम मोदी ने कारपूलिंग को अपनाने वाले लोगों की सराहना की, जो संसाधनों के बेहतर उपयोग और ईंधन बचाने की दिशा में एक प्रभावी प्रयास है।

महाराष्ट्र के परिवार की अनूठी मिसाल

पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के बहादुरपुरा गांव के पेठकर परिवार की प्रशंसा की। इस परिवार ने अपनी खुशियों को समाज के साथ बांटने के लिए शादियों में पारंपरिक उपहारों के स्थान पर 3,500 ग्रामीणों का दुर्घटना बीमा करवाया। हर लाभार्थी को 1 लाख रुपये का बीमा कवर मिला है, जो सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक प्रेरक और संवेदनशील कदम है। प्रधानमंत्री ने केंद्र की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सरकार करोड़ों परिवारों को वित्तीय सुरक्षा कवच दे रही है। उन्होंने 'प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना' (पीएमएसबीवाई) और 'प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना' (पीएमजेजेबीवाई) का उल्लेख करते हुए कहा कि बहुत कम प्रीमियम के बदले गरीब परिवारों को लाखों रुपये का बीमा मिल रहा है। पीएमजेजेबीवाई के तहत अब तक करीब 11 लाख परिवारों को 22 हजार करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है।

पीएम मोदी को मिला सेशेल्स का सर्वोच्च सम्मान, 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' से नवाजे गए प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह पुरस्कार पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास के क्षेत्र में नेतृत्व के लिए दिया गया. सेशेल्स के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित होने के बाद पीएम मोदी ने कहा- मैं ह्यगार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजनह्ल सम्मान उन देशों को समर्पित करता हूं, जो जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं. यह पुरस्कार टिकाऊ विकास के लिए पीएम मोदी के लंबे समय से जारी प्रयासों और उनकी ग्रीन विन (पर्यावरण-अनुकूल सोच) को मान्यता देता है. जलवायु परिवर्तन से निपटने, टिकाऊ विकास और ग्रीन ग्रोथ (पर्यावरण-अनुकूल विकास) पर पीएम मोदी के काम को सराहने वाले वैश्विक सम्मानों की कड़ी में यह एक और सम्मान है. इससे ठीक पहले, मई 2026 में, खाद्य और कृषि संगठन ने उन्हें खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने, कृषि में बदलाव लाने और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के लिए एग्रीकोला मेडल से सम्मानित किया था. इससे पहले 2018 में पीएम मोदी को टिकाऊ आर्थिक विकास, वैश्विक सहयोग और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के लिए सियोल शांति पुरस्कार मिला था. 2018 में ही, संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें प्रतिष्ठित चैंपियंस ऑफ द अर्थ पुरस्कार से सम्मानित किया था. यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से मुकाबला और सतत विकास के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सेशेल्स के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ह्यगार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजनह्ल से सम्मानित किया गया।

अंधविश्वास की बलि चढ़ी मां-बेटी, जेठ ने कुल्हाड़ी से काटकर गर्भवती महिला और मासूम भतीजी की कर दी हत्या

झारखण्ड उजाला संवाददाता

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा तोरलो गांव में शनिवार दोपहर अंधविश्वास के चक्कर में इस घटना को अंजाम दिया गया है. दरअसल एक ही परिवार में बड़े भाई ने डायन-बिसाही के झूठे शक और आपसी विवाद में अपने ही छोटे भाई दोकोल सिंह बिरूवा की गर्भवती पत्नी और उसकी 8 साल की मासूम बेटी की कुल्हाड़ी से काटकर बेरहमी से हत्या कर दी. वारदात को अंजाम देने वाले की पहचान रमाये बिरूवा के रूप में हुई है. इस निर्मम हत्या के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और गांव में मातम पसरा हुआ है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शनिवार देर शाम दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा, जहां रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए. इस दोहरे हत्याकांड के बाद पीड़ित पति दोकोल सिंह और उसके तीन छोटे बच्चों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और उनका रो-रोकर बुरा हाल है.

खाना खा रही मासूम बेटी पर पहले किया वार

पीड़ित पति दोकोल सिंह बिरूवा ने रोते हुए बताया कि उसका बड़ा भाई रमाये बिरूवा अक्सर नशे में धुत रहता था और वह उनसे अलग रहता था. शनिवार को भी वह अत्याधिक नशे की हालत में उनके घर में घुस आया. उस वक्त आठवीं क्लास में पढ़ने वाली उनकी मंझली बेटी शर्मिला बिरूवा स्कूल से लौटकर घर के पास बैठकर खाना खा रही थी. उसी वक्त सनकी रमाये ने अचानक मासूम बच्ची की कनपटी पर कुल्हाड़ी से जोरदार हमला कर दिया. बेटी की दर्दनाक चीख सुनकर जब उसकी गर्भवती मां ननिका बिरूवा उसे बचाने के लिए दौड़ी, तो हत्यारे जेठ ने उस पर भी कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर दिया. आरोपी ने महिला के सिर और गर्दन पर इतनी बेरहमी से काटा कि दोनों मां-बेटी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. इस खौफनाक मंजर को देखकर घर के अन्य छोटे बच्चों ने इधर-उधर भागकर और छिपकर बमुश्किल अपनी जान बचाई. दोकोल उस वक्त जंगल में बैल चराने गया था, जब वह वापस लौटा तो उसकी पत्नी और बेटी खून से लथपथ मृत पड़ी थीं.

पत्नी संग सीएम पहुंचे जोन्हा फॉल, प्राकृतिक वादियों का लिया आनंद

झारखंड की प्राकृतिक संपदा पूरे देश के लिए आकर्षण का केंद्र है : हेमंत सोरेन

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को रांची शहर से कुछ ही दूरी पर स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल जोन्हा फॉल पहुंचे, जहां उन्होंने प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लिया. इस दौरान उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी उनके साथ मौजूद थीं. हरी-भरी वादियों, घने जंगलों और कल-कल बहती जलधारा के बीच मुख्यमंत्री ने कुछ समय प्रकृति के बीच बिताया. उन्होंने स्थानीय फलों का स्वाद भी लिया और आसपास के लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं. मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की प्राकृतिक संपदा पूरे देश के लिए आकर्षण का केंद्र है. जोन्हा फॉल की निर्मल जलधारा, शांत वातावरण और हरियाली यह अहसास कराती है कि झारखंड वास्तव में प्रकृति का अनुपम उपहार है. उन्होंने कहा कि यह हमारी साझा धरोहर है, जिसकी रक्षा और संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है.

यह खूबसूरत धरती सैलानियों का दिल से स्वागत करती है

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि झारखंड के किसी भी हिस्से में जाएं, प्रकृति अपने अलग-अलग रंगों में हर किसी का स्वागत करती है. उन्होंने राज्य में आने वाले सभी पर्यटकों का स्वागत करते हुए कहा कि झारखंड की यह अनुपम धरती सभी सैलानियों का खुले दिल से अभिनंदन करती है.

जोन्हा फॉल्स की अहमियत

रांची से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित जोन्हा फॉल, जिसे गौतमधारा के नाम से भी जाना जाता है, झारखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है. करीब 140 फीट की ऊंचाई से गिरता इसका झरना, चारों ओर फैली हरियाली और प्राकृतिक वातावरण देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है. मानसून के मौसम में इसकी सुंदरता और भी मनमोहक हो जाती है, जिससे यह राज्य के पर्यटन की पहचान बन चुका है.

उपायुक्त ऋतुराज ने अपने पुत्र एवं पुत्री को पोलियो की खुराक पिलाकर किया अभियान का शुभारंभ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़ सदर अस्पताल में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का भव्य शुभारंभ

जिले के 1,71,477 बच्चों को दी जाएगी 'दो बूंद जिंदगी की'

रामगढ़। देश को पोलियो मुक्त बनाए रखने और भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित करने के उद्देश्य से आज रामगढ़ जिले में राष्ट्रीय प्रतिरक्षण दिवस (ठक्क) के तहत पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। सदर अस्पताल, रामगढ़ में आयोजित इस विशेष उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायिका रामगढ़ ममता देवी उपस्थित हुईं। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपायुक्त ऋतुराज एवं सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार मौजूद रहे। अभियान का शुभारंभ उपायुक्त ऋतुराज ने अपने पुत्र एवं पुत्री को पोलियो की खुराक पिलाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि जिले का कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक अभियान से वंचित न रह जाए। स्वास्थ्य विभाग ने इस तीन दिवसीय अभियान के दौरान रामगढ़ जिले के 1,71,477 बच्चों (0 से 5 वर्ष तक) को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए पूरे जिले के सुदूरवर्ती गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक व्यापक तैयारियां की गई हैं, ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा चक्र से वंचित न रहे। समारोह के दौरान जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य अधिकारियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला आरसीएच पदाधिकारी (DRCHO) डॉ. ठाकुर मृत्युंजय कुमार सिंह, जिला कुष्ठ पदाधिकारी (DLO) डॉ. तुलिका रानी, जिला टीबी पदाधिकारी (DTO) डॉ. स्वराज तथा सदर अस्पताल के उपाधीक्षक (DS) डॉ. हरेन चंद्र महतो सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

अतिथियों ने पिलाई दवा, की अपील

उद्घाटन के उपरांत माननीय विधायिका ममता देवी, उपायुक्त ऋतुराज एवं सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार ने संयुक्त रूप से उपस्थित बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई तथा सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने की अपील की।

भारत को पोलियो मुक्त रखने का संकल्प

समारोह को संबोधित करते हुए माननीय विधायिका ममता देवी ने कहा, ₹भारत ने पोलियो पर विजय प्राप्त कर ली है, लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जिले का एक भी बच्चा इस सुरक्षा कवच से छूटना नहीं चाहिए। उपायुक्त ऋतुराज ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि 1,71,477 बच्चों के शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुदूरवर्ती एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने आम जनता से अपने बच्चों को निकटतम बूथ पर ले जाकर पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने की अपील की। घर-घर जाएगी स्वास्थ्य विभाग की टीम सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार एवं जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. ठाकुर मृत्युंजय कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के प्रथम दिन बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को कवर करेंगी। उन्होंने अभियान को सफल बनाने में जुटीं एएनएम एवं सहिया बहनों के योगदान की सराहना की।

राज किशन त्रिपाठी ने ग्रामीण किसानों के बीच बांटे नि:शुल्क धान बीज

रामगढ़/गोला। सरगडीह पंचायत के दुधमटिया गांव में भारतीय किसान मजदूर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष राज किशन त्रिपाठी ने रविवार को जनता दरबार लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान किसानों के बीच निःशुल्क धान बीज का वितरण किया गया। साथ ही परचाण्डू मंदिर परिसर में अपने निजी खर्च से स्ट्रीट लाइट लगाने की घोषणा कर उन्होंने सामाजिक सरोकार की एक नई मिसाल पेश की। जनता दरबार में ग्रामीणों ने पंचायत क्षेत्र में विकास योजनाओं की अनदेखी, ग्राम सभा का नियमित आयोजन नहीं होने तथा पंचायत फंड के समुचित उपयोग नहीं होने जैसी कई समस्याएं रखीं। त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि पंचायतों में योजनाओं को शुरू करने से पहले ग्राम सभा कराना अनिवार्य है, लेकिन कई स्थानों पर इस प्रक्रिया की अनदेखी कर योजनाओं का मनमाने ढंग से क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे वास्तविक जरूरतमंद लाभार्थी वंचित रह जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वृद्धजनों को बार-बार पंचायत बुलाया जाता है, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होता। इस दौरान मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, वृद्धा पेंशन योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं को लेकर भी ग्रामीणों के बीच विस्तार से चर्चा की गई। लोगों को इन योजनाओं की जानकारी दी गई और उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान कराने का आश्वासन भी दिया गया। त्रिपाठी ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, सुविधा और सम्मान पहुंचाना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनता की आवाज को प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाया जाएगा।ग्रामीणों ने कहा कि राज किशन त्रिपाठी लगातार गरीबों, किसानों, मजदूरों और असहाय लोगों के बीच रहकर सेवा का कार्य कर रहे हैं। 60 किसानों के बीच निःशुल्क धान बीज वितरण किया , जनता दरबार और सामाजिक सहयोग जैसी पहलें क्षेत्र में नई उम्मीद जगा रही हैं। लोगों का मानना है कि यदि ऐसे जनसेवी आगे आएं तो गांवों में विकास और पारदर्शिता की नई मिसाल कायम हो सकती है। उपस्थित किसानः बालिका देवी, सुगंती देवी, जीरा देवी, माधव बेदिया अर्जुन बेदिया, सावित्री देवी, सुमन देवी, सुलेखा देवी, प्रदीप बेदिया, तेजू बेदिया, सुदर्शन करमाली।

लायंस क्लब में बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई गई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़ ।जिला स्वास्थ्य समिति रामगढ़ के द्वारा आयोजित पल्स पोलियो कार्यक्रम का आयोजन लायंस क्लब रामगढ़ ने किया। सिविल सर्जन अनिल कुमार, डॉ मृत्युंजय उनके सहयोगी अनीता मुखर्जी एवं वीरेंद्र पांडे के सहयोग से बच्चों को पल्स पोलियो का ड्रॉप्स पिलाया गया। डॉ मृत्युंजय ने बताया की अनेक कारणों से पोलियो हो सकता है और इससे सतर्क रहने की जरूरत है।भारत पोलियो मुक्त हो चुका है फिर भी सतर्कता आवश्यक है। वहीं सिविल सर्जन डॉक्टर अनिल कुमार ने बताया कि यह बच्चों के द्वारा ही बच्चों में फैल सकता है इसलिए हमेशा सफाई एवं सुचिता पर ध्यान दें एवं 5 साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलायें। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष लायन अशोक जैन, सचिन सुरेंद्र सोबती कमल बगड़िया अजीत अग्रवाल, रमन मेहरा, राजेश कुमार अग्रवाल जेके शर्मा श्याम परशुरामपुरिया,रविंद्र शाह ,विनोद वर्मा, एच एन सोंधी,मनमोहन सिंह लांबा, हरपाल सिंह अरोड़ा, मारवाह जी सहित अनेक सदस्यों की उपस्थिति में बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाया गया।

पीवीयूएनएल के कार्य प्रणाली से नाराज अखिल झारखंड श्रमिक संघ की बैठक में लिए गए कई कड़े निर्णय

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पतरातूः रविवार को अखिल झारखंड श्रमिक संघ की साप्ताहिक बैठक चिल्ड्रेन पार्क में की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष अनिकेत कुमार और संचालन कृष्णा कुमार ने किया। बैठक में मुख्य रूप से यह चर्चा किया गया कि पी वी यू एन एल के ऑपरेशन डिपार्टमेंट के अधिकारी मजदूरों के साथ अमानवीय तरीके से शोषण करने का काम कर रही है। मजदूरों को बिना सेफ्टी रुल के जबरजस्ती काम करने के लिए मानसिक दबाव बना कर काम लिया जा रहा है। मजदूर इन सब चीजों का विरोध करते है तो प्रबंधन के ऑपरेशन डिपार्टमेंट के अधिकारी एजेंसी को दबाव डाल का उस मजदूर को काम से निकालने की नोटिस जारी करवाते है। अगर इन सब चीजों में प्रबंधन संज्ञान नहीं लेती है तो बहुत जल्द अखिल झारखंड श्रमिक संघ परियोजना के कार्य प्रणाली को पूरी तरह ठप करने का काम करेगी। पी वी यू एन एल प्रबंधन को 25/06/26 को अखिल झारखंड श्रमिक संघ द्वारा दिया हुआ आवेदन पर अभी तक कोई करवाई नहीं हुई है। जल्द से जल्द हमारे मजदूर भाई को न्याय मिले नहीं तो अंजाम बुरा होगा। मैकेनिकल वर्कर को इलेक्ट्रिकल काम करने को दबाव बना कर काम करवाने का काम प्रबंधन के ऑपरेशन डिपार्टमेंट के अधिकारी कर रहे है। ताकि स्थानीय मजदूर काम छोड़ने को मजबूर हो जाए। इन सब चीजों पर प्रबंधन संज्ञान ले। साथ ही एजेंसी द्वारा सभी मजदूर का EPF, ESICS का भुक्तान सही तरीके से हो रहा है या नहीं प्रबंधन सुनिश्चित करे। साथ ही जितने भी ITI, डिप्लोमा है जिनको अकुशल श्रेणी में काम लिया जा रहा है। उनको तुरंत उनकी योग्यता को देखते हुए स्किल्ड श्रेणी में किया जाय नहीं तो पीवीयूएनएल में आने वाले जितने भी बहाली होंगी उसे अखिल झारखंड श्रमिक संघ नहीं होने देगी। बैठक में उपस्थित मजदूर अनिकेत कुमार, दीपक कुमार ,हरि सिंह,मोहित यादव , बदल कुमार,विक्की कुमार ,राजू कुमार,,राकेश कुमार, अभिषेक कुमार,दिनेश कुमार महतो,जीवन कुमार,मुकेश महतो, सावन सिंह, रवि राम जयकिशोर पहन, रुस्तम अंसारी,सोनू प्रजापति, बिनोद मुंडा,अभिमन्यु कुमार, शिव शंकर साव,जगमोहन महतो,नरेश प्रजापति,प्रदीप कुमार, शंकर साव, चंदू कुमार,गंगा साव, रमन मुंडा,आनंद कुमार,रमीज अंसारी भोला उरांव ,प्रीतम कुमार,गौतम कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित हुए।

हनुमानगढ़ी पंचायत भवन में समक्ष सेवा संस्थान के द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

पतरातू : प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत हनुमानगढ़ी पंचायत में रविवार 28 जून 2026 को समक्ष सेवा संस्थान के द्वारा मैक्स लाइफ केयर हॉस्पिटल के सहयोग से एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के लगभग 100 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाईयां निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। शिविर में उपस्थित डॉ. स्मृति पांडेय (बीएचएमएस, एमडी) एवं डॉ. सुनील कुमार ने मरीजों की जांच कर उचित चिकित्सकीय सलाह प्रदान की। शिविर में सामान्य रोग, रक्तचाप, शुगर जांच, एवं यथासंभव निःशुल्क दवा वितरण किया गया। चिकित्सकों ने लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, संतुलित आहार लेने तथा नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। स्थानीय लोगों ने शिविर की सराहना करते हुए इसे जनहित में एक सराहनीय पहल बताया। मैक्स लाइफ केयर हॉस्पिटल ने भविष्य में भी ऐसे निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की ताकि अधिक से अधिक लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। इस शिविर को सफल बनाने में मैक्स लाइफ केयर हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ मनोज कुमार गुप्ता, हनुमानगढ़ी पंचायत मुखिया नूतन सिंह एवं धर्मेंद्र सिंह, अस्पताल के मैनेजर उदय कुमार, मेडिकल प्लस एम्बुलेंस इंचार्ज अंकित दुबे, लैब टेक्नीशियन श्रवण कुमार शर्मा, पूजा कालिंदी, नेहा कालिंदी का सराहनीय सहयोग रहा।

पानी की निरंतर सप्लाई और सड़कों पर छाई के बिखराव को लेकर रामगढ़ कांग्रेस पार्टी ने प्रबंधन को चेताया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पतरातूः रामगढ़ जिला कांग्रेस कमेटी के जिला महासचिव सुजीत कुमार पटेल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पतरातू पीटीपीएस क्षेत्र में एनटीपीसी पीवीयूएनल की लापरवाही से लोग अपनी मूलभूत आवश्यकता पेयजल के लिए तरस रहे हैं। क्षेत्र में त्राहिमाम है। एक तरह से कहा जाए तो लोगों का हुक्का- पानी एनटीपीसी के कारण बंद है। जैसा कि इस मणिरत्न कंपनी के प्लांट में राज्य सरकार की 24% प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इसके परे भी एनटीपीसी ने प्लांट विस्तार के लिए जिस बसे बसाईक्षेत्र का सबसे अधिक ग्रहण किया है। उसमें इन्हे सामाजिक दायित्व के तहत विकास करना इनका दायित्व है। लेकिन यह प्रबंधन निर्माण काल की सभी शर्तों को नजर अंदाज करते हुए क्षेत्र के लोगों का शोषण कर रही है। आज पीटीपीएस कॉलोनी क्षेत्र के सभी पंचायतो में फिल्ट्रेशन प्लांट के माध्यम से सुचारू रूप से जलापूर्ति की व्यवस्था करना पीवीवीएनएल का दायित्व है। लेकिन आज विगत 1 साल से फिल्ट्रेशन प्लांट में मोटर जला हुआ है जिस कारण मुख्य पानी टंकी न्यू मार्केट को भरने वाले दो मोटर का स्पेयर नहीं रहने के कारण बारी बारी से बंद करना पड़ता है। जिस कारण टंकी मे पानी नहीं भर पाती है। जिस कारण पेयजल की सप्लाई दो टाइम कि जगह एक टाइम कर दी गई है, और जो जल आपूर्ति सुबह शाम घंटो में होती थी अब एक ही समय और कुछ ही मिनट होती है। जिससे लोगों में पानी के लिए कोहराम मचा हुआ है और एनटीपीसी प्रबंधन पीटीपीएस शेष परिसंपत्ति कार्यालय के बार-बार सूचना के बावजूद कान में तेल डालकर सोई हुई है। उसमें से एक पाइप लाइन को काट कर बंद कर दिया है तथा दोनो लाइन एक ही लाइन में मर्ज कर दिया है। अगर एनटीपीसी प्रबंधन अविलंब मोटर की रिपेयरिंग करवाते हुए स्वच्छ पानी क्षेत्र की जनता को उपलब्ध नहीं करवाती है तो हम कांग्रेस पार्टी आम जनता को साथ लेकर एनटीपीसी टाउनशिप क्षेत्र सहित और सभी संबंधित क्षेत्रों की जल आपूर्ति को भी बाधित करने का काम करेंगे। वहीं दूसरी तरफ एनटीपीसी प्लांट से बड़े-बड़े ट्रक हाईवा से सड़क के माध्यम से ले जाए जा रहे छाई जो बाबनधारा से लेकर कॉलोनी क्षेत्र होते हुए बलकुदरा, मतकमा चौक भुरकुंडा तक अनियंत्रित ओवरलोड वाहन होने के कारण होकर सड़कों पर भारी मात्रा में छाई गिरने के कारण घोर वायु प्रदूषण हो र रही है और लोगों का सड़क पर पैदल या बाइक पर या फोर व्हीलर में बिना शीशा लगाए चलना दुभर हो गया है। इस पर पीवीवीएनएल प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन अविलंब संज्ञान ले और सबसे पहले दिन में इन ट्रकों का परिचालन बंद हो। सभी वाहन अंडर लोड चलें और सड़कों पर गिर रहे छाई की 24 घंटा मोटर वाहन से झाड़ू लगाकर सफाई हो तथा प्रभावित क्षेत्र तक निरंतर पानी का छिड़काव हो। अगर प्रबंधन इन दो माँगो पर अविलंब संज्ञान लेते हुए समाधान नहीं करती है तो जल्द ही पीवीवीएनएल प्रबंधन के विरुद्ध जन आंदोलन किया जाएगा।

हेसला के इमली फील्ड में 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का सफल आयोजन, विकास मुण्डा और पायल कुमारी रहे विजेता

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पतरातू : झारखंड रनर अकादमी के द्वारा पीटीपीएस पतरातू अंतर्गत जनता नगर बिरसा मार्केट स्थित इमली फील्ड में रविवार को 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। वहीं आयोजित प्रतियोगिता के परिणाम में बालक वर्ग के प्रतियोगिता में कड़े मुकाबले के बीच बालक वर्ग के विकास मुंडा ने प्रथम स्थान, कैलाश कुमार द्वितीय स्थान तथा नितिन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही संजय कुमार और श्रवण कुमार महतो क्रमशः चौथे और पांचवे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में पायल कुमारी ने प्रथम स्थान, राहिल कुमारी द्वितीय स्थान तथा गुड़िया कुमारी ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अलावा रिहांशु कुमारी, कमला देवी, कुंती कुमारी, खुशबु कुमारी, रेणुका कुमारी, विनिता कुमारी एवं दिपाली कुमारी ने भी बेहतरीन प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता के टॉप 10 में अपना स्थान दर्ज करवाया।इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित किशोर कुमार महतो मुखिया कटिया पंचायत, विजय साहु केन्द्रीय महासचिव जेएलकेएम पतरातू एवं कोलेश्वर महतो पूर्व पंचायत समिति सदस्य कटिया पंचायत का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके साथ ही अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक छोटेलाल महतो, प्रशिक्षक अनिल कुमार महतो, सोनू कुमार, नीतीश कुमार तथा स्थानीय समाजसेवी सुधीर कुमार, प्रदीप साहु, अनुप कुमार, अजित कुमार, अभिषेक सर, हीरा कुमार महतो, उदय सर एवं अन्य दर्जनों खेल प्रेमियों ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और अपना सराहनीय योगदान दिया।

कृषि मार्केट के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर बाल-बाल बचे दो भाई

लोहरदगाः शहर के कृषि मार्केट के समीप रविवार को तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से जहां एक बाइक क्षतिग्रस्त हो गई है वहीं बाइक सवार दो भाइयों की जान बच गई है। ट्रक ने बाइक को टक्कर मारने के बाद बाइक को लगभग 100 मीटर तक घसीटते हुए ले गया, जिससे बाइक पूरी तरह चकनाचूर हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त बाइक का पंजीकरण संख्या खल08 ङ 4580 है, जबकि ट्रक के पीछे अंकित जेएच-08 सी 2776 नंबर है। हादसे में खालिद अंसारी की जान बाल-बाल बच गई। उनके पैर में फ्रैक्कर हुआ है और उनका इलाज चल रहा है। वहीं बाइक पर सवार उनके भाई सोनू अंसारी को आंशिक चोट आई है। हादसे के बाद दोनों भाई सदमे में हैं। बताया जाता है कि दोनों भाई लोहरदगा स्थित अपने ससुराल से अपने घर सेन्हा थाना क्षेत्र के डारू अंबा टोली लौट रहे थे, तभी कृषि मार्केट के समीप यह हादसा हो गया। गनीमत रही कि दोनों युवक ट्रक के पहियों की चपेट में आने से बच गए। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि कृषि मार्केट के आसपास लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन भारी वाहनों की तेज रफ्तार पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लग पा रहा है। लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर स्पीड लिमिट का सख्ती से पालन कराने, नियमित जांच अभियान चलाने तथा लापरवाह वाहन चालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। बताते चले ही गत दिनों इसी सड़क पर ट्रक की चपेट में आकर एक ही परिवार के तीन बच्चों की जान चली गई थी।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटे देशभर के शिक्षाविद् एवं शोधकर्ता

बाबा साहेब का जीवन युवाओं के लिए संघर्ष, शिक्षा और आत्मसम्मान की प्रेरणा है :रामदास अठावले

शिक्षा केवल सफलता का मार्ग नहीं बल्कि आत्मसम्मान,सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है :कुलाधिपति

रामगढ़ ।राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में ₹आर्थिक असमानता एवं बेरोजगारी के संदर्भ में डॉ. भीमराव अंबेडकर का समग्र दृष्टिकोण₹ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों के शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की बढ़ाई शोभासंगोष्ठी के मुख्य अतिथि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले जी, विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति श्री रंगनाथ पांडेय, गोमती नगर, लखनऊ के रूप में उपस्थित रहे। वहीं महाकौशल विश्वविद्यालय, जबलपुर (मध्य प्रदेश) के कुलपति डॉ. आर. सी. मिश्रा और नेशनल वॉयस प्रेसीडेंस महिला अघाड़ी डॉ माई देशमुख उपस्थित रहे ।राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह ने की। विश्वविद्यालय प्रबंधन की सराहनीय पहल विश्वविद्यालय कुलाधिपति धर्मपत्नी फूलमती देवी, सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो (डॉ.) रश्मि,कुलसचिव प्रो (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, राधा गोविन्द स्कूल प्राचार्य डॉ सुमित मोहंती , इंटर कॉलेज प्राचार्य सोमा पाण्डेय , समाजसेवी सी पी सनतन, मीडिया प्रभारी डॉ संजय सिंह एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत से हुआ। अतिथियों का स्वागत विश्वविद्यालय कुलगीत एवं मधुर गीत-संगीत, नृत्य के साथ किया गया, जिसने पूरे आयोजन को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर अतिथियों को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति ने अपने स्वागत भाषण में सभी मुख्य अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय संगोष्ठियां ज्ञान नवाचार और सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम है ।रामदास अठावले ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर का सपना केवल सामाजिक समानता तक सीमित नहीं था, बल्कि वे आर्थिक न्याय, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के माध्यम से एक सशक्त भारत का निर्माण करना चाहते थे। युवाओं को उनके विचारों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ।रंगनाथ पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय संगोष्ठी सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और राष्ट्र निर्माण के विषयों पर गंभीर चिंतन का महत्वपूर्ण अवसर है ।आर सी मिश्रा ने कहा डॉ. भीमराव अंबेडकर के आर्थिक चिंतन, सामाजिक न्याय, समान अवसर, रोजगार सृजन तथा समावेशी विकास के सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला ।कुलाधिपति बी. एन. साह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार सामाजिक समरसता, आर्थिक सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों से उनके विचारों को आत्मसात कर समाज के विकास में योगदान देने का आह्वान किया ।सभी अतिथियों द्वारा संगोष्ठी की स्मारिका का लोकार्पण (विमोचन) किया गया ।तकनीकी सत्र में सभी शोधार्थियों ने अपने-अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए, जिन पर विषय विशेषज्ञों ने विस्तृत चर्चा करते हुए उपयोगी सुझाव प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ रंजना पाण्डेय, डॉ अमरेश पांडेय और डॉ पूनम कुमारी ने किया। धन्यवाद एवं आभार प्रकट विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल ने दिया ।अंत में सभी उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया,जिसके साथ कार्यक्रम का सफल समापन किया गया।

शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की मांग

महावीर चौक समेत पूरे शहर में अभियान चलाने की अपील

लोहरदगाःलोहरदगा शहर में बढ़ते अतिक्रमण और उससे उत्पन्न यातायात समस्या को ले शहरवासियों ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। डीसी को सौंपे गए ज्ञापन में महावीर चौक सहित पूरे शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा आम नागरिकों की सुविधा के लिए विशेष अभियान चलाने का अनुरोध किया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि शहर की प्रमुख सड़कों, चौक- चौराहों और बाजार क्षेत्रों में अवैध गुमटियों, पान दुकानों, ठेलों तथा सड़क किनारे फैले अस्थायी कब्जों के कारण रोजाना जाम की स्थिति बन रही है। इससे राहगीरों, विद्यार्थियों, महिलाओं, बुजुर्गों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।शहरवासियों ने विशेष रूप से अपर बाजार स्थित महावीर चौक का उल्लेख करते हुए कहा कि यह शहर का प्रमुख एवं व्यस्त चौराहा है, जहां लगातार बढ़ते अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

ज्ञापन में प्रशासन से अनुरोध किया गया है कि महावीर चौक सहित पूरे लोहरदगा नगर में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाए, अवैध गुमटियों, पान दुकानों एवं अन्य अतिक्रमणों को नियमानुसार हटाया जाए तथा दोबारा अतिक्रमण न हो, इसके लिए नियमित निगरानी और स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान शुरू, रांची में मेयर रोशनी खलखो ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर की शुरूआत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार 28 जून 2026 को सदर अस्पताल में रांची की महापौर रोशनी खलखो द्वारा किया गया. इस मौके पर रांची विधायक सीपी सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के झारखंड अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, रांची के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, टीकाकरण के राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. विजय किशोर रजक, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. विमलेश कुमार सिंह, विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. अमरेंद्र, डीआरसीएचओ डॉ. असीम कुमार मांझी, एसीएमओ डॉ. अमरेंद्र कुमार, उ्ळ्ड डॉ. एस बास्की समेत अन्य पदाधिकारी, चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे. महापौर रोशनी खलखो, विधायक सीपी सिंह और अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की औपचारिक शुरूआत की.

कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से न रहे वंचितः सीएस

रांची के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले 14 वर्षों से भारत में पोलियो का एक भी मामला सामने नहीं आया है. इसका श्रेय स्वास्थ्यकर्मियों की निरंतर मेहनत और जनसहभागिता को जाता है. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों में अभी भी पोलियो के मामले मिल रहे हैं, इसलिए हमलोगों को भी न सिर्फ सजग रहना होगा, बल्कि सचेत भी रहना होगा. उन्होंने कहा कि समय पर टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है. इसलिए सभी अभिभावकों से अपील की कि 0 से 5 वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रखे. वहीं मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रांची की मेयर रोशनी खलखो ने कहा कि भारत आज पोलियो मुक्त है,लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए नियमित टीकाकरण जरूरी है. उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों से ही देश पोलियो मुक्त बन सका है. उन्होंने बताया कि आज सदर अस्पताल के साथ-साथ गांवों के स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में भी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जा रही है, ताकि कोई भी बच्चा छूट न जाए. उन्होंने सदर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां अब बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिसका लाभ आमजन को मिल रहा है.

विधायक ने स्वास्थ्यकर्मियों का हौसला बढ़ाया

वहीं पूर्व मंत्री एवं स्थानीय विधायक सीपी सिंह ने कहा कि देश को पोलियो मुक्त बनाने में स्वास्थ्यकर्मियों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है. उन्होंने सदर अस्पताल की बदलती स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि आज यहां सभी वर्गों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो रही है. उन्होंने कहा कि अस्पताल को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए, ताकि लोगों को बेहतर इलाज के लिए अन्य संस्थानों पर निर्भर न रहना पड़े. वहीं एनएचएम झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बताया कि वर्ष 1995 से देशभर में पल्स पोलियो अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है. इस वर्ष झारखंड में लगभग 61 लाख से अधिक बच्चों को 24,507 बूथों पर पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है. उन्होंने बताया कि आज (28 जून) को बूथ दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, जबकि 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्यकर्मी, सहिया दीदी, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगे.

परिसीमन के मुद्दे पर बंधु तिर्की ने बुलाई थी सर्वदलीय बैठक, सत्ताधारी दल के प्रतिनिधि भी मीटिंग में नहीं हुए शामिल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। आने वाले दिनों में जब देश के साथ-साथ झारखंड में भी लोकसभा-विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन होना है, ऐसे में झारखंड में परिसीमन की वजह से अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के लिए रिजर्व विधानसभा और लोकसभा सीटें न घटे, इसके लिए आगे की रणनीति बनाने के लिए राज्य के पूर्व शिक्षामंत्री एवं कांग्रेस नेता बंधु तिर्की ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई.

बैठक में सहयोगी दल का भी कोई प्रतिनिधि नहीं पहुंचा

प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित होनेवाली 'परिसीमन पर चर्चा' के लिए बतौर संयोजक बंधु तिर्की ने छोटे-बड़े कुल 16-17 दलों को आमंत्रित किया था, लेकिन जब कार्यक्रम शुरू हुआ तो कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राजीव रंजन प्रसाद और सीपीआई माले के केंद्रीय समिति सदस्य शुभेंदु सेन, आरडी मांझी, स्टेट स्टैंडिंग कमिटी के सदस्य देवीनंदन बेडिया, आदिवासी संघर्ष मोर्चा की केंद्रीय परिषद सदस्य सुशीला तिग्गा और कुछ अन्य सामाजिक संगठनों के नेता ही शामिल हुए. बंधु तिर्की द्वारा आमंत्रित किये जाने के बावजूद भाजपा, आजसू, जदयू, लोजपा (आर) जैसे विरोधी दलों की बात छोड़िए, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल, जैसे सत्ता के सहयोगी दल का भी कोई प्रतिनिधि सर्वदलीय बैठक में नहीं पहुंचा. विधायक जयराम महतो की पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का भी कोई प्रतिनिधि इस सर्वदलीय बैठक में नहीं पहुंचा. सभी दलों को मीटिंग में आने का न्योता दिया गया थाः बंधु तिर्की राज्य के ज्यादातर प्रमुख दलों की अनुपस्थिति में हुई बैठक के बाद पूर्व मंत्री और कांग्रेस के नेता बंधु तिर्की ने मीडिया से बातचीत में आगे की रणनीति और 02 अगस्त को रांची में 'विशाल आदिवासी एकता रैली' आयोजित करने की घोषणा की. बंधु तिर्की ने कहा कि परिसीमन का नुकसान राज्य के जनजातीय और दलित समाज को नहीं उठाना पड़े, इस लिहाज से यह आज का सबसे बड़ा मुद्दा है. कोई यह नहीं कहे कि हम इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अकेले आगे बढ़ रहे हैं,

जेल में मोबाइल का खेल, गैंगस्टर की पत्नी की जांच में हुआ खुलासा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड के जेलों में बड़े अपराधियों के पास मोबाइल फोन बेहद आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं. इसका खुलासा कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा की वजह से हुआ है. रांची जेल से चाईबासा जेल शिफ्ट करने के दौरान जेल में हुई तलाशी में रिया सिन्हा के पास से मोबाइल, सिम कार्ड और चार्जर बरामद किया गया है. कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा की पत्नी और दर्जन भर मामलों में आरोपी रिया सिन्हा के पास से मोबाइल फोन बरामद किया गया है. दरअसल, रिया सिन्हा को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया था, जिसके बाद उसे जेल भेजा गया था. जेल प्रशासन के आदेश पर रिया सिन्हा को रांची जेल से चाईबासा जेल शिफ्ट करने का आदेश हुआ. कड़ी सुरक्षा के बीच रिया को चाईबासा जेल ले जाया गया. चाईबासा जेल के महिला बंदी कक्षा में रिया की चेकिंग की गई.

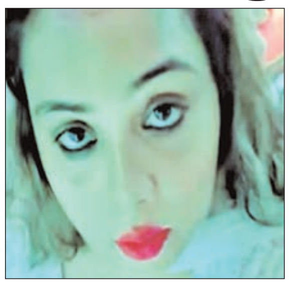

इस दौरान रिया के कपड़ों से एक स्मार्टफोन के अलावा कुछ टूटे हुए सिम कार्ड, चार्जर और एडाप्टर बरामद किए गए.

सदर थाने में एफआईआर दर्ज

रिया के पास से बरामद मोबाइल उसके पास कहां से आया? इसकी तो जांच की जा रही है, लेकिन मोबाइल बरामदगी को लेकर चाईबासा के सदर थाने में एफआईआर भी दर्ज की गयी है. यह एफआईआर सदर थानेदार हीरालाल महतो के बयान पर दर्ज की गई है. एफआईआर में लिखा गया है कि 24 जून को कुख्यात महिला अपराधकर्मी रिया सिन्हा को मंडल कारा चाईबासा में स्थानांतरित किया गया. रांची से एस्कॉर्ट टीम रिया सिन्हा को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से लेकर चाईबासा पहुंची थी. जेल में प्रवेश करने से पहले रिया की विधिवत तलाशी ली गई. डीएसपी स्तर की महिला पुलिस अधिकारी ने रिया की जांच शुरू की. तलाशी के क्रम में महिला कैदी रिया सिंह के पास से एक मोबाइल फोन, जिसमें दो सिम कार्ड लगे हुए थे, चार्जर और अडॉप्टर बरामद किया गया. रिया सिन्हा झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा की पत्नी है. रिया पहले भी जेल जा चुकी है. अक्टूबर 2025 महीने में रांची पुलिस ने प्रिंस खान गिरोह के कुछ अपराधियों की गिरफ्तारी की थी. गिरफ्तार अपराधियों ने बयान दिया था कि सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान गिरोह एक साथ काम कर रहे हैं और दोनों गैंग्स के बीच की कड़ी रिया सिन्हा है. मामला सामने आने के बाद रिया सिन्हा को रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया.

निगम की सख्ती, नदी किनारे अवैध निर्माण, मीट दुकानों व अतिक्रमण पर कार्रवाई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। सहायक नगर आयुक्त के नेतृत्व में निगम की इंफोर्समेंट टीम द्वारा डीपीएस चौक से डिब्डीह पुल होते हुए अरगोड़ा तक अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया. इस दौरान सड़क, फुटपाथ, नदी किनारे, सार्वजनिक स्थलों एवं अवैध विज्ञापनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई. नगर निगम द्वारा शहर के जलाशयों के कैचमेंट एरिया को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए प्रत्येक दिन अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में आज हरमू नदी एवं डिब्डीह पुल के समीप अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की गई. अभियान के दौरान निगम की टीम ने लगभग 8 अवैध अस्थायी संरचनाओं को ध्वस्त किया. अभियान के दौरान झारखंड फर्नीचर के समीप अवैध मीट दुकान संचालित पाई गई. निरीक्षण में यह पाया गया कि दुकान से निकलने वाले मीट के अवशेष नदी एवं उसके आसपास फेंके जा रहे थे, जिससे बड़ी संख्या में पक्षी वहां

एकत्रित हो रहे थे. संबंधित क्षेत्र फ्लाइंग जोन में होने के कारण इससे बर्ड हिट की संभावना बनी रहती थी, जो विमान संचालन की दृष्टि से गंभीर विषय है. साथ ही, जलाशयों में अपशिष्ठ प्रवाहित करने से जल दूषित हो रहा था. इस मामले को कार्रवाई करते हुए उक्त अवैध मीट दुकान को हटाया गया. निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे लगभग 15 दुकानें बिना ट्रेड लाइसेंस के संचालित पाई गईं. सहायक नगर आयुक्त ने संबंधित दुकानदारों को तीन दिनों के भीतर ट्रेड लाइसेंस प्राप्त करने का निर्देश दिया. निर्धारित अवधि में लाइसेंस नहीं लेने की स्थिति में संबंधित दुकानों को नियमानुसार सील करने की कार्रवाई की जाएगी.

तैयार अफीम निकलवाने की जुगत में तस्कर, शिकंजे में आया अपने ही खेत में अफीम उगाने वाला शख्स !

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी रांची में अफीम तस्कर तैयार अफीम को राज्य से बाहर निकालने की जुगत में लगे हुए हैं. पुलिस की सतर्कता की वजह से अफीम तस्कर पकड़े जा रहे हैं. ताजा मामला रांची के नामकुम थाना क्षेत्र का है, यहां से पुलिस ने 5 किलो तैयार अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है. रांची के हेड क्वार्टर डीएसपी-1 अमर पांडेय ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक रांची को गुप्त सूचना मिली कि नामकुम क्षेत्र में एक व्यक्ति बाइक से तैमारा की ओर से अवैध अफीम लेकर रामपुर की तरफ बेचने के लिए आने वाला है. इस सूचना के सत्यापन के लिए एक टीम का गठन किया गया. जिसमें थाना प्रभारी, नामकुम एवं थाना के पुलिस पदाधिकारी और सषस्त्र बलों को शामिल करते हुए किया गया. छापामारी दल के द्वारा रांची-टाटा रोड़ पर नामकुम तथा दशमफॉल थाना की सीमा के पास

स्थित राईसा नदी के पास तैमारा के तरफ से आने वाले वाहनों की जांच की. इस दौरान एक ब्लू रंग की मोटरसाइकिल (JH 01 CG-8272) पर सवार एक व्यक्ति को आते हुए देखा गया. जिसे रूकने का इशारा करने पर तेजी से मोटरसाइकिल घुमाकर वापस तैमारा की ओर भागने का प्रयास करने लगा. इसके बाद उस व्यक्ति की घेराबंदी कर पुलिस बल के सहयोग से मोटरसाइकिल सहित पकड़ लिया गया.

अपने ही खेत में उगाया था अफीम

पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम सनिका मुंडा (करीब 40 वर्ष, पिता- स्व० बुजगु मुण्डा स्थायी पता- हुसिरहातु, उरांगडीह टोला, थाना- दशमफॉल, रांची) बताया. उस व्यक्ति की विधिवत तलाशी लेने पर उसकी बाइक पर टंगे झोले में रखे अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद हुआ. बरामद अफीम के स्त्रोत के संबंध में पूछने पर बताया कि उस अफीम को उसके द्वारा अपने खेत में अवैध तरीके से की गई अफीम खेती से चिरा लगाकर निकाला गया. पूर्व में भी कई बार अन्य ग्राहकों इसके द्वारा बेचा गया है और ये अफीम बेचने रामपुर में एक व्यक्ति के पास तयशुदा रकम में बेचने जा रहे थे.

इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट असेंबली : प्रियंका कुमार सत्र 2026-27 की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन चुनी गयी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 325 की 42वीं डिस्ट्रिक्ट असेंबली का आयोजन रांची में किया गया. इसमें प्रियंका कुमार (सत्र 2026-27) की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन चुनी गयी.. बता दें कि बिहार और झारखंड में फैले इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 325 के अंतर्गत कुल 96 क्लब कार्यरत हैं, जिनसे लगभग 6000 सदस्याएं जुड़ी हुई हैं. मित्रता और अंतरराष्ट्रीय सद्भाव के आदर्शों को समर्पित डिस्ट्रिक्ट असेंबली का उद्देश्य समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर महत्वपूर्ण कार्य करना है. रांची में संपन्न असेंबली में बिहार व झारखंड के विभिन्न क्लबों से आयी 350 से अधिक सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. प्रियंका कुमार के नेतृत्व में गठित नयी डिस्ट्रिक्ट एक्जीक्यूटिव टीम में रश्मि गुप्ता ने एसी मेंबर, निभा मिश्रा ने डिस्ट्रिक्ट वाइस चेयरमैन, नीता नारायण ने डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी,

विभा चरणपाहाड़ी ने डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरर, नीलू अरोड़ा ने डिस्ट्रिक्ट आईएसओ तथा सोनल वर्मा ने डिस्ट्रिक्ट एडिटर के रूप में पदभार संभाला. कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद महुआ माझी भी शामिल हुई. उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में आयी हुई महिलाएं अपने-अपने फील्ड के एक्सपर्ट हैं. वे समाज को अच्छी दिशा देने का काम करें. महुआ माझी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में अच्छा संदेश देते हैं कार्यक्रम की शुरूआत में मां दुर्गा के नौ रूपों का प्रदर्शन किया गया. मां दुर्गा के नौ रूप महिलाओं की अलग अलग शक्तियों को दशार्ते हैं और महिलाओं को सशक्त करने का काम करते है.

135वें संस्करण में पीएम मोदी ने देशवासियों से की मन की बात, रांची में प्रदेश बीजेपी कार्यालय में कार्यकताओं ने देखा कार्यक्रम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। जून महीने के अंतिम रविवार के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों के साथ 'मन की बात' की. अपने इस कार्यक्रम के 135वें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोना की खरीद नहीं करने, विदेश यात्रा को टालने और देश में पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के आह्वान पर अमल करने के लिए देशवासियों का आभार जताया. पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में देशवासियों से सरकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम के तहत बेहद कम प्रीमियम पर दुर्घटना बीमा और जीवन बीमा कराने का आह्वान करते हुए कहा कि अब तक देश में सरकार द्वारा बेहद कम प्रीमियम पर कराए जा रहे दुर्घटना बीमा के तहत 58 करोड़ लोगों द्वारा बीमा कराने की जानकारी देते हुए कहा

कि इन 58 लाख में 28 करोड़ महिलाएं शामिल हैं. उन्होंने बताया कि जब से यह बीमा योजना लागू हुई है, तब से अब तक 3700 करोड़ से ज्यादा लोगों के परिजनों को सहायता मिल चुकी है.

पीएम जीवन ज्योति योजना का जिक्र

पीएम मोदी ने बताया कि इसी तरह पीएम जीवन ज्योति योजना के तहत 2 लाख का बीमा कवच मात्र 432 रुपया वार्षिक की प्रीमियम पर किया जाता है, इससे 27 करोड़ से अधिक लोग जुड़े हैं और 11 लाख परिवार को 22 हजार करोड़ की सहायता मिल चुकी है. उन्होंने कहा कि लाखों परिवारों की अपनी अपनी-अपनी कहानी है. बहुत बड़ी सुरक्षा की शुरूआत छोटा सा कदम बढ़ाकर किया जा सकता है. असम के एक इलाके में गांव वालों द्वारा एक पक्षी को अशुभ मानने से जुड़े अंधविश्वास का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अंधविश्वास की वजह से पहले जो लोग उस पक्षी को मार दिया करते थे, उसे अब बचाने की मुहिम चल रही है, सबसे अच्छी बात यह है कि उस गांव की महिलाएं इस अभियान का नेतृत्व कर रही हैं.

खेल को अपना भविष्य बना रहे हैं युवा

इसी तरह पीएम मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में देश के युवाओं में खेल के प्रति बढ़ती जागरूकता का जिक्र करते हुए नागालैंड में हो रहे दो प्रयासों का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि आज के युवा खेल भी रहे हैं और अपना भविष्य भी बना रहे हैं. उन्होंने नागालैंड में फुटबॉल का जिक्र इस दरम्यान किया. प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' कार्यक्रम में बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय का भी जिक्र किया. पीएम मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय के प्राचीन और गौरवशाली इतिहास का जिक्र करते हुए नए स्वरूप में बनाये गए नालंदा विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की.

तमाड़ में बुजुर्ग हत्याकांड का खुलासा, जमीन विवाद में आरोपी गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तमाड़ः तमाड़ थाना क्षेत्र के बारेडीह गांव में 70 वर्षीय गोविन्द्र महतो की हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी कुईला महतो को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे की दाउली भी बरामद कर ली गई है। बुंडू एसडीपीओ ओमप्रकाश ने बताया कि 24 जून को बारेडीह गांव में हत्या की सूचना मिलने के बाद तमाड़ थाना में कांड दर्ज कर मामले के त्वरित उद्भेदन के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। अनुसंधान के दौरान मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पता चला कि मृतक और आरोपी के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन गोविन्द्र महतो अपने खेत में धान का बीज डालने गए थे। काम समाप्त होने के बाद वह खेत के पास एक पेड़ की छांव में बैठकर आराम कर रहे थे। इसी दौरान आरोपी कुईला महतो पीछे से पहुंचा और लोहे की दाउली से गर्दन पर वार कर उनकी हत्या कर दी। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई और अनुसंधान जारी है।

रांची में रथ यात्राः 29 जून से मेला टेंडर की प्रक्रिया होगी शुरू, जगन्नाथ मंदिर में रथ निर्माण ने पकड़ी रफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी रांची के धुर्वा स्थित ऐतिहासिक श्री जगन्नाथ मंदिर में वार्षिक रथ यात्रा महोत्सव की तैयारियां तेज हो गई हैं. मंदिर परिसर में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के लिए पारंपरिक रथ का निर्माण युद्धस्तर पर चल रहा है. इस वर्ष रथ की बनावट और सजावट को विशेष आकर्षक बनाने पर जोर दिया जा रहा है. ओडिशा से पहुंचे अनुभवी कारीगर पारंपरिक शिल्पकला के अनुरूप रथ तैयार कर रहे हैं. हर वर्ष की तरह इस बार भी रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है.

29 जून को देव स्नान के साथ शुरू होगा महोत्सव

धार्मिक परंपरा के अनुसार 29 जून को देव स्नान यात्रा के साथ रथयात्रा महोत्सव की शुरूआत होगी. इस दिन भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का विशेष स्नान कराया जाएगा. इसके बाद तीनों विग्रह अनासर काल में प्रवेश करेंगे. मान्यता है कि स्नान के बाद भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं और लगभग 15 दिनों तक एकांतवास में रहते हैं. इस अवधि में मंदिर का गर्भगृह श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए बंद रहेगा. अनासर काल समाप्त होने के बाद 15 जुलाई को नेत्रोत्सव (नेत्रदान) का आयोजन होगा. धार्मिक विधि-विधान के साथ भगवान के नेत्रों का पुनः अंकन किया जाएगा. इसके अगले दिन 16 जुलाई को भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी. जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा अपने रथ पर सवार होकर मौसीबाड़ी के लिए प्रस्थान करेंगे. रथयात्रा के साथ ही धुर्वा का ऐतिहासिक 10 दिवसीय रथ मेला भी शुरू हो जाएगा, जो रांची की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है.

रथ मेला को लेकर तैयारियां शुरू

मेला आयोजन की प्रशासनिक तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं. 29 जून से मेला टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ होगी. इस वर्ष मेले के संचालन के लिए बेस प्राइस 1 करोड़ 5 लाख रुपये तय किया गया है. पिछले तीन वर्षों से मेले का संचालन टेंडर के माध्यम से किया जा रहा है. वर्ष 2023 में टेंडर 75 लाख रुपये, वर्ष 2024 में 1.92 करोड़ रुपये और वर्ष 2025 में आपसी सहमति के कारण 51 लाख रुपये में हुआ था. इस बार भी मेला आवंटन को लेकर लोगों की नजरें टेंडर प्रक्रिया पर टिकी हैं. रथयात्रा के दौरान लगने वाला धुर्वा मेला झारखंड के सबसे बड़े पारंपरिक मेले में गिना जाता है. यहां रांची, देवघर, दुमका, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से व्यापारी पहुंचते हैं. मेले में पारंपरिक मिठाईयां, हस्तशिल्प, तीर-धनुष, मांदर, कृषि उपकरण, घरेलू सामान, झूले और बच्चों के मनोरंजन के अनेक साधन उपलब्ध रहते हैं.

सोनाहातू में वज्रपात से फॉरेस्ट गार्ड की मौत, दो कर्मी घायल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सोनाहातू। सोनाहातू प्रखंड क्षेत्र में रविवार को हुई तेज गर्जना और वज्रपात की घटना में वन विभाग के एक कर्मी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, खूंटी वन प्रमंडल के बुंडू वन प्रक्षेत्र में कार्यरत फॉरेस्ट गार्ड रोशन श्रीवास्तव हाथियों से बचाव के लिए बनाए जा रहे वॉच टावर के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने सोनाहातू थाना क्षेत्र के काला महादेव के समीप पहुंचे थे। उनके साथ विभाग का चालक और एक अन्य कर्मी भी मौजूद था। इसी दौरान अचानक मौसम ने करवट ली और तेज गर्जना के साथ वज्रपात हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वज्रपात की चपेट में आने से रोशन श्रीवास्तव मौके पर

ही अचेत होकर गिर पड़े। घटना के बाद उनके साथियों और स्थानीय लोगों ने तत्काल उन्हें सोनाहातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं चालक और एक अन्य कर्मी घायल हो गए, जिनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। इस दुखद हादसे से वन विभाग सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा वन विभाग के अधिकारियों ने दिवंगत फॉरेस्ट गार्ड के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

गोलढाब-चुआर से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का हुआ शुभारंभ उपायुक्त एवं विधायक ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

दक्षिण पलाशगाछी पंचायत के गोलढाब–चुआर पहुंचे उपायुक्त और विधायक, पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, विकास कार्यों को मिलेगी नई गति

उधवा/साहिबगंज ।उधवा प्रखंड अंतर्गत दक्षिण पलाशगाछी एवं पश्चिमी प्राणपुर पंचायत के गोलढाब-चुआर में रविवार को जिला उपायुक्त दीपक कुमार दुबे एवं स्थानीय विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा एक साथ क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ करते हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई तथा ग्रामीणों से अपने सभी बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाने की अपील की। पल्स पोलियो अभियान के शुभारंभ के बाद जिला उपायुक्त एवं विधायक ने क्षेत्र की विकास योजनाओं की समीक्षा की तथा ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही, जिन्होंने वर्षों से लंबित विकास कार्यों को अधिकारियों के समक्ष रखा। इस अवसर पर दक्षिण पलाशगाछी पंचायत की मुखिया नफीसा खातून ने पंचायत की ओर से क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं एवं आवश्यक विकास कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन जिला प्रशासन एवं विधायक के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने बाड़ रहत चबूतरा निर्माण, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC), सोलर जलापूर्ति प्लांट की मरम्मत, पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने, बाढ़ सुरक्षा कार्य, सड़क, पुल-पुलिया, अन्य आधारभूत सुविधाओं के शीघ्र निर्माण एवं मरम्मत की मांग की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के पूरा होने से हजारों ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा और क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।विधायक ने आश्वासन दिया कि पंचायत की ओर से रखी गई सभी महत्वपूर्ण मांगों को पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा विधायक ने कहा कि गोलढाब-चुआर जैसे दूरस्थ क्षेत्रों का विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल एवं बाढ़ सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पंचायत की ओर से रखी गई सभी महत्वपूर्ण मांगों को संबंधित विभागों के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखें तथा जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी हैः उपायुक्त

उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने कहा कि सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विकास योजनाओं की नियमित निगरानी करें, कार्यों में तेजी लाएं तथा गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करें। उन्होंने मुखिया द्वारा रखे गए विकास प्रस्तावों पर सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा भी दिलाया।कार्यक्रम के दौरान प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के बीच विकास को लेकर सकारात्मक संवाद हुआ। पहली बार जिला उपायुक्त और विधायक के एक साथ गोलढाब-चुआर पहुंचने से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। लोगों ने आशा व्यक्त की कि इस ऐतिहासिक दौरे के बाद क्षेत्र के लंबे समय से लंबित विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और ग्रामीणों की समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा। कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतों,प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी, अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल, सिविल सर्जन डॉ उदय टुडू, डॉ गुफरान अंसारी,थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज,सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

171वें हूल दिवस को लेकर झामुमो की तैयारी पूरी, भोगनाडीह और पंचकठिया में शहीदों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

साहिबगंज ।जिला समिति और केंद्रीय समिति के निर्णयानुसार, इस वर्ष भी 30 जून को वीर शहीद सिदो-कान्हु का 171वां 'हूल दिवस' अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर झामुमो के जिला अध्यक्ष अरुण सिंह, सचिव सुरेश टुडू और उपाध्यक्ष संजीव शामू हेंब्रम ने जिले के सभी प्रखंड और नगर अध्यक्षों व सचिवों को निर्देश जारी किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पंचायत कमेटियों के साथ मिलकर निकटतम शहीद स्थलों पर जाकर वीर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करें और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करें।इस गौरवशाली अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी विशेष रूप से शामिल होंगे। झामुमो के केंद्रीय सचिव एवं प्रवक्ता पंकज मिश्रा, सांसद विजय कुमार हांसदा, तथा विधायक धनंजय सोरेन और एमटी राजा क्रांतिस्थल पंचकठिया और भोगनाडीह पहुंचकर वीर शहीद सिदो-कान्हु को नमन करेंगे। पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यकताओं से आह्वान किया है कि वे निर्धारित समय पर पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ इस ऐतिहासिक दिवस को मनाएं और शहीदों के बलिदान को याद करें।

मिजाचीकी में कुछ देर बारिश होने पर ही सड़कों व रेलवे पटरी पर बहने लगता है पानी

मंडरो/साहिबगंज ।प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मिर्जाचौकी में बारिश होने के बाद लोगों की परेशानी बढ़ जाती है। मिजाचौकी मैं जोरदार बारिश होने के कारण मिजाचौकी फाटक समीप बीच सड़क पर तेज गति से पुलिया होकर पानी बहने लगती हैं। जिसके कारण लोगों को आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है,पानी का बहाव इतनी तेज होती है कि लोगों को समझ नहीं आता कि सड़क किधर है और गड्ढा किधर है। लगातार बारिश होने के कारण पहाड़ से उतरा पानी मिजाचौकी रेलवे पटरी तक पहुंच जाती हैं । वहीं मिजाचौकी रेल पटरी पर पानी का जमाव हो जाता है। जोरदार बारिश के कारण कई गांव में जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। बरसात के दिनों में स्थिति और खतरनाक हो जाती है। लोगों की समस्याओं का समाधान अब तक नहीं हो सका है। जबकि मिजाचौकी पासीटोला में लोगों के घरों में जलजमाव हो जाती है। लोग पूरी तरह डर जाया करते है की पता नहीं बारिश होने से किसका घर मकान ढह जाए। बीते एक साल में कई बार मंडरो व साहिबगंज से अधिकारी आए, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। सोचने वाली बात है कि जब बरसात का महीना आएगा तब की स्थिति क्या होगी,

अस्पताल की सड़क के लिए ग्रामीण राज्यपाल के नाम करेंगे जमीन दान, रैयतों की सहमति के साथ जल्द अस्पताल को मिलेगा नया सड़क- उपायुक्त

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राजमहल/साहिबगंज। राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा व उपायुक्त साहिबगंज दीपक कुमार दुबे ने उधवा प्रखंड के मोहनपुर पंचायत स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए उपायुक्त महोदय के माध्यम से कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए उन्होंने प्रसव गृह ,इमरजेंसी, ओपीडी एवं वार्ड का निरीक्षण किए। वर्तमान में अस्पताल की प्रमुख समस्या मुख्य सड़क से अस्पताल तक की कम्युनिकेशन को लेकर है। अतिरिक्त 3 किलोमीटर सफर मरीज को तय करना पड़ता है। विधायक के पहल पर आदिवासी रैयती ग्रामीणों ने मुख्य सड़क से अस्पताल को जोड़ने वाली सड़क के लिए जमीन देने पर सहमति दी है सभी ने कहा कि राज्यपाल के नाम अस्पताल हित में सड़क के लिए जमीन दान देंगे। विधायक ने कहा कि जो भी रैयत सड़क के लिए जमीन दान देंगे उन रैयतो के परिवार के एक सदस्य को आउटसोर्सिंग के माध्यम से उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार रोजगार देने का कार्य स्वास्थ्य विभाग करें। हालांकि इस पर प्रशासनिक पदाधिकारी द्वारा सकारात्मक आश्वासन प्राप्त हुआ है। सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने की लगातार कार्य जारी है। कर्मचारी ईमानदारी पूर्वक अपने कर्तव्य का निर्वाह करें। मौके पर प्रभारी उपाधीक्षक डॉ उदय टुडू व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गुफरान आलम मौजूद थे।

दोस्तों संग नहाने गया था सुमन, खदान के गहरे पानी में डूबने से गई जान

बीस नम्बर पहाड़ पर दर्दनाक हादसा: नहाने गए किशोर की डूबकर मौत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

मंडरो/साहिबगंज ।मिजाचौकी थाना क्षेत्र के बीस नम्बर पहाड़ पर एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां बंद पड़ी खदान के गहरे गड्ढे में जमा पानी में नहाने गए एक 16 वर्षीय किशोर की डूबने से मौत हो गई। इस घटना के बाद से मृतक के परिवार और पूरे गांव में कोहराम मच गया है।

दोस्तों के साथ नहाने गया था किशोर

मिली जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर करीब 12 बजे मिजाचौकी के महादेववरण निवासी जगलाल चौधरी का 16 वर्षीय पुत्र सुमन चौधरी अपने कुछ दोस्तों के साथ बीस नम्बर पहाड़ पर गया था। वहां बंद पड़ी खदान के गड्ढे में भारी मात्रा में पानी जमा था, जिसमें सभी किशोर नहाने के लिए उतर गए। नहाने के दौरान सुमन गहरे पानी की तरफ चला गया और अचानक डूबने लगा।

अत्यधिक पानी होने के कारण नहीं बचा पाए साथी

सुमन को डूबता देख उसके साथियों ने अपने स्तर से उसे बचाने और खोजने की काफी कोशिश की। लेकिन खदान का गड्ढा बेहद गहरा होने और उसमें अत्यधिक पानी भरे होने के कारण साथी ज्यादा अंदर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। अनहोनी की आशंका को देखते हुए साथियों ने तुरंत भागकर इसकी सूचना महादेववरण गांव में परिजनों और ग्रामीणों को दी।

अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में तोड़ा दम

सूचना मिलते ही भारी संख्या में परिजन और ग्रामीण खदान की ओर दौड़े। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद सुमन को पानी से बाहर निकाला। उसे तुरंत मिजाचौकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पड़ोसी राज्य बिहार के पीरपैंती रेफर कर दिया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में सुमन ने दम तोड़ दिया। इस घटना ने एक बार फिर बंद पड़ी खदानों के खुले गड्ढों में जमा पानी से होने वाले खतरों को उजागर कर दिया है, जो स्थानीय बच्चों और युवाओं के लिए लगातार जानलेवा साबित हो रहे हैं।

3.53 करोड़ की लागत के दो योजनाओं का विधायक ने किया शिलान्यास

उधवा/साहिबगंज ।राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा उधवा प्रखंड क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत अंतर्गत कुसमा में 2.98 करोड़की लागत से बनने वाले खाद्य आपूर्ति विभाग के एक हजार मैट्रिक टन के गोदाम के साथ तौलपुल व कंप्यूटर कक्ष का शिलान्यास एवं उत्तर पलाशगाछी के स्वास्थ्य उप केंद्र का शिलान्यास माननीय विधायक महोदय ने किया. उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गति देने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है सरकार के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं का क्रियान्वन राजमहल विधानसभा क्षेत्र में कराया जा रहा है जिसका लाभ निश्चित ही क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। पार्टी कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं संवेदक के प्रतिनिधि के माध्यम से पुष्प गुच्छ देकर विधायक का स्वागत किया गया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली उर्फ बाबू दा, प्रखंड सचिव विश्वजीत मंडल, काजू मल्लिक, रानी हांसदा, सकल हेंब्रम, मुर्शीद राजा, आकिब अनिस सहित अन्य मौजूद थे।

सड़क हादसे में बरहरवा के युवक की मौत, अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ कार्रवाई की मांग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज ।बरहरवा थाना क्षेत्र के सब्जी मंडी निवासी एक युवक की बिहार के मुंगेर जिले में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। घटना को लेकर मृतक की पत्नी ने बरहरवा थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात मोटरसाइकिल चालक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक अमरजीत शर्मा उर्फ रौशन शर्मा अपनी पत्नी जूली देवी के साथ उनके मायके फुलका गुमटी, जमालपुर (मुंगेर, बिहार) गए हुए थे। जूली देवी द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया है कि 27 जून 2026 की शाम करीब 6 बजे अमरजीत शर्मा घर से बाहर निकलकर एक ई - रिक्शा में सवार होने जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रहे एक अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में अमरजीत शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सहायता से उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसी रात उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद बाइक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। मृतक की पत्नी ने अपने आवेदन में बताया है कि उनके पति परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दुर्घटना के लिए जिम्मेदार अज्ञात वाहन चालक की पहचान करने तथा उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस को दिए गए आवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू किए जाने की बात कही जा रही है। वहीं, घटना से मृतक के परिजनों में शोक का माहौल है।

भाजपा कार्यकताओं ने सुनी प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज ।भारतीय जनता पार्टी साहिबगंज ग्रामीण मंडल मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में आज जिला में आए प्रवासी प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय राजमहल विधानसभा के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा अध्यक्ष,भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम यादव,जिला प्रभारी अमृत पाण्डे आज देश के सबसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के135वें एपिसोड मन की बात कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी साहिबगंज ग्रामीण मंडल के शक्ति केंद्र गंगा प्रसाद पूरा मध्य 41 पर मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल के नेतृत्व में पूर्व जिला मंत्री मनोज कुमार यादव का आवास पर शक्ति केंद्र की संघात्मक बैठक की गई ।बैठक उपरांत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत साहिबगंज ग्रामीण मंडल में एक पेड़ मां के नाम लगाया गया ।मौके पर साहिबगंज ग्रामीण मंडल के प्रखंड उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी,पवन यादव, निशा देवी,महामंत्री ओम प्रकाश पांडे, महिला मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष सुनीता देवी,प्रखंड मंत्री किरण देवी,शक्ति केंद्र संयोजक कुंदन कुमार,पूर्व जिला मंत्री मनोज यादव,मनीष कुमार एससी मोर्चा का प्रखंड अध्यक्ष यशवंत,पूर्व कोषाध्यक्ष गोपाल साह,मंडल अध्यक्ष अरविंद गुप्ता, पासवान, पिंटू कुमार, सुनील कुमार यादव, मुरारी कुमार,पंकज कुमार चौधरी,कन्हाई मंडल,राबिन रिक्याशन,सियाराम मंडल,विनोद कुमार सहित कई कार्यकर्ता शामिल थे।

तीनपहाड़ क्षेत्रिय विकास संघर्ष समिति के महासचिव मुर्शीद राजा ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

तीनपहाड़/साहिबगंज ।तीनपहाड़ क्षेत्रिय विकास संघर्ष समिति इन दिनों लगातार सुर्खियां में है ।क्षेत्र की महत्वपूर्ण ओर ज्वलंत मुद्दों को लेकर अर्श से फर्श तक संघर्ष कर रही है ।इसी क्रम में संघर्ष समिति के महासचिव मुर्शीद राजा ने रविवार को रेलवे द्वारा तीनपहाड़ में अंडरपास नवीनीकरण कार्य के लिए जिले के उपायुक्त दीपक कुमार दुबे को संघर्ष समिति के अनुरोध पर राजमहल विधायक एमटी राजा के माध्यम से एक ज्ञापन सौपा है ।ज्ञापन के द्वारा समिति ने जिला उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट करवाते हुए कहा कि तीनपहाड़ और उसके मध्य एक इलाका ऐसा है जिसकी कुल आबादी तकरीबन 80 हजार से भी अधिक है और वैसे आबादी वाले गांव के मध्य से एक बड़ी रेल श्रृंखला गुजरती है जिस कारण पूरा इलाका मुख्य सड़क और शहर से कट जाता है रेल लाइन के मध्य रेलवे क्रॉसिंग ना होने की वजह से स्थानीय नागरिकों सहित स्कूली बच्चों और एंबुलेंस तक को आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ।वही आग्रह किया गया है कि महोदय रेलवे बोर्ड के पदाधिकारियों से उक्त अंडरपास पुल का नवीनीकरण कार्य कराने की दिशा पर पहल करने का अनुरोध किया गया है ।वही अंडर पास न होने की वजह से आने जाने वाले स्थानीय नागरिक अपनी जान जोखिम में डाल रेल लाइन को पार करते हैं जिससे आए दिन बड़ी दुर्घटना का खतरा हमेशा बना रहता है इसलिए समिति ने जनित को ध्यान में रखते हुए उक्त स्थल पर जल्द से जल्द रेलवे अंडरपास नवीनीकरण की स्वीकृति दिलवाने की उपायुक्त महोदय के द्वारा कृपा की जाए।

राष्ट्रीय आम समागम में बरहरवा के आमों का जलवा, आम खाओ प्रतियोगिता में जीता प्रथम पुरस्कार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर (भागलपुर) में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय आम समागम सह कार्यशाला में बरहरवा प्रखंड के किसानों एवं स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने अपने उत्कृष्ट आमों की प्रदर्शनी लगाकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जीएसएलपीएस) बरहरवा के माध्यम से आयोजित इस सहभागिता को कृषि वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं आगंतुकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने किया। प्रदर्शनी में बरहरवा प्रखंड के तेतुलिया गांव की नुरजहाँ खातून, नारजिना खातून, रहीम विश्वास तथा जगरनाथपुर गांव की असलेमा खातून सहित अन्य प्रतिभागियों ने अपने बागानों में उत्पादित विभिन्न किस्मों के आमों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी का उद्देश्य स्थानीय आम उत्पादकों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना, आधुनिक खेती तकनीकों से जोड़ना तथा उनके उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराना था। इस दौरान कृषि वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने आम की उन्नत खेती, रोग एवं कीट प्रबंधन, गुणवत्ता सुधार, मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। विभिन्न राज्यों से आए किसानों एवं उद्यमियों ने भी अपने अनुभवों का आदान - प्रदान किया। कार्यक्रम में बरहरवा के आमों की गुणवत्ता, स्वाद और विविधता की उपस्थित अतिथियों एवं कृषि विशेषज्ञों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। वहीं आयोजित आम खाओ प्रतियोगिता में बरहरवा के प्रतिनिधि ने प्रथम स्थान हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। विजेता को प्रथम पुरस्कार के रूप में 1,500 रुपये का चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बरहरवा की यह उपलब्धि साहेबगंज जिले के किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों के लिए गर्व का विषय बनी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के राष्ट्रीय मंचों पर सहभागिता से क्षेत्र के आमों को नई पहचान मिलेगी तथा किसानों के लिए बेहतर बाजार और नए अवसरों के द्वार खुलेंगे।

बोरियो में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान शुरू, डीडीसी ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। बोरियो प्रखंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर के अर्न्तगत तेतरिया पहाड़ में तीन दिवसीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ आज रविवार को डीडीसी शतीश चन्द्रा ने किया। वहीं सीएचसी में प्रखंड प्रमुख शांति बास्की ने किया। मौके पर सीएचसी प्रभारी डॉ. पंकज कुमार, डॉ. रोहित गोंड़, डॉ. कुलदीप कुमार, बीपीएम विष्णु भगत, डॉ. विवेक भारती, डॉ. पंकज गुप्ता, एलटी मिठू कुमार, अफरोज सहित एएनएम, एमपीडब्ल्यू आदि थे। बीपीएम ने बताया कि प्रखंड में 28,660 बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने का लक्ष्य है। कुल 139 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। तीन दिवसीय पोलियो अभियान के तहत 0-5 वर्ष के उम्र के बच्चों को पहले दिन बूथ पर तथा 29-30 जून को छुटे बच्चों को डोर-टू-डोर अभियान चलाकर पोलियो ड्रॉप पिलाया जाएगा।वहीं तेतरिया पहाड़ में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर सैकडों पहाड़िया लोगों की स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दवा का वितरण किया गया।

उपायुक्त ने इचाक एवं पदमा प्रखंड का किया औचक निरीक्षण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हजारीबाग: उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने शनिवार को इचाक एवं पदमा प्रखंड क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासनिक व्यवस्था एवं विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों में गुणवत्ता एवं नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

राजकीयकृत मध्य विद्यालय हदारी का निरीक्षण

उपायुक्त ने सर्वप्रथम इचाक प्रखंड के हदारी पंचायत स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय हदारी का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों एवं शिक्षकों की उपस्थिति, अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या, आईसीटी लैब, मिड-डे मील, स्कूली ड्रेस एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बच्चों से संवाद कर प्रश्नोत्तरी के माध्यम से उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक को बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता, पढ़ने-लिखने की क्षमता एवं आत्मविश्वास बढ़ाने तथा विद्यालय परिसर में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी, इचाक को विद्यालय का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

इचाक प्रखंड एवं अंचल कार्यालय का निरीक्षण

उपायुक्त ने इचाक प्रखंड एवं अंचल कार्यालय का निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने प्रखंड परिसर स्थित जर्जर भवन को ध्वस्त कराने का निर्देश दिया तथा मनरेगा योजना के तहत परिसर में बिरसा आम बागवानी योजना के अंतर्गत पौधारोपण एवं बागवानी कराने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने कार्यालयों में कार्यरत कर्मियों एवं कार्यालयीन कार्यों की भी समीक्षा की।

मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड, पदमा का निरीक्षण

पदमा प्रखंड के सरैया ग्राम स्थित मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने वहां कार्यरत दीदियों से संवाद किया। उन्होंने उनके द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पादों, आय-व्यय के संधारण एवं खातों की जानकारी प्राप्त की। दीदियों द्वारा मशीनी उपकरण, बाउंड्री वॉल, पंखा, जनरेटर एवं सोलर जैसी आवश्यक सुविधाओं की मांग किए जाने पर उपायुक्त ने आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का आश्वासन दिया।

पदमा प्रखंड एवं अंचल कार्यालय का निरीक्षण

उपायुक्त ने पदमा प्रखंड एवं अंचल कार्यालय, प्रज्ञा केंद्र, प्रखंड संसाधन केंद्र तथा जेएफएफसी गोदाम का निरीक्षण किया। उन्होंने मनरेगा के तहत प्रखंड परिसर में पौधारोपण एवं बागवानी कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने परिसर में उपस्थित आम नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा समाधान हेतु संबंधित अंचलाधिकारी से संपर्क करने का निर्देश दिया। उन्होंने बीएलओ से विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) के तहत मैपिंग एवं प्रशिक्षण की जानकारी प्राप्त की तथा प्रज्ञा केंद्र संचालक को जाति, आय एवं आवासीय प्रमाण पत्र निर्गत करने संबंधी दिशा-निर्देश दिया एवं केंद्र में सूचना बोर्ड लगाने का निर्देश दिया।

प्रखंड संसाधन केंद्र एवं गोदाम का निरीक्षण

प्रखंड संसाधन केंद्र पदमा में उपायुक्त ने पाठ्यपुस्तक वितरण, बीआरपी एवं सीआरपी के कार्यों की जानकारी ली। इसके पश्चात उन्होंने जीएफएससी गोदाम का निरीक्षण किया।

रामनारायण +2 उच्च विद्यालय का निरीक्षण

रामनारायण +2 उच्च विद्यालय, पदमा के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय पुस्तकालय का अवलोकन कर उसके बेहतर प्रबंधन की सराहना की। उन्होंने शिक्षकों को कक्षा 10 एवं 12 के विद्यार्थियों को पूर्व वर्षों के प्रश्नपत्रों का नियमित अभ्यास कराने का निर्देश दिया ताकि परीक्षा परिणाम बेहतर हो सकें। विद्यालय की आवश्यकताओं की जानकारी लेकर उन्हें पूरा करने का आश्वासन भी दिया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पदमा का निरीक्षण

उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पदमा का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी, प्रसव कक्ष, ऑपरेशन थियेटर, स्टरलाइजेशन कक्ष, डॉक्टर चैंबर एवं औषधि वितरण केंद्र का निरीक्षण किया तथा चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति की समीक्षा की। स्वास्थ्य केंद्र की आवश्यकताओं की जानकारी लेते हुए उन्होंने एक्स-रे मशीन एवं एक्स-रे तकनीशियन उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पदमा किला एवं हवा महल का भ्रमण

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने पदमा किला एवं हवा महल का भ्रमण किया। ऐतिहासिक धरोहर में वर्षों पूर्व कारीगरों द्वारा की गई उत्कृष्ट नक्काशी का अवलोकन कर उन्होंने इसकी सराहना की तथा पदमा किला एवं हवा महल को हजारीबाग की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहरों में शामिल बताया।

वरिष्ठ पत्रकार राजीव सिन्हा के पितृशोक पर पैतृक गांव पहुंचे पत्रकार, दी श्रद्धांजलि व बंधाया ढाढ़स

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

छतरपुर (पलामू)। वरिष्ठ पत्रकार एवं भास्कर न्यूज के संवाददाता राजीव सिन्हा के पिता राजेंद्र प्रसाद सिन्हा के निधन पर छतरपुर क्षेत्र के पत्रकारों, समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों ने गहरा शोक व्यक्त किया। स्थानीय पत्रकारों का एक प्रतिनिधिमंडल उनके पैतृक गांव पिपरा बगाही पहुंचा, जहां दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार से मिलकर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की और ईश्वर से प्रार्थना की कि वे राजीव सिन्हा एवं उनके परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। वक्ताओं ने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा पत्रकार समाज राजीव सिन्हा और उनके परिवार के साथ खड़ा है। बताया गया कि स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने लंबे समय तक धनबाद स्थित सीसीएल में अपनी सेवाएं दी थीं। सेवानिवृत्ति के बाद वे अपने पैतृक गांव में रह रहे थे, जहां उनका निधन हो गया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में आइडियल पत्रकार संगठन के अनुमंडलीय अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह, प्रखंड अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव सहित नगर पंचायत छतरपुर के अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता ₹चुनमुन₹, पत्रकार अश्विनी कुमार, धर्मेंद्र कुमार सिंह, पंचम कुमार, अरविंद अग्रवाल,दीपक कुमार, उमेश भारती, राघो पासवान, अनिरुद्ध पासवान, रवींद्र पासवान, धनंजय प्रसाद, दीपक कुमार, नगर पंचायत के सहायक सूरज कुमार पासवान, शीतल सिंह, चंदन कुमार, पप्पू सिंह, झामुमो नेता चंदन प्रकाश सिन्हा, मुबारक हुसैन, मुकेश सिन्हा, राजू सिंह एवं कुंदन कुमार जायसवाल सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

वरिष्ठ साहित्यकार, आयुर्वेदाचार्य एवं राजद के वरिष्ठ नेता वैद्य महेंद्र ठाकुर का निधन

हुसैनाबाद पलामू। शहर के कुर्मिटोला संगत मोहल्ला निवासी, वरिष्ठ साहित्यकार,साहित्यिक संस्था 'सरोकार' के अध्यक्ष, आयुर्वेदाचार्य एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता वैद्य महेंद्र ठाकुर का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे पिछले कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे और अपने पुत्र व परिवार के लोगो के साथ दिल्ली में ईलाजरत थे। रविवार को सुबह करीब 8 बजे उन्होंने अंतिम सांस लिया जिसके बाद उनके निधन की खबर से शहर में शोक की लहर दौड़ गयी वे बहुत ही सरल स्वभाव के लोहिया व कपूर्री ठाकुर केअनुआई थे उनका पूरा जीवन सामाजिक सरोकार में बेयतीत हुआ हैं वे काफी पढ़े लिखे विद्वान व्यक्तित्व के व्यक्ति थे कलांतर के एकाकृत बिहार में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बहुत करीबी व्यक्ति थे वे बिछड़ा समाज के राजद प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भी थे बाद में उनका जीवन साहित्य, सामाजिक, राजनीतिक एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा के जगत में मसहूर थे।उनके निधन की खबर से राजद शामे साहित्य सामाजिक व चिकित्सा समाज मे शोक की लहर दौड़ गई है। हुसैनाबाद सहित पूरे पलामू प्रमंडल में उन्हें एक समाजसेवी, साहित्यप्रेमी और कुशल आयुर्वेदाचार्य के रूप में सम्मान प्राप्त था। उनके निधन की खबर मिलते ही राजद के प्रदेश अध्यक्ष सह हुसैनाबाद विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी के केवल नेता ही नही बल्कि हमसभी के लिए पथप्रदर्शक अभिभावक थे उनका निधन से व्यक्तिगत क्षति हुआ है उनका भरपाई कोई नही कर सकता हैं ।

तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान की उप विकास आयुक्त व सिविल सर्जन ने की शुरूआत

पोलियो खुराक से कोई भी बच्चा छूटे नहीं, सुनिश्चित करने को कहा

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : जिलेभर में रविवार से तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत हुई। उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल, सिविल सर्जन डॉ० सुरेंद्र कुमार मिश्रा एवं सदर अस्पताल, उपाधीक्षक डॉ मनीष कुमार, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ के.के सिंह, जिला भीवीडी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, आरसीएचओ डॉ एस के झा ने सदर अस्पताल में बच्चों को पोलियों खुराक पिलाकर अभियान की शुरूआत की1 लाख 89 हजार 512 बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य है।

उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल ने अपील किया कि खुराक पिलाने में किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरतें। ईमानदारी पूर्वक 0-5 वर्ष के बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाएं। पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए 1119 बूथ बनाए गए हैं। 2275 वैक्सीनेटर, 268 सुपरवाइजर को लगाया गया है। अभियान के प्रथम दिन बूथों पर 0-5 वर्ष के बच्चों को खुराक पिलाई गई। दूसरे व तीसरे दिन घर-घर जाकर खुराक पिलाना है। उप विकास आयुक्त ने कहा कि हर हाल में लक्ष्य की प्राप्ति करनी है। जिले में सभी बच्चे स्वस्थ रहें इसलिए उन्हें पोलियो की खुराक देना बेहद जरूरी है। उप विकास आयुक्त ने कहा कि यह अभियान आमलोगों के सहयोग के बिना सफल नहीं हो सकता है। सभी लोग इस अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लें और अपने परिवार सहित आस पड़ोस के बच्चों को भी पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं।मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी अमित कुमार, डीपीएम, डीडीएम डीपीसी, डीयूएचएम एवं वीसीसीएम समेत अन्य स्वास्थ्य विभाग के कर्मी उपस्थित रहे।

वार्ड परिषद निभा देवी ने पल्स पोलियो अभियान की की शुरूआत

पाकुड़ : पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत आज रविवार को पाकुड़ नगर परिषद की वार्ड पार्षद निभा देवी ने अपने वार्ड के अंतर्गत पल्स पोलियो बूथ क्रमशः कैलाशनगर एवं रेलवे कॉलोनी मोड़,बागतीपाड़ा पर बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलाकर की गई। वार्ड स्तरीय कार्यक्रम में गणमान्य लोगों ने भी पोलियो वैक्सीन ड्रॉप पिलाई।वार्ड परिषद निभा देवी ने कहा कि पल्स पोलियो की दो बूंद बच्चों के भविष्य के लिए है, जो उन्हें पोलियो होने से बचाती है।लंबे वर्षों के प्रयासों के बाद जन जागरूकता आई है और अब ऐसी जागरूकता आए कि भारतवर्ष नहीं बल्कि पूरे विश्व में एक बालक भी पल्स पोलियो की दो बूंद से वंचित न रहे, जिससे वे पोलियो के शिकार ना हो।इसी दिशा में सरकार और सामाजिक संस्थाएं काम कर रही है।पल्स पोलियो अभियान भारत में भारत सरकार का बहुत महत्वपूर्ण प्रयास है इसे देश से मुक्त कराना है।कमेटि हेल्थ ऑफिसर ममता जायसवाल ने बताया कि वार्ड नंबर 11 में पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत आज वार्ड पार्षद नगर परिषद पाकुड़ श्रीमती निभा देवी द्वारा किया गया।0 से 5 साल के बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाई जाएगी।आज 8 से 5 बजे तक बच्चों को पोलियो बूथ पर पोलियो को खुराक पिलाई पिलाएगी।इसके लिए वार्ड में पांच बूथ बनाए गए हैं। बूथ पर रतन पासवान, सुषमा देवी, राजेश साहा आदि मौजूद थे।

बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलाकर डीडीसी ने किया पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

1976 बूथ में पिलाई जाएगी पल्स पोलियो की दवा

सिंदरी/ धनबाद।उप विकास आयुक्त श्री सन्नी राज ने रविवार सुबह धनबाद सदर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 0 से 5 वर्ष तक के अगस्त्या सिन्हा, सनव, मिशिका, देवांशी को ₹दो बूंद जिंदगी की₹ खुराक पिलाकर देशव्यापी पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया।शुभारंभ करने के बाद उप विकास आयुक्त ने जिले के सभी अभिभावकों से उनके 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने की अपील की। उन्होंने कहा बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर आने वाली पीढ़ी को पोलियो से सुरक्षित करें। उन्होंने कहा कि बरसात के बाद पोलियो का संक्रमण होने की संभावना बनी रहती है। इसलिए इस देशव्यापी अभियान का शुभारंभ बरसात से पहले किया गया है। बताया कि पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 28 जून से 30 जून तक जिले के 4 लाख 24 हजार 729 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। 28 जून को 1976 बूथ पर एवं 29 व 30 जून को छुटे हुए बच्चों को घर-घर में पल्स पोलियो की दवा पिलाई जाएगी।सिविल सर्जन ने बताया कि इसके लिए 1873 स्थाई बुथ, 79 ट्रांजिट बुथ, 16 मोबाईल टीम, एक 8 सदस्यी टीम सहित 1976 बुथ संचालित किए जाएंगे। अभियान की निगरानी के लिए 392 सुपवाईजर फिल्ड में रहेंगे। हर बूथ पर पल्स पोलियो दवा पहुंचाने तथा दवा की गुणवत्ता को उच्च कोटि की बनाये रखने के लिए 137 सबडिपो की व्यवस्था की गई हैं। बच्चों को दवा पिलाने से पूर्व उप विकास आयुक्त में दीप प्रज्वलित कर अभियान का शुभारंभ किया।मौके पर उप विकास आयुक्त श्री सन्नी राज, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ रोहित गौतम, उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद, डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ दीपक कुमार, डीपीएम श्रीमती प्रतिमा कुमारी, एमओआईसी डॉ अनिता चौधरी सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

छोटा कुसकुटा में छापेमारी, 60 पीस साल व महुआ का चिरान जब्त

अमड़ापाड़ा : वन क्षेत्र अंतर्गत छोटा कुसकुटा गांव में वन विभाग ने अवैध लकड़ी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक घर से लगभग 60 पीस साल एवं महुआ का चिरान जब्त किया। यह कार्रवाई वन क्षेत्र पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा ग्रामीणों की मौजूदगी में की गई।जब्त की गई लकड़ियों को वन विभाग की टीम ने अपने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए वन कार्यालय लाया। वन विभाग के अनुसार मामले की जांच की जा रही है तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।इस अभियान में वनरक्षी सुनील साहा, स्टेफन हेम्ब्रम एवं अनूपन कुमार यादव सहित वन विभाग के अन्य कर्मी मौजूद रहे।

अमड़ापाड़ा में पल्स पोलियो अभियान का बूथ डे सम्पन्न, पहले दिन 14,131 बच्चों को पिलाई गई दवा

अमड़ापाड़ा: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अंतर्गत तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को बूथ डे आयोजित किया गया। इस दौरान प्रखंड के कुल 102 बूथों पर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाई गई।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अमड़ापाड़ा प्रखंड में इस अभियान के तहत कुल 15,559 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के पहले दिन 14,131 बच्चों को विभिन्न बूथों पर पोलियो की दवा पिलाई गई, जो निर्धारित लक्ष्य का 90.82 प्रतिशत है।स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अभियान के शेष दो दिनों में टीकाकर्मी घर-घर जाकर उन बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगे, जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके। विभाग ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाकर उन्हें इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखें। इसके पश्चात डॉ शिवम ने भी बूथों का निरीक्षण कर बच्चो को पोलियो की खुराक पिलाई और आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

गर्री खुर्द से पीपल चौक तक सड़क कालिकरण कार्य शुरू,विधायक मीडिया प्रतिनिधि ,मुखिया,ग्रामीण जनता ने फोड़ा नारियल

केरेडारी/हजारीबाग: केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के ग्राम गर्री खुर्द से लेकर पीपल चौक बारियातु तक सड़क कालिकरण कार्य का शुभारंभ शनिवार को किया गया। मुखिया नीतू कुमारी, विधायक मीडिया प्रतिनिधि जागेशवर कुमार एवं ग्रामीण जनता ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर कार्य का श्रीगणेश किया। कार्य शुभारंभ के दौरान ग्रामीणों ने संवेदक आशीष सिंह एवं कनीय अभियंता जागेश्वर उराँव से सड़क की गुणवत्ता को लेकर बातचीत की। ग्रामीणों ने BM 80 mm (बिटुमिनस मैकडम) नापी के अनुसार गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने की मांग की। विधायक मीडिया प्रतिनिधि जागेशवर कुमार ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सड़कें लाइफ लाइन हैं। इस सराहनीय पहल के लिए विधायक रोशन लाल चौधरी को , ग्रामीणों ने आभार जताया।

मौके पर ये रहे मौजूद:उप मुखिया संगीता देवी, विधायक मीडिया प्रतिनिधि जागेशवर कुमार, पंकज कुमार, अजय कुमार, शेखर कुमार, गणेश कुमार, अनलेख कुमार, कुलदीप कुमार, आशीष कुमार, संतोष कुमार, विनोद महतो, दुलार महतो, लक्ष्मण कुमार, गणेश कुमार रवि, सुजीत कुमार, चंदन कुमार, प्रमोद कुमार रवि, पप्पू कुमार, सिकेन्द्र कुशवाहा, हेमंत कुमार, लुकेश्वर कुमार,परमेश्वर महतो, विशाल कुमार सिंह समेत सैकड़ों महिला-पुरुष ग्रामीण उपस्थित थे।

विधायक हेमलाल मुर्मू के प्रयास से तमिलनाडु से सिंगारसी (डोगरोजोला) पहुँचा मजदूर अन्थोनी मुर्मू का शव, परिजनों ने विधायक के प्रति जताया आभार

अमर भगत@ झारखंड उजाला संवाददाता

अमड़ापाड़ा: लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक हेमलाल मुर्मू के प्रयास से अमड़ापाड़ा प्रखंड के सिंगारसी पंचायत अंतर्गत पड़नेवाले डोगरोंजोला निवासी 25 वर्षीय अन्थोनी मुर्मू का शव तमिलनाडु से एंबुलेंस के माध्यम से उनके पैतृक गांव डोगरोंजोला लाया गया।बताते चले कि सिंगारसी पंचायत के डोगरोजोला निवासी अन्थोनी मुर्मू केरल में मजदूरी करता था। केरल से घर आने की यात्रा के दौरान तामिलनाडु में रेल में ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी, जहाँ उसके सहयोगियों ने ईलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले गए। ईलाज के दौरान अन्थोनी मुर्मू के निधन हो जाने से उसके परिजनों पर दुःखो का पहाड़ टूट गया। उनके लिए अन्थोनी मुर्मू का शव पैतृक आवास लाना असंभव था। परिवार की दयनीय स्थिति और एक तरफ अन्थोनी के शव का अंतिम-संस्कार मानों उनके परिजन अब कुछ समझ नही पा रहे थे। परिजनों के सामने अपने प्रियजन के अंतिम दर्शन और पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार करने से वंचित होने की स्थिति उतपन्न हो गई थी। तभी अन्थोनी मुर्मू के पिता व पत्नी ने इसकी जानकारी झामुमो प्रखंड समिति को दी। प्रखंड समिति के पदाधिकारियों द्वारा लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमलाल मुर्मू को जानकारी देते हुए पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया गया।इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही विधायक हेमलाल मुर्मू ने सक्रिय पहल करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से संपर्क स्थापित किया और लगातार प्रयास कर मृतक के शव को एयर एंबुलेंस के माध्यम से तमिलनाडु से राँची लाने की व्यवस्था कराई गई, राँची आने के पश्चात एम्बुलेंस के माध्यम से शनिवार रात अन्थोनी मुर्मू का शव डोगरोजोला पहुँचा तत्पश्चात परिजनों ने परंपरागत रीति-रिवाज से मृतक का अंतिम संस्कार किया।मृतक का शव गांव पहुंचने पर मृतक के परिजनों व ग्रामीणों ने विधायक हेमलाल मुर्मू के द्वारा किये गए मानवीय और सराहनीय प्रयास की काफी प्रशंसा की, साथ ही परिजनों ने विधायक हेमलाल मुर्मू के प्रति आभार जताते हुए कहा कि विधायक हेमलाल मुर्मू के सहयोग के बिना अन्थोनी का शव लाना हमारे लिए असंभव था।मौके पर प्रखंड अध्यक्ष श्यामलाल हाँसदा, प्रखंड सचिव जहीरुद्दीन मियां, प्रखंड उपाध्यक्ष थॉमस मुर्मू, प्रखंड उपाध्यक्ष कालीदास मुर्मू, जिला मीडिया प्रभारी आफताब आलम, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रखंड सचिव बैजल टुडू, डूमरचीर पंचायत के सचिव अजित कुमार, मृतक के पिता अमीन मुर्मू, मृतक की धर्मपत्नी बास्की सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

अमड़ापाड़ा में हुल जोहार के साथ पदयात्रियों का भव्य स्वागत

अमर भगत @झारखंड उजाला संवाददाता

पाकुड़ : 30 जून हुल दिवस के अवसर पर दुमका से भोगनाडीह तक निकले पदयात्रियों के जत्थे का अमड़ापाड़ा में स्थानीय लोगों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने पारंपरिक हुल जोहार के साथ भव्य स्वागत किया।इस दौरान पदयात्रियों का फूल-मालाओं, पारंपरिक रीति-रिवाज और जोहार के साथ अभिनंदन किया गया। स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने हुल क्रांति के महानायक सिदो मुर्मू और कान्हू मुर्मू सहित हुल आंदोलन के वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।वक्ताओं ने कहा कि हुल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन और आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए हुए ऐतिहासिक संघर्ष से प्रेरणा लेने का अवसर है। पदयात्रा का उद्देश्य हुल आंदोलन के इतिहास और उसके संदेश को जन-जन तक पहुंचाना तथा युवाओं को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ना है।स्वागत के बाद पदयात्रियों का जत्था अमड़ापाड़ा में रात्रि विश्राम कर दूसरे दिन भोगनाडीह के लिए आगे रवाना हुआ, जहां 30 जून को आयोजित हुल दिवस कार्यक्रम में शामिल होगा।मौके पर स्थानीय फाउंडरबेंजामिन मरांडी,स्टेफन मरांडी, रामदास टुडू,पुराण मुर्मू,नजीर सोरेन, बेटाटन हांसदा,ब्रेनथूस मरांडी,लॉरेंस बेसरा,मानु हेम्ब्रम,सोइलेन मुर्मू आदि मौजूद रहे।

झारखंड उजाला की खबर का असर: लावारिस मिला बच्चा परिजनों से मिला, नानी घर बारियातु का निकला

केरेडारी /हजारीबाग: बारियातु थाना क्षेत्र में लावारिस हालत में मिले 5-7 साल के बच्चे दीपक कुमार को उसके परिजनों से मिलवा दिया गया है। झारखंड उजाला में खबर प्रकाशित होते ही बच्चे की पहचान हो गई। दरअसल, बच्चा अपनी नानी के घर आया हुआ था और नाना के साथ बकरी चराने जंगल गया था, जहां रास्ता भटक गया। बच्चा सिर्फ ₹यूपी साइड₹ बता रहा था। जानकारी के अनुसार, पंचायत के भावी जनप्रतिनिधि (समाजसेवी) सह विधायक मीडिया प्रभारी जागेश्वर कुमार को सूचना मिली। उनके सहयोगी पंकज कुमार एवं तरुण कुमार ने बच्चे को मोटरसाइकिल पर बिठाकर पूरे पंचायत क्षेत्र का भ्रमण कराया। इसी दौरान बच्चा अपना नानी घर पहचान गया। जांच में पता चला कि बच्चा ग्राम बारियातु निवासी बधन साव का नाती है। जागेश्वर कुमार उस समय बड़कागांव प्रखंड के अंगो पंचायत में थे। उन्होंने वीडियो कॉलिंग के माध्यम से बच्चे, नाना और बच्चे की मां की पहचान कराई। इसके बाद बच्चे को सुरक्षित परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों ने झारखंड उजाला एवं जागेशवर कुमार सहित सभी सहयोगियों का आभार जताया।

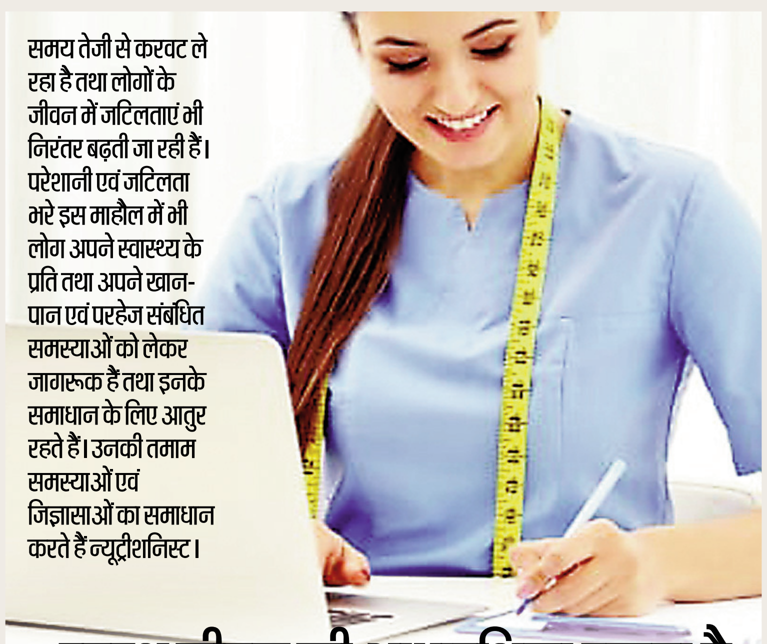

समय तेजी से करवट ले रहा है तथा लोगों के जीवन में जटिलताएं भी निरंतर बढ़ती जा रही हैं। परेशानी एवं जटिलता भरे इस माहौल में भी लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति तथा अपने खान-पान एवं परहेज संबंधित समस्याओं को लेकर जागरूक हैं तथा इनके समाधान के लिए आतुर रहते हैं। उनकी तमाम समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं न्यूट्रीशनिस्ट।

स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखता है
न्यूट्रीशनिस्ट

एक सामान्य जीवन व्यतीत करने वाले नागरिक से लेकर खिलाड़ियों के लिए जरूरी फूड सप्लिमेंट तक का उपाय इन्हीं न्यूट्रीशनिस्टों के जरिए होता है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि न्यूट्रीशन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए फूड एवं अन्य पदार्थो को नियंत्रित करने का विज्ञान है। आज यह अपनी उपयोगिता के चलते नये प्रोफेशन का रूप अख्तियार कर चुका है। एक न्यूट्रीशनिस्ट का काम जीवन के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए खान-पान के तौर-तरीकों तथा अच्छे स्वास्थ्य के मद्देनजर जरूरी चीजों को बढ़ावा देना होता है। यह सारी क्रियाविधि मनुष्य की उम्र पर निर्भर करती है। इसके अलावा उनके रूटीन, बीमारी तथा कार्य के स्वरूप को देखते हुए खाद्य पदार्थों की रूपरेखा तय की जाती है। यह सुखद संकेत है कि न्यूट्रीशन के सिद्धांतों एवं परिकल्पनाओं के जरिए लोगों के अंदर व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। न्यूट्रीशनिस्ट अपने ज्ञान एवं शोधों के द्वारा खाद्य पदार्थों की सूची तैयार करता है तथा उस आधार पर उसे हॉस्पिटल, फिजिकल ट्रेनिंग कैम्प, पर्वतारोहियों आदि के लिए निर्धारित करता है। इन खाद्य पदार्थों में विटामिंस, मिनरल्स, आयरन आदि होते हैं, जो मनुष्य के लिए आवश्यक होते हैं। पाचन क्रिया के अध्ययन व शोधों से यह पता चला है कि शरीर में अधिकांश रिएक्शन एवं शारीरिक परेशानियां संतुलित आहार न लेने से होती हैं। इन बीमारियों में डायबिटीज, लीवर व पेट संबंधी समस्याएं शामिल हैं। यदि ये न्यूट्रीशनिस्ट किसी प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग संस्थान में कार्यरत हैं तो वे अपनी प्लानिंग एवं शोधों के जरिए नए उत्पाद के सृजन की कोशिश करते हैं। वास्तव में ये न्यूट्रीशनिस्ट स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बारहवीं के बाद रखें कदम

न्यूट्रीशन के फील्ड में जो भी करियर ऑप्शन हैं, वे ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट बनने के बाद ही सामने आते हैं। इसके लिए लोगों को होम साइंस, न्यूट्रीशन, फूड साइंस/ टेक्नोलॉजी से सबंधित कोर्स करने अनिवार्य हैं। बैचलर कोर्स (न्यूट्रीशन एवं डायटीशियन) के लिए छात्र को विज्ञान विषयों (फिजिक्स, कैमिस्ट्री, होम साइंस एवं बायोलॉजी) में पास होना अनिवार्य है। तभी बीएससी इन होम साइंस तथा अन्य बैचलर प्रोग्राम जैसे फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेडिसिन, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी से संबंधित अन्य विषयों को भी शामिल किया जाता है। कुछ ऐसे भी संस्थान हैं जो 10+2 के पश्चात चार वर्षीय फूड टेक्नोलॉजी कोर्स कराते हैं, जबकि पोस्ट ग्रेजुएट लेवल पर न्यूट्रीशन का डायटीशियन से संबंधित कोर्स या तो दो वर्ष का है या फिर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (1 वर्षीय) के रूप में है। पीजी तथा पीजी डिप्लोमा कोर्स करने के लिए फूड साइंस, होम साइंस, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, बायो कैमिस्ट्री तथा मेडिसिन में बैचलर होना आवश्यक है। एमएससी इन होम साइंस भी इसी स्तर पर किया जाता है। इसके बाद पीएचडी का रास्ता खुलता है।

सिलेबस भी है कुछ खास

न्यूट्रीशन से संबंधित कोर्सो का सिलेबस काफी फैला हुआ तथा रुचिकर है। स्कूली स्तर से लेकर मास्टर एवं रिसर्च लेवल तक का पाठ्यक्रम बताता है कि स्कूलों में न्यूट्रीशन प्रोग्राम के अंतर्गत स्वस्थ खाना एवं उसके फायदे, स्वास्थ्य की जरूरत, मेन्यू डिजाइनिंग, बच्चों में फैट की मात्र, कुकिंग वर्कशॉप तथा प्रकृति के प्रति सहानुभूति दर्शाई जाती है। इसी तरह से एमएससी होम साइंस के सिलेबस में बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन संबंधी रिसर्च, फिजियोलॉजी, बायोस्टेटिस्टिक, मनुष्य की न्यूट्रीशन की आवश्यकता, माइक्रोबायोलॉजी, प्रिंसिपल ऑफ फूड साइंस के अलावा अंतिम वर्ष तक ह्यूमन न्यूट्रीशन एंड डायटेक्टिक, इंस्टीटयूशनल मैनेजमेंट एवं फूड साइंस शामिल किया जाता है, जबकि एक वर्षीय डिप्लोमा इन डायटेक्टिस एंड पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन (डीडीपीएचएन) के अंतर्गत तीन माह की कंपलसरी इंटर्नशिप दी जाती है। यह इंटर्नशिप किसी हॉस्पिटल या योग्य डायटीशियन के अंडर कराई जाती है। इसमें बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन, अप्लाइड फिडियोलॉजी, फूड माइक्रो बायोलॉजी, एडमिनिस्ट्रेशन, थिरैप्टिक न्यूट्रीशन तथा पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन आते हैं।

खान-पान में अभिरुचि जरूरी

एक अच्छे न्यूट्रीशनिस्ट की रुचि खानपान एवं उसे तैयार करने में अवश्य होनी चाहिए। तभी वह इस फील्ड की बारीकियों को समझ पाएगा। समूह में अथवा व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को अपने बोलने की कला से बांधे रखने (कम्युनिकेशन स्किल्स), विभिन्न रिपोर्ट तैयार करने का कौशल तथा पोस्टर, बैनर लिखने संबंधी ज्ञान भी कदम-दर-कदम काम आता है। उनकी वाणी में मिठास हो तथा मरीज के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाने की कला जानते हों। किसी भी संगठन के लिए प्लानिंग एवं इनके प्रशासनिक कार्यो को संभालने के साथ ही शारीरिक रूप से फिट तथा एक टीम लीडर की भांति काम करने का जज्बा सफलता का पैमाना तय कर सकता है। विज्ञान में अभिरुचि तथा उत्तरदायित्व जैसे गुणों को भी एक न्यूट्रीशनिस्ट के अंदर परखा जाता है।

क्या काम है न्यूट्रीशनिस्ट का

एक न्यूट्रीशनिस्ट का कार्य क्षेत्र काफी फैला हुआ है। फूड की प्लानिंग, न्यूट्रीशन प्रोग्राम तैयार करने, बीमारियों तथा जंक फूड से बचाने, पोषक गुणों से युक्त खाना खाने को प्रेरित करने से लेकर फूड सर्विस सिस्टम को प्रमुख संस्थानों जैसे स्कूल, हॉस्पिटल आदि जगहों पर प्रमोट करने संबंधी सभी कार्य इनके जिम्मे होते हैं। कुछ प्रमुख कार्य क्षेत्र इस प्रकार हैं-

क्लीनिकल डाइटीशियन- इनका कार्य किसी हॉस्पिटल, नर्सिंग केयर सेंटर अथवा अन्य संस्थानों में मरीजों को न्यूट्रीशन से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना है। वे पता लगाते हैं कि मरीज को न्यूट्रीशन की कितनी आवश्यकता है तथा उसे किस रूप में इसे दिया जा सकता है। इसके बाद मिलने वाले परिणामों तथा डॉक्टर के साथ न्यूट्रीशन संबंधित आश्यकताओं पर चर्चा करते हैं।

कम्युनिटी डाइटीशियन - इनकी प्रमुख भूमिका व्यक्तिगत अथवा समूह के रूप में हैल्थ को बढ़ावा देने के लिए न्यूट्रीशन प्रैक्टिस को कारगर बनाना है। इनके काम करने का स्थान मुख्यत- पब्लिक हैल्थ क्लीनिक, होम हैल्थ एजेंसी तथा हैल्थ मेंटीनेंस ऑर्गेनाइजेशन है। कम्युनिटी डाइटीशियन किसी भी व्यक्ति अथवा उसके परिवार की डाइट को समझने, न्यूट्रीशन केयर प्लान तैयार करते हैं।

मैनेजमेंट डाइटीशियन - ये किसी भी कंपनी, स्कूल, कैफिटेरिया अथवा बड़े पैमाने पर हैल्थ केयर से संबंधित सुविधाओं की प्लानिंग करते हैं तथा उन्हें तैयार भी करते हैं। इसके लिए वे सीधे तौर पर या कड़ी के रूप में डाइटीशियन, फूड सर्विस वर्कर को अनुबंधित करते हैं। बजट, जरूरी उपकरणों, गुलेशन आदि कार्य भी इन्हीं के जिम्मे होता है।

कंसल्टेंट डाइटीशियन - ये प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए लोगों को हैल्थ केयर सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। ये अपने क्लाइंट्स को वेट कम या अधिक करने, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखने जैसे कार्यो की स्क्रीनिंग करते हैं। कुछ तो वेलनेस प्रोग्राम, स्पोर्ट्स टीम, सुपर मार्केट एवं अन्य न्यूट्रीशन से संबंधित बिजनेस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कोचिंग संस्थान - न्यूट्रीशनिस्ट के लिए कोई कोचिंग सेंटर जैसी संस्था नहीं है। इसके लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट जगह-जगह वर्कशॉप, सेमिनार का आयोजन कर पेशे तथा इस फील्ड के प्रति जागरुकता फैलाते हैं। विदेशों में इससे संबंधित कई कोचिंग सेंटर कार्यरत हैं। छात्र अपनी जिज्ञासा के समाधान के लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट या काउंसलर की मदद ले सकते हैं।

स्कॉलरशिप - कई प्रमुख संस्थान छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं। इनमें कुछ तो कोर्स के दौरान प्रदान की जाती हैं तो कुछ पीएचडी के दौरान जेआरएफ के रूप में दी जाती हैं। नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ न्यूट्रीशन, हैदराबाद द्वारा हर साल 7-10 छात्रों को जेआरएफ प्रदान की जाती है। इसके अलावा अधिकांश संस्थान अपने छात्रों को स्कॉलरशिप अथवा फीस में छूट संबंधी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

वेतन - मुख्य तौर पर एक न्यूट्रीशनिस्ट का वेतन उसके कार्य एवं कार्य-क्षेत्र पर निर्भर करता है। फिर भी किसी प्राइवेट हॉस्पिटल में बतौर ट्रेनी-न्यूट्रीशनिस्ट ज्वॉइन करने पर 5,000 रु. प्रति माह तथा एक से दो साल का अनुभव होने पर 10,000-12,000 रुपए हर महीने मिलते हैं। जो प्रोफेशनल फील्ड, टीचिंग एवं फूड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में काम करते हैं, उन्हें आकर्षक सेलरी मिलती है, जबकि कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए पैसा व शोहरत दोनों कमा सकते हैं।

इंजीनियर्स ही किसी देश के औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे सोच-समझ कर ही ऐसा कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

औद्योगिक विकास का ताना-बाना बुनते इंजीनियर्स

कुछ साल पहले तक जब करियर के इतने विकल्प नहीं थे, बच्चों को इंजीनियर बनाने का सपना मां-बाप के लिए सुनहरे कल का सपना होता था। चाहे कितनी ही परेशानी क्यों न उठानी पड़े, एक बार इंजीनियरिंग कॉलेज की कक्षाओं में पहुंच गए तो तकलीफें आने वाले दिनों में बरबस मुसकराने का माध्यम बन जाती थीं। आज भी न तो इस विधा की मांग में कमी आई है और न ही इसकी प्रतिष्ठा में। इतना जरूर हुआ है कि इंजीनियरिंग की जिन शाखाओं में पहले कम विद्यार्थी जाते थे, उनमें भी करियर की वही ऊंचाई दिखने लगी है, जिसके लिए इसे जाना जाता है।

इंजीनियरिंग (अभियांत्रिकी) दरअसल किसी भी वैज्ञानिक खोज और उसके व्यावसायिक अनुप्रयोग के बीच एक कड़ी के रूप में होती है और उसी रूप में वह तमाम भावी इंजीनियरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनी हुई है। विज्ञान और गणित की सहायता से उपयोगी चीजों का निर्माण करने में ही इंजीनियरिंग की सार्थकता छिपी हुई है, यह किसी से नहीं छिपा है। यह एक ऐसी विशेषज्ञता प्रदान करती है, जिसके सहारे अवसरों के तमाम रास्ते खुल जाते हैं। इंजीनियर्स ही तो किसी देश की प्रौद्योगिकी व औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। ये क्या नहीं करते- सड़क इनके बिना नहीं बनती, पुल नहीं बन पाते, भवनों का निर्माण नहीं होता, मशीनों का अस्तित्व नहीं होता, छोटे उपकरणों से लेकर हवाई जहाज तक तैयार नहीं होते, कार-कंप्यूटर-मोबाइल जिनके बिना इक्कीसवी सदी का आना फीका होता, इनके बिना नहीं बनते। कहने का तात्पर्य यही है कि प्रगति और खुशहाली का आधार इंजीनियरिंग ही है। यही वजह है कि बारहवीं की पढ़ाई पूरी करते ही इस दिशा में बढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या काफी बड़ी होती है। इंजीनियर किसी भी किस्म की मशीनरी, प्रोडक्ट, सिस्टम और प्रोसेस के डिजाइन व डेवलपमेंट के लिए काम करते हैं। किसी भी प्रोजक्ट पर कितना समय लगेगा, कितना खर्च आएगा, क्या उपकरण लगेंगे, कैसे-कैसे उसका काम आगे बढ़ेगा, इन सबके पीछे उनका ही दिमाग होता है। आज इंसान के जीवन को आसान बनाने के लिए जो कुछ भी सामने आ रहा है, वह इन इंजीनियर्स की ही मेहनत का परिणाम है। ड्राइंग टेबल पर पसरी रेखाओं में भविष्य का कौन-सा उत्पाद छिपा है, यह इंजीनियर ही बता सकता है। जाहिर है ये इंडस्ट्रियल प्लांट में काम करते हैं, प्रयोगशालाओं में काम करते हैं, निर्माण स्थलों पर होते हैं, कार्यालयों में किसी अवधारणा के हर पहलू से जूझ रहे होते हैं। ये नहीं होते तो गगनचुम्बी इमारतें नहीं बनतीं, समन्दर की लहरों पर या गहराई में चलना नामुमकिन होता, आकाश में उड़ने की तो सोची ही नहीं जा सकती थी, कंप्यूटर कहां से आता, गेम कहां से बनते, बटन दबाते ही अमेरिका तो छोड़िए पास के शहर में किसी से बात नहीं हो पाती। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे नाहक ऐसा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

विशेषज्ञता

इंजीनियरिंग की परंपरागत दो शाखाओं- सिविल और मैकनिकल- से आगे निकलते हुए आज इसकी विभिन्न शाखाएं प्रमुखता में हैं।

एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में इसकी सख्त जरूरत है। कृषि से जुड़े उपकरणों के डिजाइन व निर्माण, सिंचाई व फार्म मशीनरी के लिए उपकरणों के डिजाइन व निर्माण से जुड़ी होती है यह शाखा।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

आकाश मार्ग से जाना इनके बिना संभव नहीं। हवाई जहाज का डिजाइन कैसा हो कि आसानी से उड़ सके, मौसम को झेल सके, इन सब पर इसमें काम होता है। इस बात पर काफी काम होता है कि हवाई जहाज के भीतर की स्पेस कैसी हो कि ज्यादा लोग भी बैठ सकें और उड़ान में कोई दिक्कत भी न आए।

कैमिकल इंजीनियरिंग

रसायनों की दुनिया बड़ी विचित्र होती है। किसके मेल से क्या बन जाएगा, यह तो कैमिकल इंजीनियर ही बता सकता है। दवाइयां, फूड प्रोसेसिंग, पेंट, टेक्सटाइल, खाद, सौन्दर्य प्रसाधन, साबुन, तेल जैसे कार्यों से जुड़ी कंपनियों में इनकी जरूरत होती है, ताकि वे शोध से रसायनों को उपयोगी व गैर-हानिकारक बना सकें।

सिविल इंजीनियरिंग

सिविल इंजीनियरिंग की ही बदौलत ये सड़कें हैं, जिन पर तेजी से चलते हुए हम विकास कर रहे हैं, इमारतें हैं, जिनमें रहने से लेकर कार्यालयों का मामला जुड़ा है, पुल हैं, जिनके बिना नदी-नाले-पहाड़-समन्दर कुछ भी पार करना असंभव होता। और तो और अपवहन प्रणाली (ड्रेनेज सिस्टम) इनके बिना नहीं बनती और शहरों का क्या हाल होता, आज आसानी से समझा जा सकता है। हड़प्पा काल तक के लोगों ने जब इनकी अहमियत समझी तो आज तो इनके बिना एक पल नहीं रहा जा सकता।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग

आज कंप्यूटर का जमाना है, इस बात से कोई इनकार नहीं करेगा। लेकिन कंप्यूटर की सहायता से आज जो कुछ हो रहा है, वह इसके इंजीनियरों का ही तो कमाल है, जो इसके डिजाइन, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर पर बड़ी बारीकी से काम करते हैं और तब जाकर कहीं एक ऐसी प्रणाली बन पाती है, जिसके सहारे काम आसान हो पाते हैं।

एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग

पर्यावरण ही तो हमारे जीवन के लिए सबकुछ है। यदि यह दूषित-प्रदूषित है तो हमारे लिए खतरा है। इससे जुड़े इंजीनियर उन परेशानियों को चिह्नित करते हैं और उनका समाधान ढूंढ़ते हैं। हवा-पानी की स्वच्छ उपस्थिति को सुनिश्चित करना, ग्रीन हाउस उत्सजर्न को नियंत्रित रखना, पेड़-पौधे बनाए रखना, ये सब इन्हीं का तो काम है।

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मशीनरी, टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम, रेडियो, टीवी इत्यादि के डिजाइन, निर्माण व चलाने में इनकी भूमिका होती है। इनके बिना ऐसा नहीं हो पाएगा कि इस क्षेत्र में बेहतर से बेहतर उपकरण बनाए जाएं।

मरीन इंजीनियरिंग

समन्दर की सतह पर या फिर गहराइयों में उतरने के लिए जिन जहाजों, उपकरणों व अन्य मशीनरियों की जरूरत होती है, मरीन इंजीनियर इनसे जुड़ी हर बात पर खोज करते हैं, सुधार करते हैं और संसार को खारे पानी के साथ मीठा बर्ताव करना संभव बनाते हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग

आज जितनी भी मशीनरियां हैं और जिनके बिना अब काम करना कठिन लगने लगता है, वे सब मैकेनिकल इंजीनियर्स की डिजाइन क्षमता, निर्माण, प्रचालन व रख-रखाव संबंधी कौशल की बदौलत हैं।

माइनिंग इंजीनियरिंग

जमीन के भीतर छिपे खनिजों को बाहर निकालने के लिए जो कुछ करना पड़ता है, वह इन इंजीनियर्स की ही देन है। जमीन के नीचे सुरंग बनाने से लेकर खनिजों को बाहर निकालने तक का काम इनके सहारे चलता है।

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

आज पेट्रोलियम उत्पादों की जरूरत इतनी बढ़ गई है कि उनके बिना विकास का पहिया रुकने का खतरा है। तेल भंडारों की खोज करना, तेल को निकालना, रिफाइनरी तक सुरक्षित पहुंचाना इस शाखा में आता है।

जाहिर है इंजीनियरिंग की इन व अन्य तमाम शाखाओं में करियर डिजाइन की संभावनाएं मौजूद हैं। जरूरत है तो इस बात की सही समय पर, सही तरीके से तैयारी कर इंजीनियरिंग की परीक्षा दी जाए और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाई जाए।

नौकरी के अवसर

इंजीनियर्स के लिए अवसरों की कमी नहीं है। वे केंद्र सरकार या राज्य सरकार की नौकरी कर सकते हैं, सार्वजनिक उपक्रमों में काम कर सकते हैं, रक्षा सेवा में जा सकते हैं, निजी संस्थानों में काम कर सकते हैं, पावर प्लांट्स, अस्पतालों या बैंकों में काम कर सकते हैं या फिर अपनी कंसल्टेंसी खोल सकते हैं। इंजानियरिंग एक ऐसा कौशल है, जिसे जितने बड़े फलक पर आजमाया जाएगा, उतना ही बेहतर परिणाम मिलेगा। उदाहरण के लिए मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजानियर्स के लिए अधिक अवसर हैं, बनिस्पत मरीन व सेरेमिक इंजीनियर्स के। सरकार भी अलग-अलग परीक्षाओं के माध्यम से सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन शाखाओं में इंजीनियर्स की भर्ती करती है।

वेतन

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद जितने अवसर मिलते हैं, वे अलग-अलग शाखाओं के हिसाब से वेतन या आमदनी का जरिया बनते हैं। सिविल इंजीनियरिंग से लेकर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग तक, मरीन इंजीनियरिंग से लेकर कंप्यूटर इंजीनियरिंग तक, सबकी अपनी मांग है और 10,000 रुपये प्रति माह से लेकर 30,000 रुपये प्रति माह की तनख्वाह मिल सकती है। अन्य क्षेत्रों की भांति इसमें भी अनुभव के साथ-साथ आमदनी बढ़ती जाती है। अपनी कंसलटेंसी का तो कोई वेतन जैसा गणित नहीं है, लेकिन काम जम जाने के बाद मामला लाखों-करोड़ों तक जा सकता है।

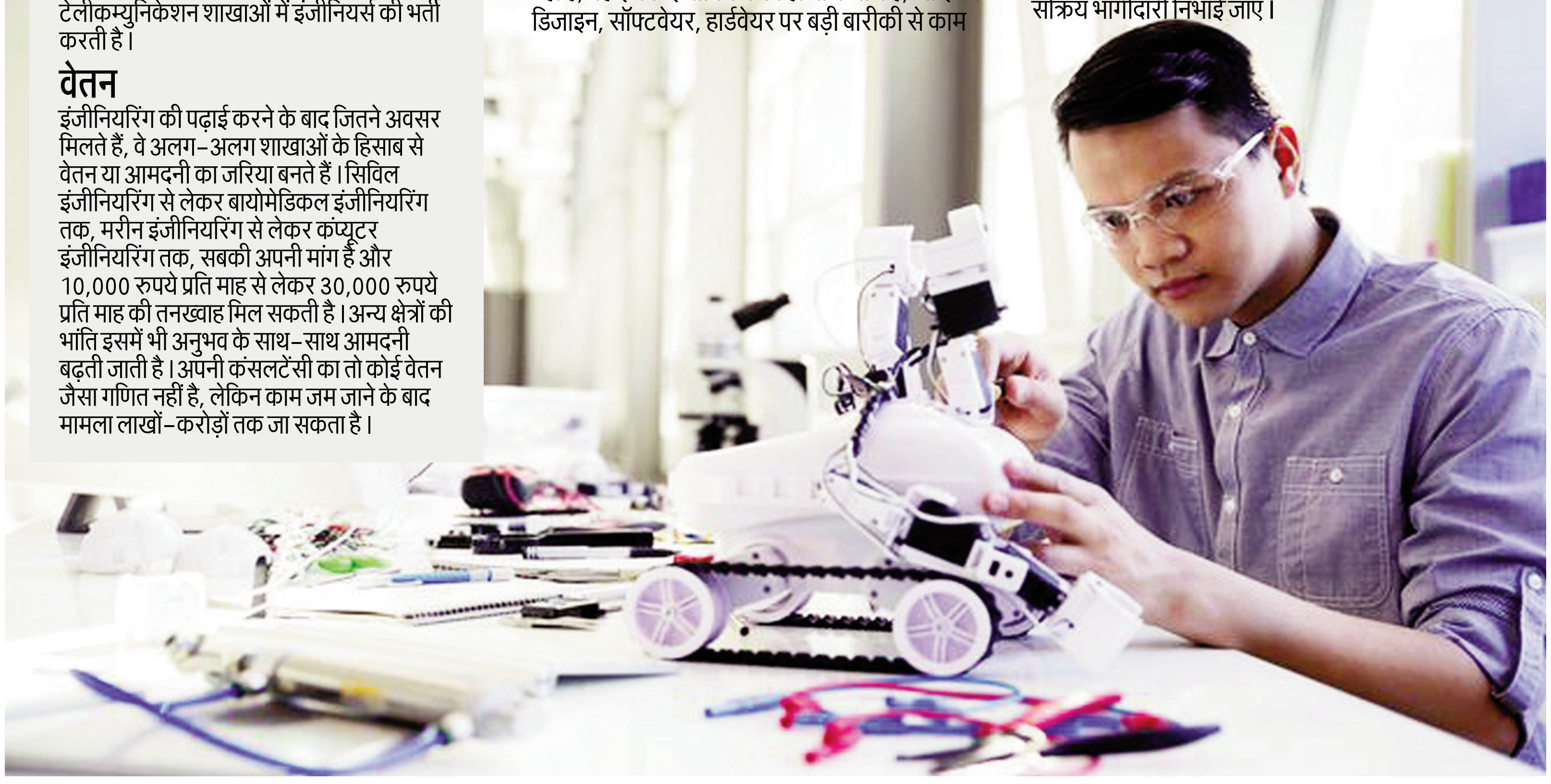

नई भाजपा के रोल मॉडल हैं योगी, हेमंत और शुभेंदु!

सचिन कुमार सिंह, प्रधान संपादक

भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है। उत्तर प्रदेश एक ऐसे मुख्यमंत्री से रूबरू है, जिसे राजनीति के मैदान में बहुत गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। उनके बारे में यह ख्यात था कि वे एक खास वर्ग की राजनीति करते हैं और भारतीय जनता पार्टी भी उनकी राजनीतिक शैली से पूरी तरह सहमत नहीं है। लेकिन उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह अपनी पकड़ बनाई है और देश में एक अलग माडल खड़ा दिया है, वह सर्वत्र चर्चा का विषय है। इससे यह भी साबित हो रहा है कि ह्यअपनी राजनीतिह्न के प्रति भाजपा का आत्मदैन्य कम हो रहा है। वहीं असम में हेमंत विश्वशर्मा उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे हैं, असम में तीसरी बार सरकार बनाकर भाजपा ने पूर्वोत्तर में इतिहास रच दिया है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति से पश्चिम बंगाल की विजय ऐतिहासिक कही जा रही है और वहां बने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के ताबड़तोड़ फैसलों ने जनविश्वास की हिलोरें पैदा की हैं। जड़ता को तोड़कर एक नई उम्मीद बनी है। केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी और अमित शाह के आगमन ने भारतीय राजनीति के परिदृश्य को बदलकर रख दिया है।

वैचारिक हीनग्रंथि से बाहर आई भाजपा–

भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है। भाजपा का हर नेता सत्ता पाने के बाद यह साबित करने में लगा रहता है वह अन्य दलों के नेताओं के कम ह्यसेकुलरह्न नहीं है। उत्तर प्रदेश की ह्यआदित्यनाथ परिघटनाह्न दरअसल भाजपा की वैचारिक हीनग्रंथि से मुक्ति को स्थापित करती नजर आती है। नरेंद्र मोदी के राज्यारोहण के बाद योगी आदित्यनाथ का उदय भारतीय राजनीति में एक अलग किस्म की राजनीति की स्वीकृति का प्रतीक है। एक धर्मप्राण देश में धार्मिक प्रतीकों, भगवा रंग, सन्यासियों के प्रति जैसी विरक्ति मुख्यधारा की राजनीति में दिखती थी, वह अन्यत्र दुर्लभ है। भाजपा जैसे दल भी इस सेकुलर विकार से कम ग्रस्त न थे। धर्म और धमार्चार्यों का इस्तेमाल, धार्मिक आस्था का दोहन और सत्ता पाते ही सभी धार्मिक प्रतीकों से मुक्ति लेकर सारी राजनीति सिर्फ तुष्टीकरण में लग जाती थी। प्रधानमंत्रियों समेत जाने कितने सत्ताधीशों के ताज जामा मस्जिद में झुके होगें, लेकिन हिंदुत्व के प्रति उनकी हिचक निरंतर थी। यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं की एक समय में दीनदयाल जी उदार थे, तो अटलजी और बलराज मधोक अपनी वक्रता के चलते उग्र नेता माने जाते थे। अटलजी का दौर आया तो लालकृष्ण आडवाणी उग्र कहे जाने लगे, फिर एक समय ऐसा भी आया जब आडवानी उदार हो गए और नरेंद्र मोदी उग्र मान जाने लगे। आज की व्याख्याएं सुनें- नरेंद्र मोदी उदार हो गए हैं और योगी आदित्यनाथ और गृहमंत्री अमित शाह उग्र माने जाने लगे हैं। अब तो असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी आदित्यनाथ की परंपरा के मुख्यमंत्री कहे जाने लगे हैं।

सेकुलर संक्रमण से मुक्ति से मिली नई पहचान–

यह मीडिया, बौद्धिकों की अपनी रोज बनाई जाती व्याख्याएं हैं। लेकिन सच यह है कि अटल, मधोक, आडवानी, मोदी, अमित शाह या आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा और शुभेंदु अधिकारी कोई अलग-अलग लोग नहीं है। एक विचार के प्रति समर्पित राष्ट्रनायकों की सूची है यह। इसमें कोई कम जा ज्यादा उदार या कठोर नहीं है। किंतु भारतीय राजनीति का विमर्श ऐसा है जिसमें वास्तविकता से अधिक ड्रामे पर भरोसा है। भारतीय राजनेता की मजबूरी है कि वह टोपी पहने, रोजा भले न रखे किंतु इफ्तार की दावतें दे। आप ध्यान दें सरकारी स्तर पर यह प्रहसन लंबे समय से जारी रहा है। भाजपा भी इसी राजनीतिक क्षेत्र में काम करती है। उसमें भी इस तरह के रोग हैं। वह भी राष्ट्रनीति के साथ थोड़े तुष्टिकरण को गलत नहीं मानती। जबकि उसका अपना नारा रहा है सबको न्याय, तुष्टिकरण किसी का नहीं। उसका एक नारा यह भी रहा है-राम, रोटी और इंसाफ।

लंबे समय के बाद भाजपा में अपनी वैचारिक लाइन को लेकर गर्व का बोध दिख रहा है। असरे बाद वे भारतीय राजनीति के सेकुलर संक्रमण से मुक्त होकर अपनी वैचारिक भूमि पर गरिमा के साथ खड़े दिख रहे हैं। समझौतों और आत्मसमर्पण की मुद्राओं के बजाए उनमें अपनी वैचारिक भूमि के प्रति हीनताग्रंथि के भाव कम हुए हैं। अब वे अन्य दलों की नकल के बजाए एक वैचारिक लाइन लेते हुए दिख रहे हैं। दिखावटी सेकुलरिज्म के बजाए वास्तविक राष्ट्रीयता के उनमें दर्शन हो रहे हैं। मोदी जब एक सौ चालीस करोड़ हिंदुस्तानियों की बात करते हैं तो बात अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक से ऊपर चली जाती है। यहां देश सम्मानित होता है, एक नई राजनीति का प्रारंभ दिखता है। एक भगवाधारी संन्यासी जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठता है तो वह एक नया संदेश देता है। वह संदेश त्याग का है, परिवारवाद के विरोध का है, तुष्टिकरण के विरोध का है, सबको न्याय का है।

भारतीयता का विमर्श अब केंद्रीय विमर्श–

आजादी के बाद के सत्तर सालों में देश की राजनीति का विमर्श भारतीयता और उसकी जड़ों की तरफ लौटने के बजाए घोर पश्चिमी और वामपंथी रह गया था। जबकि बेहतर होता कि आजादी के बाद हम अपनी ज्ञान परंपरा की और लौटते और अपनी जड़ों को मजबूत बनाते। किंतु सत्ता, शिक्षा, समाज और राजनीति में हमने पश्चिमी तो, कहीं वामपंथी विचारों के आधार पर चीजें खड़ी कीं। इसके कारण हमारा अपने समाज से ही रिश्ता कटता चला गया। सत्ता और जनता की दूरी और बढ़ गयी। सत्ता दाता बन बैठी और जनता याचक। सेवक मालिक बन गए। ऐसे में लोकतंत्र एक छद्म लोकतंत्र बन गया। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हम सत्तर साल के बाद सड़कें बना रहे हैं। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हमारे अपने नौजवानों ने भारतीय राज्य के खिलाफ बंदूकें उठा रखी थीं। गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़संकल्प की बदौलत आज माओवादी आतंक का अंत भी हमने देखा। पिछले सत्तर सालों में लोकतंत्र की विफलता की ये कहानियां सर्वत्र बिखरी पड़ी हैं। राजनीतिक तंत्र के प्रति उठा भरोसा भी साधारण नहीं था। आज ऐसा लगता है कि राजनीति से कुछ हो सकता है।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में उत्साह रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयास करें। सोच समझकर कोई निर्णय लें, तो ही बेहतर होगा। जल्दबाजी में उठाए गए कदम नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई भी नया काम शुरू न करें। परिवार के साथ धर्म ध्यान में समय बिताएं। मित्रों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम के बावजूद सफलता कम मिलेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवारिक समस्याएं परेशान करेंगी। ऐसी स्थिति में पूर्ण विवेक से काम लेना होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी बात को लेकर बहस होने के आसार रहेंगे, जिससे मानकि परेशानी बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए प्रयत्नशील होगा। कठिन परिश्म से रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में सफल रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। पुराना अटका धन भी मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं, मानसिक सुख और शांति मिलेगी। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अड़चनें आएंगी और कार्यों में सफलता कम मिलेगी। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो उसे टालें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धर्म ध्यान और परिवार के साथ समय बिताएं, सेहत का ख्याल रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी कार्य को सिद्ध करने के लिए आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। कारोबार में आर्थिक लाभ तो रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। मन में किसी प्रकार की शंका न पालें, गलतियों को स्वीकार कर सगे-संबंधियों के बीच अपने रिश्तों को सुधारें। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने पर खुशी मिलेगी।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्च बढने.से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करें। भविष्य को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। नये काम की शुरूआत कर रहे हैं, तो दूसरी को सलाह न लें। अपनों से धोखा मिल सकता है। रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। परिश्रम से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। बेरोजगार को रोजगार के अवसर और नौकरी में तरक्की मिलने के आसार रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम से अपने काम को नई पहचान दिलाएंगे। व्यवसाय में नये निवेश का अवसर मिलेगा। करीबियों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। पुरानी बातें भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव की स्थिति पैदा न होने दें। परिवार के साथ समय बिताएंगे। सेहत का ख्याल रखें।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने की कोशिश करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो संबंध भी मधुर होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। यात्रा को टालें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकते हैं। कोर्ट में कोई पुराना लंबित मामला चल रहा है तो वह सुलझ सकता है। अनावश्यक खर्चे पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में कलह हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें और क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने के आसार हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा और उन्हें परिश्रम के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। कारोबार मध्यम रहेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर में माहौल अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे और उत्साह पूर्वक नई योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे। रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। कारोबार में नए निवेश के अवसर खुलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है।

राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने ह्यनाह्न कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धमार्चार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं।

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मयार्दाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित ह्यलव जिहादह्न जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं।

लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं।

राजनय की मजबूती

भारत और ब्रिटेन के बीच जो नजदीकी देखी गई है, उसे आने वाले वर्षों तक याद किया जाएगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का भारत दौरा दर्ज करने लायक मोड़ साबित हो सकता है। ब्रिटेन आर्थिक संबंधों को बढ़ाना चाहता है, साथ ही, रक्षा मामलों में भी भारत के साथ सहयोग बेहतर करने को लालायित है। हो सकता है, ब्रिटेन की यह कोशिश इसलिए भी हो कि रूस पर भारत की निर्भरता कम हो जाए, लेकिन तब भी भारत जिस तरह से अपना हित देखते हुए मजबूती से आगे बढ़ रहा है, वह मानीखेज है। खास कामयाबी यह कि ब्रिटेन भारत को एक ओपन जनरल एक्सपोर्ट लाइसेंस जारी करेगा, जिससे रक्षा खरीद आपूर्ति में कम समय लगेगा। इसके अलावा ब्रिटेन लड़ाकू जेट बनाने में भी भारत की मदद करेगा। हिंद महासागर में भारत की ताकत बढ़ाने की दिशा में भी वह मदद करना चाहता है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्वास्थ्य क्षेत्र में ब्रिटेन ने भारत में निवेश बढ़ाने की बात भी की है। इतना ही नहीं, दोनों देश इसी साल के अंत तक एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता भी करने वाले हैं। इस तरह का समझौता पहले ही हो जाना चाहिए था, लेकिन अगर ब्रिटेन इस दिशा में अब बढ़ रहा है, तो भारत की बढ़ी हुई अहमियत को हम नजरंदाज नहीं कर सकते।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बोरिस जॉनसन के बीच जो गर्मजोशी देखी गई है, उस पर न केवल भारतीय कूटनीतिज्ञों, बल्कि दुनिया की भी नजर होगी। दोनों ही नेता परस्पर संबंध विस्तार के लिए व्यग्र नजर आ रहे हैं, तो दुनिया के बदलते हालात की भी इसमें भूमिका है। कूटनीतिज्ञ भी इस बात को रेखांकित करते हैं कि विश्व की राजनीति में आज भारत का जो महत्व है, वह पहले नहीं था। पहले अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश भारत व पाकिस्तान के साथ एक समान व्यवहार के लिए बाध्य दिखते थे। शीतयुद्ध के दौर में दोनों देशों को एक ही तराजू पर रखकर चलने की वैश्विक कोशिश ने भारत को कई बार बहुत निराश किया है। हम अपना पक्ष रखते तो थे, लेकिन उससे लाभ नहीं ले पाते थे। अब ऐसा लगता है कि दुनिया खुद आगे बढ़कर भारत के बारे में सोचना चाहती है। अमेरिकी विदेश मंत्री हों या रूसी विदेश मंत्री या चीनी विदेश मंत्री या अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, ये तमाम यात्राएं भारतीय शक्ति का प्रमाण हैं।

हमें पाकिस्तान के साथ तौलने का पश्चिमी तराजू अब शायद टूट चुका है। हमें विश्व-राजनय में अपनी वाजिब जगह और मजबूती, दोनों को कायम रखना है। एक और ताजा मामला देखें, तो एक अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ने पाक-अधिकृत कश्मीर की यात्रा की, जिस पर भारत ने आपत्ति जताई, इसके बाद अमेरिकी सरकार को स्पष्ट करना पड़ा कि डेमोक्रेट सांसद की यात्रा से बाइडन सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। दुनिया में अभी कोई ऐसा देश नहीं है, जो भारत को रूस का पुराना साथी होने के नाते कठघरे में खड़ा कर दे। भारत बहुत संभलकर चल रहा है। वह न तो रूस के खिलाफ गया है, न ही यूक्रेन के विरोध में खड़ा दिखा है। यह संतुलन भारतीय राजनय का नया सशक्त पहलू है। हर हाल में भारत को अपना हित देखते हुए चलना है। साथ ही, यह भी ध्यान रखना है कि भारत सिर्फ बाजार नहीं है, कोई भी देश भारत को सिर्फ बाजार मानकर न चले। संबंधों का विस्तार उन्हीं देशों के साथ होना चाहिए, जिनको हमारी पीड़ाओं का भी अंदाजा हो। राजनय की मजबूती देश के विकास में साकार होनी चाहिए।

मानव जीवन की रक्षा के लिये पृथ्वी संरक्षण जरूरी

पर्यावरण एवं प्रकृति के प्रति उपेक्षा का ही परिणाम है कि हमारे द्वारा कहीं फैक्ट्रियों का गन्दा जल हमारे पीने के पानी में मिलाया जा रहा है तो कहीं गाड़ियों से निकलता धुआं हमारे जीवन में जहर घोल रहा है और घूम फिर कर यह हमारी पृथ्वी को दूषित बनाता है। पृथ्वी दिवस पूरे विश्व में 22 अप्रैल को मनाया जाता है। इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम इन्वेस्ट इन अवर प्लैनेट है, जो हमें हरित समृद्धि से समृद्ध जीवन बनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह थीम संदेश देती है कि हमारे स्वास्थ्य, हमारे परिवारों, हमारी आजीविका और हमारी धरती को एक साथ संरक्षित करने का समय आ गया है। पृथ्वी दिवस आधुनिक पर्यावरण आंदोलन की वर्षगांठ का प्रतीक है, जो पहली बार सन् 1970 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं पृथ्वी के संरक्षण के लिये जागरूक करना है। पिछले कुछ समय से कोरोना महामारी एवं महासंकट ने न केवल इंसानों के जीवन को खतरे में डाला है बल्कि पृथ्वी, प्रकृति एवं पर्यावरण पर भी उसके घातक असर डाला है। दुनिया में पृथ्वी के विनाश, प्रकृति प्रदूषण एवं कोरोना के जैविक संकट को लेकर काफी चर्चा हो रही है। आज विश्व भर में हर जगह प्रकृति का दोहन एवं शोषण जारी है। जिसके कारण पृथ्वी पर अक्सर उत्तरी ध्रूव की ठोस बर्फ का कई किलोमीटर तक पिघलना, सूर्य की पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकने वाली ओजोन परत में छेद होना, भयंकर तूफान, सुनामी और भी कई प्राकृतिक आपदाओं का होना आदि ज्वलंत समस्याएं विकराल होती जा रही है, जिसके लिए मनुष्य ही जिम्मेदार हैं। ग्लोबल वार्मिग के रूप में जो आज हमारे सामने हैं। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। जीव-जन्तु अंधे हो जाएंगे। लोगों की त्वचा झुलसने लगेगी और कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ जाएगी। समुद्र का जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती इलाके चपेट में आ जाएंगे। कोरोना महामारी जैसी व्याधियां रह-रहकर जीवन संकट का कारण बनती रहेगी।

पर्यावरण एवं प्रकृति के प्रति उपेक्षा का ही परिणाम है कि हमारे द्वारा कहीं फैक्ट्रियों का गन्दा जल हमारे पीने के पानी में मिलाया जा रहा है तो कहीं गाड़ियों से निकलता धुआं हमारे जीवन में जहर घोल रहा है और घूम फिर कर यह हमारी पृथ्वी को दूषित बनाता है। जिस पृथ्वी को हम माँ का दर्जा देते हैं उसे हम खुद अपने ही हाथों दूषित करने में कैसे लगे रहते हैं? आज जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा संकट बन गया है। अगर पृथ्वी के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाए तो मानव जीवन कैसे सुरक्षित एवं संरक्षित रहेगा? पृथ्वी है तो सारे तत्व हैं, इसलिये पृथ्वी अनमोल तत्व है। इसी पर आकाश है, जल, अग्नि, और हवा है। इन सबके मेल से प्रकृति की संरचना सुन्दर एवं जीवनमय होती है। अपने-अपने स्वार्थ के लिए पृथ्वी पर अत्याचार रोकना होगा और कार्बन उत्सर्जन में कटौती पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से औद्योगिक क्रांति पर नियंत्रण करना होगा, क्योंकि उन्हीं के कारण कार्बन उत्सर्जन और दूसरी तरह के प्रदूषण में बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कई प्रजाति के जीव-जंतु, प्राकृतिक स्त्रोत एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं, जिससे पृथ्वी असंतुलित हो रही है। विलुप्त होते जीव-जंतु और वनस्पति की रक्षा के लिये विश्व-समुदाय को जागरूक करने के लिये ही इस दिवस को मनाया जाता है। आज चिन्तन का विषय न तो रूस-यूक्रेन युद्ध है और न मानव अधिकार, न कोई विश्व की राजनैतिक घटना और न ही किसी देश की रक्षा का मामला है।

खेसारी लाल यादव बनाम पवन सिंह के विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या, डीजे संचालक समेत 4 गिरफ्तार

एजेंसी

मुजफ्फरपुर: बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के करजा थाना क्षेत्र में शादी समारोह के दौरान हुई रंजीत कुमार हत्याकांड का पुलिस ने पूरी तरह खुलासा कर दिया है. पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि डीजे पर गाना बजाने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया. इस वारदात के बाद से ही इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ था.

खेसारी और पवन के गानों पर विवाद: इस खूनी विवाद की मुख्य जड़ भोजपुरी गायक खेसारी लाल यादव और पवन सिंह के गाने को बजाने की मांग थी. ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने प्रेस वार्ता में बताया कि 25 जून की सुबह करजा थाना क्षेत्र में आयोजित एक शादी समारोह में मुशहरी थाना क्षेत्र निवासी रंजीत कुमार शामिल होने पहुंचे थे. तभी डीजे पर गाना बजाने को लेकर बहस हुई.

नशे की हालत में चली गोली: समारोह के दौरान एक पक्ष खेसारी लाल यादव का गाना बजाने की मांग कर रहा था, जबकि दूसरा पक्ष पवन सिंह का गाना बजाने पर अड़ा था. पुलिस के अनुसार, घटना से पहले मृतक और मुख्य आरोपित ने साथ बैठकर शराब पी थी. इसके बाद विवाद बढ़ा और मारपीट के बीच डीजे संचालक और उसके साथियों ने रंजीत पर गोली चला दी.

वैज्ञानिक साक्ष्य और एसआईटी का गठन: गोली लगने से रंजीत कुमार की मौके पर ही मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही करजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची. इसके बाद एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए. मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सरैया एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष एसआईटी का गठन किया गया.

पुलिस की गिरफ्त में चार मुख्य आरोपी: तकनीकी साक्ष्य, मोबाइल लोकेशन और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सबसे पहले तुर्की निवासी डीजे संचालक विक्की कुमार और पानापुर करियात निवासी रामबाबू सहनी को गिरफ्तार किया. उनकी निशानदेही पर करजा निवासी नीरज कुमार और धीरज कुमार उर्फ गोलू को भी दबोच लिया गया. ग्रामीण एसपी के अनुसार डीजे संचालक विक्की कुमार ही इस कांड का मुख्य आरोपित है.

क्या था मामला ?: शंभू सहनी की भतीजी की शादी का समारोह चल रहा था. 24 जून की देर रात द्वार पूजा की रस्मों के दौरान अचानक किसी ने गोली चलायी और लड़की के मामा रंजीत की गोली लगने से मौत हो गयी. आनन-फानन में इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. प्रथम दृश्यता लगा था कि हर्ष फायरिंग में गोली चली, लेकिन पुलिस जांच में सामने आया कि डीजे संचालक ने गोली मारकर हत्या की.

बिहार में इंडियन एयरफोर्स ऑफिसर के घर बंधक बनाकर चोरी, 30 लाख की संपत्ति लूटी

एजेंसी

मुजफ्फरपुर : बिहार के मुजफ्फरपुर में एयरफोर्स के ऑफिसर के घर बंधक बनाकर बड़ी लूट को अंजाम दिया गया. मामला औराई थाना क्षेत्र का है जहां राजखंड गांव में देर रात सीढ़ी के सहारे घर में घुसे बदमाशों ने वायुसेनिक की मां और रिटायर शिक्षक दंपति को बंधक बनाकर करीब 30 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति लूट ली.

इंडियन एयरफोर्स ऑफिसर के घर में चोरी : वारदात के बाद सभी बदमाश फरार हो गए. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई. घटना राजखंड के वार्ड संख्या-1 की है. पीड़ित रिटायर शिक्षक शंकर दयाल शाही

अपनी पत्नी सुनीता देवी के साथ घर में सो रहे थे. देर रात करीब 12 बजे सीढ़ी के सहारे घर में घुसे बदमाशों ने पहले दंपति को हथियार के बल पर कब्जे में लिया.

बुजुर्ग दंपती को बंधक बनाकर लूट : दंपती को चोरों ने उनकी आंखों पर पट्टी बांध दी और हाथ-पैर बांधकर करीब दो घंटे तक घर में लूटपाट करते रहे. बदमाशों ने घर में रखे करीब 200 ग्राम सोना, एक किलो चांदी के आभूषण, 70 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान लूट लिया.

आलमारी और ट्रंक तोड़कर लूटपाट : बताया जा रहा है कि लूटपाट के दौरान घर की आलमारी और ट्रंक भी तोड़ दिए गए. स्थानीय लोगों के अनुसार, पीड़ित दंपती घर में अकेले रहते हैं. उनका बड़ा बेटा इंडियन एयर फोर्स में वारंट ऑफिसर है और वर्तमान में राजस्थान में तैनात है, जबकि छोटा बेटा छत्तीसगढ़ में प्रोफेसर है.

बाहर से दरवाजा बंद कर फरार : बदमाशों ने घर में सिर्फ बुजुर्ग दंपती के अकेले होने का फायदा उठाया. बताया जा रहा है कि करीब दो घंटे तक लूटपाट करने के बाद बदमाश बाहर से दरवाजा बंद कर फरार हो गए. किसी तरह बंधन खोलने के बाद दंपती ने परिजनों और पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी.

अगले तीन घंटे सावधान, इन जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, आईएमडी का अलर्ट

एजेंसी

पटना: बिहार में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया. अगले तीन घंटे में औरगंबाद, गया, नवादा और बांका में भारी बारिश की संभावना है. इससे तापमान में गिरावट होने की संभावना है. वहीं मौसम विज्ञान केंद्र, पटना ने राज्य के कई हिस्सों में मेघ गर्जन, वज्रपात और तेज हवाओं को लेकर तात्कालिक चेतावनी जारी की है. दक्षिण और मध्य बिहार के कई जिलों में उमस भरी गर्मी के बीच अचानक मौसम का मिजाज बदल गया है.

मौसम विभाग का पूवार्नुमान: मौसम विभाग ने पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सिवान, सारण, पटना, बेगूसराय, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, नालंदा, जहानाबाद, गया, नवादा, जमुई और बांका में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में मेघ गर्जन, वज्रपात के साथ बारिश की संभावना है. भागलपुर, कटिहार और पूर्णिया में अनुमान से ज्यादा बारिश होने की संभावना है. इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है.

अगले पांच दिनों का पूवार्नुमान: राजधानी पटना में अगले कुछ दिनों तक बादलों की आवाजाही बनी रहेगी. मौसम केंद्र के अनुसार, 28 जून से 30 जून के बीच पटना का अधिकतम तापमान 37 से 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 से 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. इस दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और एक या दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है. 1 और 2 जुलाई को तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है.

भभुआ में सबसे ज्यादा तापमान: पिछले 24 घंटों के आंकड़ों पर नजर डालें तो बिहार में सबसे अधिक तापमान कैमूर में 41.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है. इसके अलावा बक्सर में 41.2 डिग्री, डेहरी में 40.8 डिग्री, गया और औरंगाबाद में 40.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड हुआ है. हालांकि, कुछ इलाकों में हो रही छिटपुट बारिश के बाद तापमान में आंशिक गिरावट आने की उम्मीद है.

मौसम विभाग के दिशा-निदेर्श: खराब मौसम को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को सतर्क और सावधान रहने की सलाह दी है. किसानों और आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि वे खुले खेतों में या बाहर हैं, तो तुरंत किसी पक्के मकान की शरण लें. वज्रपात के खतरे को देखते हुए ऊंचे पेड़ों, बिजली के खंभों और जलजमाव वाले स्थानों से पूरी तरह दूर रहने को कहा गया है.

बिहार के बैंक में 3.80 करोड़ का फ्रॉड, 2 मैनेजर समेत 28 लोगों के खिलाफ एफआईआर

एजेंसी

गया: बिहार के गया शहर में स्थित कोटक महिंद्रा बैंक से बैंकिंग फ्रॉड का बड़ा मामला सामने आया है. सिविल लाइन थाना क्षेत्र के जीबी रोड स्थित शाखा में करीब 3 करोड़ 80 लाख रुपये की हेराफेरी की गई है. इस वित्तीय घोटाले को लेकर बैंक के दो तत्कालीन प्रबंधकों समेत 28 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. केस दर्ज होने के बाद स्थानीय पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है.

बैंक प्रबंधकों और जालसाजों की मिलीभगत: यह करोड़ों का फ्रॉड जालसाजों और बैंक के दो मैनेजर रैंक के अधिकारियों की आपसी मिलीभगत से अंजाम दिया गया. इतनी बड़ी राशि की हेराफेरी को लेकर कोटक महिंद्रा बैंक के सहायक प्रबंधक कुमार दीपेश ने सिविल लाइन थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई. प्राथमिकी में दो सेवारत बैंक अधिकारियों के साथ कुल 28 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है, जिन्होंने नियमों को ताक पर रखा.

इंटरनल ऑडिट में खुली घोटाले की पोल: घोटाले का खुलासा तब हुआ जब बैंक की केंद्रीय टीम ने इंटरनल ऑडिट के दौरान कुछ संदिग्ध लोन खातों का सत्यापन किया. जांच में सामने आया कि फाइलों में दर्ज वाहनों के इंजन नंबर, चेचिस नंबर और ओनरशिप डिटेल पूरी तरह फर्जी थे. फर्जी दस्तावेजों के सहारे लोन बांटे गए थे. ऑडिट टीम ने रिपोर्ट में साफ किया कि यह कोई मानवीय चूक नहीं बल्कि सोची-समझी बड़ी साजिश थी.

मोटे कमीशन के खेल में अधिकारी शामिल: दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, नामजद बैंक पदाधिकारियों में सेल्स डिवीजन के रिलेशनशिप मैनेजर वारिस आजम और टीम सेल्स मैनेजर रोहित राज शामिल हैं. आशंका जताई जा रही है

संक्षिप्त खबर

खान सर का बॉडीगार्ड यूपी से लाया था हथियार, पुलिस वेरिफिकेशन भी नहीं, जांच में हुआ खुलासा

पटना: खान सर गोलीकांड की जांच के दौरान पुलिस को एक और अहम जानकारी मिली है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, खान सर के बॉडीगार्ड तालेबर सिंह पर बिना अनुमति के उत्तर प्रदेश से हथियार लेकर बिहार आने और नौकरी करने का आरोप है. जांच में यह भी दावा किया गया है कि इस हथियार का स्थानीय स्तर पर कोई पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराया गया था.

बिना सूचना के बिहार लाया गया हथियार

पुलिस के मुताबिक, तालेबर सिंह ने बिहार में हथियार के साथ नौकरी शुरू करने से पहले स्थानीय प्रशासन, संबंधित थाने या आर्म्स मजिस्ट्रेट को इसकी सूचना नहीं दी. जांच एजेंसियों का कहना है कि दूसरे राज्य का लाइसेंसी हथियार लेकर किसी अन्य राज्य में पेशेवर सुरक्षा ड्यूटी करने के लिए तय कानूनी प्रक्रिया का पालन करना जरूरी होता है. इसी पहलू की जांच की जा रही है.

खान सर की भूमिका पर भी सवाल

जांच के दौरान पुलिस ने यह भी दावा किया है कि खान सर ने बॉडीगार्ड को अपने साथ रखा, लेकिन उसका पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराया. पुलिस का कहना है कि इस मामले में यह भी जांच का विषय है कि हायरिंग के समय सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया था या नहीं.

आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज हुआ मामला

पुलिस ने इस मामले में आर्म्स एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया है. जांच के दौरान बरामद हथियार को भी जब्त कर लिया गया है. अब पुलिस पूरे मामले की कानूनी जांच आगे बढ़ा रही है.

आगे क्या करेगी पुलिस?

सूत्रों के मुताबिक, जांच के अगले चरण में खान सर से भी पूछताछ की जा सकती है. पुलिस यह जानना चाहती है कि बॉडीगार्ड की नियुक्ति के समय वेरिफिकेशन क्यों नहीं कराया गया और हथियार से जुड़े नियमों का पालन हुआ था या नहीं. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है. आरोपों की सत्यता का अंतिम फैसला जांच पूरी होने और अदालत की प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगा.

मोतिहारी चीनी मिल जमीन घोटाला: 14 एकड़ भूमि का गलत परिमार्जन करने पर राजस्व कर्मचारी निलंबित

मोतिहारी: बिहार के मोतिहारी चीनी मिल की 14 एकड़ भूमि के गलत परिमार्जन मामले में नवपदस्थापित डीएम सौरभ सुमन यादव ने बड़ी कार्रवाई की है. उन्होंने सदर अंचल के राजस्व कर्मचारी कृष्णा कुमार श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. आरोप है कि उन्होंने तीन अलग-अलग आवेदनों में गलत जांच रिपोर्ट तैयार की थी. इसी रिपोर्ट के आधार पर चीनी मिल की जमीन का नियम विरुद्ध परिमार्जन हुआ था. सदर डीसीएलआर के संज्ञान में मामला आने के बाद पोर्टल पर इसे शून्य कर दिया गया है.

दबाव का आरोप और नियम उल्लंघन: चर्चा है कि एक बड़े अधिकारी के डाटा ऑपरेटर ने राजस्व कर्मचारी पर 'साहब का आदेश है' कहकर दबाव बनाया था. इसी दबाव में आकर कर्मचारी ने गलत अनुशंसा की, जिसे कर्तव्यहीनता और अनुशासनहीनता माना गया है. अधिकारियों के अनुसार यह आचरण भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 और बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली 1976 के खिलाफ है. प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर यह निलंबन आदेश जारी किया गया है.

मुख्यालय निर्धारण और विभागीय जांच: निलंबन अवधि के दौरान कृष्णा कुमार श्रीवास्तव का मुख्यालय अंचल कार्यालय अरेराज तय किया गया है. नियमावली के तहत उन्हें जीवन-निर्वाहन भत्ता दिया जाएगा. डीएम ने सदर अंचलाधिकारी को निर्देश दिया है कि वे कर्मचारी के खिलाफ आरोप पत्र तैयार करें. इसे 15 दिनों के भीतर विभागीय कार्रवाई के लिए समाहर्ता पूर्वी चंपारण को सौंपना होगा. मामले की विभागीय जांच शुरू कर दी गई है.

विवादित भूमि और हड़कंप की स्थिति: मोतिहारी चीनी मिल की जमीन का मामला काफी समय से विवादों में घिरा रहा है. डीसीएलआर की सतर्कता से ऑनलाइन परिमार्जन भले ही शून्य हो गया हो, लेकिन डीएम की इस कड़ी कार्रवाई ने पूरे राजस्व विभाग में हड़कंप मचा दिया है. इस एक्शन को भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति से जोड़कर देखा जा रहा है. नवपदस्थापित डीएम ने साफ संदेश दिया है कि सरकारी जमीन से छेड़छाड़ करने वाले दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा.

भविष्य की कार्रवाई पर टिकी नजरें: चीनी मिल जमीन मामले में प्रशासनिक स्तर पर यह पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है. फिलहाल निलंबित राजस्व कर्मचारी के खिलाफ विभागीय जांच शुरू हो चुकी है. इस पूरे घटनाक्रम के बाद अब प्रशासनिक गलियारों में इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि जांच की आंच कहां तक पहुंचेगी. आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि जांच में और कौन-कौन से नाम सामने आते हैं और किन अन्य अधिकारियों पर गाज गिरती है.

पंचायत विकास दिवस पर वैशाली पहुंचे निशांत कुमार, बोले- सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने का ले संकल्प

एजेंसी

वैशाली: वैशाली के तीसिऔता थाने की तीसिऔता पंचायत की हाईस्कूल मैदान में पंचायत विकास दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने किया. कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा मंत्री ने कहा कि कि हम सब आज संकल्प लें कि राज्य व केंद्र द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं को धरातल पर उतारें.

पिता के विकास कार्यों को गिनाए स्वास्थ्य मंत्री

उन्होंने कहा कि मेरे पिता एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गांधी जी के सपने को सरकार करने के लिए गांवों में कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की है. बताया कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में जीविका के माध्यम से योजनाएं चलाए गए. साइकिल योजना,पोषक योजना आदि नीतीश कुमार द्वारा ही चलाएं गए हैं. पुलिस विभाग में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दी गई.

नीतीश कुमार गांधी जी के सपने को आगे बढ़ाया

आज मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी उसे योजना को जारी रखेंगे. गांधी जी का सपना था कि गांव मजबूत बने. नीतीश जी ने गांधी जी के सपने को आगे बढ़ाया. उन्होंने जीरामजी योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि जहां विकास दर कम होगा वहां सबसे पहले ध्यान दिए जाएंगे. प्रधानमंत्री ने आत्म निर्भर भारत बनाने के लिए संकल्प लिए है. इसके लिए गांवों को आत्मनिर्भर बनाना आवश्यक होगा.

स्वास्थ्य विभाग की ओर से शिविर लगाए गए

पूर्व जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह ने जिले में महिला सशक्तीकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की चर्चा की. कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से शिविर लगाए गए. स्वास्थ्य मंत्री ने चयनित आंगनबाड़ी का चयन पत्र बांटे. कार्यक्रम की समापन से पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्री कुमार ने हाईस्कूल के प्रांगण में स्थित महात्मा गांधी जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया.इस अवसर पर उप विकास आयुक्त कुंदन कुमार,पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा,बीपीआरओ डॉ0 प्रभात रंजन, बीडीओ दीपक कुमार सिंह, अंचलाधिकारी प्रभात कुमार आदि उपस्थित थे.

मां का आरोप पिता और दादी ने मासूम को जहर देकर मारा, सीवान पुलिस ने कब्र से निकालकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

एजेंसी

सीवान: सीवान जिले के पचरुखी थाना क्षेत्र से एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है. बरतवलिया गांव में पांच माह की एक मासूम बच्ची की मौत के बाद उसकी मां ने बच्ची के पिता और दादी पर दूध में जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है.

क्या है पूरा मामला

पचरुखी थाना क्षेत्र के बरतवलिया गांव में पांच माह की एक बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. मृत बच्ची की मां ने आरोप लगाया है कि उसके पति राजू यादव और सास ने मिलकर बच्ची को जहरीला दूध पिलाया, जिससे उसकी मौत हो गई.

कब और कहां हुई घटना

परिजनों के अनुसार घटना शुक्रवार देर शाम बरतवलिया गांव में हुई. बच्ची की मौत के बाद उसका अंतिम संस्कार जल्दबाजी में कर दिया गया. इसके बाद मामले ने नया मोड़ तब लिया जब मृत बच्ची की मां थाने पहुंची और लिखित शिकायत दर्ज कराई.

मां ने किन लोगों पर लगाया आरोप

मृत बच्ची की मां ने अपने पति राजू यादव और सास के खिलाफ हत्या का आरोप लगाया है. उनका दावा है कि बच्ची को जानबूझकर जहरीला दूध पिलाया गया. हालांकि पुलिस ने अभी किसी आरोप की पुष्टि नहीं की है और जांच जारी है.

पुलिस ने क्या कार्रवाई की

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में दफनाए गए शव को बाहर निकलवाया गया. इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सीवान भेजा गया. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.

जांच में जुटी पुलिस

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बच्ची की मौत किन परिस्थितियों में हुई. फिलहाल पुलिस मौत की वजहों को तलाश रही है. पूरे मामले की जांच जारी है. इस घटना के सामने आने के बाद पूरे बरतवलिया गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है. ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है.

राबड़ी के नए बंगले का काम अधूरा, निजी आवास पर शिफ्ट हो रहा सामान, कुछ दिनों के लिए यहां रह सकता है लालू परिवार

एजेंसी

बिहार: राबड़ी देवी को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी बंगला 29 जून तक खाली करना है. इसी को लेकर शिफ्टिंग का काम तेज हो गया है. बंगले से लगातार सामान बाहर निकाला जा रहा है. मिली जानकारी के अनुसार, लालू परिवार का नया ठिकाना फिलहाल कौटिल्य नगर हो सकता है. सामने आई तस्वीरों में 10 सर्कुलर रोड से फर्नीचर, एसी और अन्य घरेलू सामान दो छोटे ट्रकों के जरिए कौटिल्य नगर स्थित निजी आवास ले जाते हुए देखा गया है.

फिलहाल पोलो रोड में रह सकता है परिवार

कुछ सूत्रों का दावा है कि लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी कुछ समय के लिए अपने बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के 1 पोलो रोड स्थित सरकारी आवास में रह सकते हैं. हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.

नया सरकारी आवास अभी पूरी तरह तैयार नहीं

सरकार ने राबड़ी देवी को 39 हार्डिंग रोड स्थित नया सरकारी आवास आवंटित किया है. लेकिन वहां अभी निर्माण कार्य पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है. जानकारी के अनुसार, करीब 70 फीसदी काम ही पूरा हुआ है.

तेजी से चल रहा निर्माण

नए आवास में 50 से अधिक मजदूर काम कर रहे हैं. हॉल में पेंटिंग बाकी है. फर्नीचर लगाने, कमरों में एसी फिट करने, साफ-सफाई और मुख्य गेटों की पेंटिंग का काम भी अभी पूरा नहीं हुआ है.

सरकारी सामान की मांगी पूरी सूची

बंगला खाली करने से पहले राबड़ी देवी के सहायक ने भवन निर्माण विभाग को पत्र लिखा है. इसमें 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास का चार्ज रजिस्टर और विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए सभी सरकारी सामान की सूची मांगी गई है.

विवाद से बचने की तैयारी

पत्र में कहा गया है कि आवास खाली करते समय सरकारी सामान का सही मिलान हो सके. इससे भविष्य में किसी तरह का विवाद या भ्रम पैदा नहीं होगा. जानकारी के अनुसार, यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि बाद में सरकारी सामान साथ ले जाने जैसा कोई आरोप न लगे.

चौथा नोटिस भी भेज चुका है विभाग

भवन निर्माण विभाग राबड़ी देवी को बंगला खाली करने के लिए चौथा नोटिस भेज चुका है. इसमें 29 जून तक सरकारी आवास खाली करने का अंतिम समय दिया गया है.

सीसीटीवी भी हटाए गए

शिफ्टिंग प्रक्रिया के तहत 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास से सीसीटीवी कैमरे भी हटाए जा चुके हैं. वहीं, पैकिंग का काम लगातार जारी है. हालांकि, लालू परिवार 39 हार्डिंग रोड स्थित नए आवास में कब शिफ्ट होगा, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है.

मूल नक्षत्र और शुभ योग में मनाई जाएगी ज्येष्ठ पूर्णिमा, स्नान-दान से मिलेगा अक्षय पुण्य

एजेंसी

बिहार: ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा का पर्व 29 जून को मूल नक्षत्र और शुभ योग के विशेष संयोग में मनाया जाएगा. सनातन धर्म में पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व माना गया है और ज्येष्ठ पूर्णिमा को सभी पूर्णिमाओं में अत्यंत फलदायी बताया गया है. धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन सूर्य उत्तरायण से दक्षिणायन की ओर गमन करेंगे और सूर्य तथा चंद्रमा आमने-सामने की स्थिति में रहेंगे.

देव स्नान पूर्णिमा का विशेष महत्व

पौराणिक मान्यता के अनुसार इसी दिन से वैवस्वत मन्वंतर की शुरूआत हुई थी. देव स्नान पूर्णिमा के अवसर पर भगवान जगन्नाथ का सहस्त्रधारा स्नान कराया जाएगा. इसके बाद भगवान 15 दिनों तक ज्वर लीला में रहेंगे. वहीं वैशाख पूर्णिमा से शिवलिंग पर लगाए गए गलंतिका को भी ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन हटाया जाएगा.

लक्ष्मी-नारायण पूजा से मिलेगा विशेष फल

ज्योतिषाचार्य राकेश झा के अनुसार ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन गंगा, सरोवर, संगम या किसी पवित्र तीर्थ में स्नान कर दान, व्रत और पूजा करने से पुण्य की प्राप्ति होती है. इस दिन लक्ष्मी-नारायण की विधिवत पूजा, खीर का भोग और कर्पूर से आरती करने का विशेष महत्व है. साथ ही सत्यनारायण भगवान की कथा सुनने और पूजा करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है.

लक्ष्मी-नारायण पूजा

ज्योतिषाचार्य के अनुसार इस दिन स्नान-दान, पूजा-पाठ और पुण्य कार्य करने से धन, वैभव और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है. चंद्रमा से संबंधित वस्तुओं जैसे सफेद वस्त्र, चावल, शक्कर, दही, चांदी, सफेद फूल और मोती का दान करने से कुंडली में चंद्रमा मजबूत होता है और जीवन में सकारात्मकता आती है.

खबर संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 672.58 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 जून को समाप्त सप्ताह में 96.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 672.58 अरब डॉलर पर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 9.98 अरब डॉलर घटकर 671.62 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 3.07 अरब डॉलर घटकर 541.217 अरब डॉलर रह गईं।

बजाज ऑटो में साइबर घटना के बाद कामकाज संचालित

नई दिल्ली। बजाज ऑटो लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि 23 जून 2026 को सामने आई साइबर घटना के बावजूद उसकी सभी प्रमुख व्यावसायिक गतिविधियां सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं। बजाज ऑटो ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि जांच जारी रहने के बावजूद वह कारोबार की निरंतरता और ग्राहकों, डीलर, विक्रेताओं तथा अन्य साझेदारों को निरंतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित किए हुए है।

बीईएमएल को पश्चिम एशिया से मिला बड़ा निर्यात ऑर्डर

बेंगलुरु। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीईएमएल लिमिटेड को पश्चिम एशिया से क्रेन जैसे भारी उपकरणों की आपूर्ति के लिए 53.5 लाख अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त निर्यात ऑर्डर मिला है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि यह ऑर्डर अप्रैल 2026 में घोषित 3.63 करोड़ अमेरिकी डॉलर के उसके पिछले निर्यात अनुबंध का विस्तार है। बीईएमएल के अनुसार, बड़े पैमाने पर खनन कार्यों के लिए विकसित उसके भारी भू-उत्खनन (अर्थमूविंग) उपकरणों को अब बुनियादी ढांचा विकास और रणनीतिक निर्माण परियोजनाओं की बदलती जरूरतों के अनुरूप तैयार किया गया है।

टीएमपीवी, टीपीईएम ने यूको बैंक से मिलाया हाथ

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवी) और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (टीपीईएम) ने अपने अधिकृत डीलर को 'इन्वेंटरी' वित्त पोषण समाधान उपलब्ध कराने हेतु यूको बैंक के साथ साझेदारी की शुक्रवार को घोषणा की। 'इन्वेंटरी' वित्त एक अल्पकालिक ऋण सुविधा है। इसमें व्यवसायी अपने खरीदे हुए या बेचे जाने वाले माल (स्टॉक) को गिरवी रखकर कार्यशील पूंजी के लिए बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान से ऋण लेते हैं।

एनटीपीसी ने मॉरीशस में किया कंपनी का गठन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने मॉरीशस में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी 'एनटीपीसी (मॉरीशस) एनर्जी लिमिटेड' का गठन किया है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एनटीपीसी (मॉरीशस) एनर्जी लिमिटेड प्रस्तावित फ्लोटिंग सौर फोटोवोल्टिक (एफएसपीवी) परियोजना को बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) के साथ विकसित करेगी।

फॉक्सवैगन में बड़ी छंटनी की तैयारी, 1 लाख नौकरियां खत्म करने की योजना

नई दिल्ली

ऑडी और पोर्श जैसी लग्जरी कार बनाने वाली यूरोप की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी अब ग्लोबल स्तर पर लोगों को नौकरी से निकालने की तैयारी कर रही है। फॉक्सवैगन एजी को लग्जरी और स्पोर्ट्स कार बनाने के बारे में जाना जाता है। लैम्बोर्गिनी, स्कोडा और डुकाटी को भी इसी कंपनी ने बनाया है। यह कंपनी करीब 1 लाख लोगों को नौकरी से निकालने पर विचार कर रही है और कई कारखानों को भी बंद किया जा सकता है। मैनेजर मैगजिन की रिपोर्ट में कहा गया है कि यूरोप की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी ज्यादा कम्प्टेटिव बनाने के लिए एक्स्ट्रा जॉब्स में कटौती की योजना बना रही है। छंटनी का ये प्लान कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओलिवर ब्लूम के प्रयासों का हिस्सा है।

657,000 लोग करते हैं काम

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस सप्ताह की शुरुआत में मैनेजिंग बोर्ड की बैठक के दौरान सीईओ ने एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसके तहत कर्मचारियों की संख्या में दोगुनी कटौती करके 100,000 तक की छंटनी शामिल है। पोर्श और ऑडी की मालिक कंपनी फॉक्सवैगन ग्रुप में मौजूदा समय में लगभग 657,000 लोग काम करते हैं। सीईओ के इस नए प्रस्ताव को अगले महीने बोर्ड के सामने रखा जाएगा। ऐसे में फैसला अब सिर्फ बोर्ड के ऊपर है कि वह कितने लोगों की छंटनी पर मोहर लगाता है या फिर कोई अन्य रास्ता तलाश लेता है।

यूरोप की सबसे बड़ी कंपनी अपने चार प्लांट भी बंद करेगी

खर्चों में 11 अरब यूरो की कटौती करना है

रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी रणनीति में इस दशक के अंत तक सामान्य खर्चों में 11 अरब यूरो (12.5 अरब डॉलर) की कटौती करना है, जिस कारण इतने बड़े स्तर पर छंटनी की तैयारी चल रही है। वहीं मिड टर्म में जर्मनी में चार कारखाने बंद करना भी शामिल है। इनमें नेकरसुलम में ऑडी का एक कारखाना और हनोवर, ज़्विकाऊ और एम्डेन में वीडब्ल्यू के प्लांट शामिल हैं।

कंपनी पर आया संकट

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फॉक्सवैगन समूह को और अधिक सुव्यवस्थित बनाने के लिए कंपोनेंट प्लांटों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से वीडब्ल्यू ब्रांड को अलग करने पर भी विचार कर रहे हैं। यह ब्रांड लंबे समय से कम मुनाफे से जूझ रहा है। कंपनी पर यह संकट तब आया है जब कंपनी अमेरिकी टैरिफ, चीन में लगातार कमजोर सेल और यूरोप में बीवाईडी और स्टेलेंटिस एनवी समेत कई कम्प्टेटिव प्लेयर आ गए हैं। जिस कारण कंपनी फाइनेंशियल दिक्कतों से जूझ रही है।

आसान नहीं होगी छंटनी की राह

श्रमिक नेताओं ने नई योजनाओं का तुरंत विरोध किया है। कंपनी की श्रमिक परिषद और आईजी मेटल यूनियन के संयुक्त बयान के अनुसार, ये योजनाएं कर्मचारियों और उन क्षेत्रों में अशांति पैदा करती हैं जहां हम काम करते हैं। अगर ऐसी योजनाओं को आगे बढ़ाया जाता है, तो हम उनका पूरी ताकत से विरोध करेंगे। खैर रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फॉक्सवैगन में छंटनी करना मुश्किल है। कार निर्माता कंपनी के बोर्ड में आधी सीटें श्रमिक प्रतिनिधियों के पास हैं और जर्मनी के लोअर सैक्सोनी राज्य (जो आमतौर पर श्रमिक संघों का पक्ष लेता है) के पास दो और सीटें हैं।

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने जारी रिपोर्ट में कहा

युद्धविराम कायम रहने से भारतीय कंपनियों पर पश्चिम एशिया संघर्ष का असर होगा आधा

नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम कायम रहने और ऊर्जा आपूर्ति सामान्य बनी रहने से पश्चिम एशिया संघर्ष का भारतीय कंपनियों के लाभ पर पड़ने वाला असर शुरुआती आशंका की तुलना में लगभग आधा रह जाएगा। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने यह जानकारी दी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि यह संघर्ष वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय कंपनियों के परिचालन मुनाफे में लगभग एक प्रतिशत की कमी लाएगा। पहले लंबे समय तक संघर्ष जारी रहने और होर्मुज जलडमरूमध्य से आवाजाही बाधित होने की स्थिति में दो प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया गया था।

वित्त वर्ष 2026-27 में कंपनियों के मुनाफे में एक फीसदी की कमी आएगी

होर्मुज दोबारा खुलने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट आई

भू-राजनीतिक जोखिम अब भी बने हुए

संशोधित अनुमान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका-ईरान के बीच हुए नाजुक समझौते के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य दोबारा खुलने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट आई है। हालांकि, क्रिसिल ने आगाह किया कि भू-राजनीतिक जोखिम अब भी बने हुए हैं और गैस आपूर्ति को पूरी तरह सामान्य होने में अधिक समय लग सकता है।

पहले छमाही की भरपाई दूसरी छमाही में

क्रिसिल रेटिंग्स के प्रबंध निदेशक सुबोध राय ने कहा, '' यदि युद्धविराम कायम रहता है, तो हमारे आकलन वाले 34 क्षेत्रों में से दो-तिहाई का न्यूनतम असर पड़ेगा। पहली छमाही के दबाव की भरपाई दूसरी छमाही में मुनाफे में सुधार से काफी हद तक हो जाएगी। हालांकि, संघर्ष बढ़ने का जोखिम बना हुआ है। इसलिए हमारा मानना है कि भारतीय कंपनियां सतर्क रहेंगी और आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने पर ध्यान देती रहेंगी।''

क्रिसिल ने 34 क्षेत्रों का किया आकलन

क्रिसिल के 34 क्षेत्रों पर आधारित इस आकलन में यह पाया गया कि चालू वित्त वर्ष में ब्रेंट कच्चे तेल का औसत भाव 80-85 डॉलर प्रति बैरल रहेगा और गैस आपूर्ति में व्यवधान करीब चार महीने तक बना रहेगा। संशोधित परिदृश्य में अब केवल 10 क्षेत्रों की लाभप्रदता में उल्लेखनीय गिरावट आने की आशंका है, जबकि एजेंसी के पहले के तनावपूर्ण परिदृश्य में 22 क्षेत्रों पर असर का अनुमान था।

गैस की उपलब्धता में धीरे-धीरे सुधार

एजेंसी ने कहा कि कच्चे तेल की कम कीमतें और गैस की उपलब्धता में धीरे-धीरे सुधार से अधिकतर उद्योगों को राहत मिलेगी। वहीं, सरकार का बुनियादी ढांचा खर्च और घरेलू मांग में स्थिरता राजस्व वृद्धि को समर्थन देते रहेंगे। तेल विपणन कंपनियां और उर्वरक विनिर्माता ऊर्जा कीमतों में नरमी के सबसे बड़े लाभार्थियों में शामिल हो सकते हैं।

45,000 करोड़ की शुद्ध कम वसूली

क्रिसिल का अनुमान है कि मार्च और मई के बीच सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं को 40,000-45,000 करोड़ रुपये की शुद्ध कम वसूली का सामना करना पड़ा। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ चालू वित्त वर्ष में उनके फिर से परिचालन लाभ में लौटने की उम्मीद है। बेहतर परिदृश्य के बावजूद, क्रिसिल ने दो प्रमुख जोखिमों की ओर इशारा किया है।

नासकॉम के एक रिपोर्ट में अनुमान की दी जानकारी

एआई सेवाओं से भारतीय आईटी कंपनियां 12 अरब डॉलर कमाएगी

नई दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी सेवा उद्योग को कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सेवाओं से 10-12 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व अर्जित करने का अनुमान है और करीब एक-चौथाई कंपनियां एआई के प्रयोगों को सफलतापूर्वक उत्पादन स्तर पर लागू कर चुकी हैं।

- एक चौथाई कंपनियां एआई का सफलता पूर्वक उत्पादन कर रही

उद्योग संगठन नैसकॉम ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। न्यूयॉर्क में आयोजित 'नासकॉम यूएस सीईओ फोरम' में उद्योग जगत के दिग्गजों ने उन चिंताओं को खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि एआई के आने से पारंपरिक सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाओं का महत्व कम हो जाएगा। नेसकाम ने कहा कि एआई के इस दौर में भी वैश्विक कंपनियों के बदलाव में आईटी क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण बनी रहेगी। नासकॉम के अनुसार, एआई से उत्पादकता बढ़ेगी और मानकीकृत तथा दोहराए जाने वाले कार्यों का दायरा घटेगा। हालांकि, इसके साथ ही एआई के उपयोग के लिए आंकड़ों को तैयार और व्यवस्थित करने, अनुप्रयोगों के आधुनिकीकरण, विभिन्न प्रौद्योगिकियों के एकीकरण, एआई प्रशासन, साइबर सुरक्षा, एजेंट प्रबंधन तथा उद्योग-विशिष्ट समाधानों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

बयान के मुताबिक, लगभग 25 प्रतिशत प्रौद्योगिकी सेवा कंपनियों ने एआई प्रयोगों को उत्पादन स्तर पर लागू कर दिया है।

वर्ष 2030 तक एजेंटिक एआई सेवा

नासकॉम के अनुसार, वर्ष 2030 तक 'एजेंटिक एआई' प्रौद्योगिकी सेवा उद्योग के लिए 300 से 400 अरब डॉलर के अतिरिक्त संभावित व्यय अवसर उपलब्ध करा सकता है। इसमें पुरानी प्रणालियों के आधुनिकीकरण, एआई परिचालन, साइबर सुरक्षा और प्रशासन जैसे क्षेत्र शामिल होंगे।

निवेश जनवरी-जून में घटकर 1.13 अरब डॉलरः नाइट फ्रैंक

रियल एस्टेट में निजी इक्विटी निवेश में 23 प्रतिशत गिरावट

नई दिल्ली

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश के रियल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी (पीई) निवेश जनवरी-जून अवधि के दौरान 23 प्रतिशत घटकर 1.13 अरब डॉलर रह गया। नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। पिछले वर्ष की समान अवधि में निजी इक्विटी (पीई) निवेश 1.47 अरब डॉलर था।

रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया के अनुसार, इस वर्ष की पहली छमाही में कुल पीई निवेश में कार्यालय परिसंपत्तियों की हिस्सेदारी 89 प्रतिशत रही जबकि शेष निवेश आवासीय क्षेत्र में हुआ। नाइट फ्रैंक इंडिया के अंतरराष्ट्रीय साझेदार, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, '' 2026 की पहली छमाही में निजी इक्विटी निवेश में आई नरमी की मुख्य वजह वैश्विक पूंजीगत माहौल में बदलाव है, न कि भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र की बुनियादी मजबूती में कमजोरी।''

बैजल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर उधारी लागत में तेज वृद्धि हुई है, जिससे उभरते बाजारों में निवेश से मिलने वाले प्रतिफल का लाभ कम हुआ है। बैजल ने कहा, '' इससे अब पूंजी निवेश के फैसले मुख्य रूप से परियोजनाओं के समय पर पूरा होने, कराधान, नकदी और वास्तविक प्रतिफल जैसे कारकों से प्रभावित हो रहे हैं।''

आंकड़ों के अनुसार, कार्यालय

गोदाम और रिटेल में कोई बड़ा सौदा नहीं हुआ

रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में गोदाम और रिटेल क्षेत्र में कोई बड़ा निजी इक्विटी निवेश सौदा नहीं हुआ। सलाहकार कंपनी ने हालांकि कहा कि इन क्षेत्रों में बड़े सौदों का न होना, उनकी निवेश आकर्षण क्षमता में कमी का संकेत नहीं है।

मुहर्रम के कारण भारतीय शेयर बाजार रहा बंद

मुंबई। भारतीय शेयर, मुद्रा और जिंस बाजार मुहर्रम के कारण शुक्रवार को बंद रहा। बंद के कारण व्यापारिक गतिविधियां देखने नहीं मिली। शनिवार और रविवार को शेयर बाजार बंद रहेगा। रोज की तरह शेयर बाजार में सोमवार को कामकाज होगा।

लाभ बढ़ाने के लिए खुदरा, कृषि ऋण और जमा पर ध्यान देगा पीएनबी

नई दिल्ली

पंजाब नेशनल बैंक खुदरा, कृषि और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) ऋण के साथ-साथ चालू खाता एवं बचत खाता (कासा) जमा बढ़ाने पर अपना ध्यान देता रहेगा। बैंक का मानना है कि इन रणनीतिक क्षेत्रों पर ध्यान देने से कारोबार वृद्धि और लाभप्रदता को और मजबूती मिलेगी।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्र ने हाल में जारी बैंक की

वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों के नाम संदेश में कहा कि मजबूत बही-खाता और पर्याप्त पूंजी के दम पर बैंकिंग क्षेत्र ऋण विस्तार को गति देने तथा बाजार की बदलती वित्तीय जरूरतों को सहजता से पूरा करने की स्थिति में है। सीईओ ने कहा, '' बैंक खुदरा, कृषि और एमएसएमई (आरएएम) ऋण, कासा जमा, डिजिटलीकरण, ग्राहक सेवा और मानव संसाधन जैसे रणनीतिक क्षेत्रों पर भी लगातार ध्यान केंद्रित करेगा।'' बैंक का खुदरा, कृषि और एमएसएमई ऋण 31 मार्च, 2026 तक 12 प्रतिशत बढ़कर 6.76 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 6.03 लाख करोड़ रुपये था। मार्च, 2026 के अंत तक बैंक के घरेलू ऋण में आरएएम खंड की हिस्सेदारी 56.6 प्रतिशत रही। कम लागत वाली जमा के मोर्चे पर 31 मार्च, 2026 तक पीएनबी की घरेलू कासा हिस्सेदारी 37 प्रतिशत रही।

बचत खातों में जमा राशि 5.30 लाख करोड़ रुपए

बैंक के चालू खाते में जमा राशि 79,294 करोड़ रुपये, जबकि बचत खाते में जमा राशि 5.30 लाख करोड़ रुपये रही। चंद्र ने कहा, '' बैंक अपने नेटवर्क का विस्तार जारी रखेगा। ग्राहकों को अधिक सुविधा उपलब्ध कराना हमारा प्रयास रहेगा। बैंकिंग क्षेत्र की अग्रणी संस्था होने के नाते बैंक वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में भारत की यात्रा में योगदान देगा।'' देश के दूसरे सबसे बड़े बैंक की 10,324 शाखाएं हैं।

भारत में 90 अरब डॉलर से अधिक निवेश की घोषणा

नई दिल्ली। भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक व्यवधानों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद वैश्विक कंपनियों तथा संस्थागत निवेशकों ने हाल के महीनों में भारत में 90 अरब डॉलर से अधिक के नए निवेश की घोषणा की है। यह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं और निवेश गंतव्य के रूप में उसकी बढ़ती वैश्विक साख को दर्शाता है। सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित निवेश कृत्रिम मेधा (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, डिजिटल अवसंरचना, विनिर्माण और औद्योगिक प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। इससे वैश्विक कंपनियों के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने तथा उच्च वृद्धि वाले

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच नए निवेश की घोषणा

बाजारों में विस्तार के बीच अहम निवेश गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत होगी। अमेजन ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एंडी जेसी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात के बाद वह वर्ष 2030 तक भारत में अपने कुल निवेश की प्रतिबद्धता बढ़ाकर 48 अरब डॉलर करेगा। यह निवेश क्लाउड अवसंरचना, एआई और डिजिटल सेवाओं के विस्तार में किया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया की डेटा सेंटर कंपनी एयरट्रंक ने वर्ष 2030 तक भारत में पांच गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता विकसित करने के लिए 30 अरब डॉलर निवेश करने की योजना की घोषणा की। यह देश में अब तक के सबसे बड़े डिजिटल अवसंरचना निवेशों में से एक है।

वैश्विक ऊर्जा बाजार धीरे-धीरे सामान्य होने लगे

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.8 फीसदी रहने का अनुमानः ईवाई

नई दिल्ली

वैश्विक ऊर्जा बाजारों में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति बहाल होने और घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद के साथ चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 से 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वित्तीय सेवा कंपनी ईवाई की रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है।

'ईवाई इकॉनमी वॉच' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए यदि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें अपेक्षाकृत निचले स्तर पर स्थिर रहती हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही सामान्य हो जाती है, तो भारत की आर्थिक वृद्धि की सकारात्मक गति फिर से मजबूत हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.6 से 6.8 प्रतिशत, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत, बाजार मूल्य पर जीडीपी वृद्धि 12.5

प्रतिशत, केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 प्रतिशत तथा चालू खाते का घाटा जीडीपी का 1.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

ईवाई ने कहा कि बाहरी अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत घरेलू आर्थिक बुनियाद और निजी क्षेत्र की निरंतर सक्रियता के कारण उल्लेखनीय मजबूती दिखा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक ऊर्जा बाजारों में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति बनने से आपूर्ति संबंधी दबाव कम होंगे, लागत की स्थिति बेहतर होगी और वित्त वर्ष 2026-27 में आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलेगा।

रिपोर्ट में कहा गया कि जिंसों की कीमतों में नरमी और आपूर्ति की स्थिति में सुधार के कारण मुद्रास्फीति लगभग 4.5 प्रतिशत के स्तर पर नियंत्रित रहने की संभावना है।

पीएमआई आदि की मजबूती का संकेत

रिपोर्ट में कहा गया कि महत्वपूर्ण आंकड़ें (जीएसटी संग्रह, बिजली खपत, पीएमआई आदि) अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत दे रहे हैं। विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं, ऋण वृद्धि स्थिर है, औद्योगिक उत्पादन में सुधार हो रहा है तथा वाहन क्षेत्र की मांग भी मजबूत बनी हुई है।

एम5 सीरिज चिप वाले मैकबुक प्रो की कीमत बढ़ी 20 फीसदी तक

एप्पल ने मैकबुक और आइपैड की कीमतें 20-42% तक बढ़ाई

नई दिल्ली

प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल ने मेमोरी चिप की बढ़ती लागत के कारण भारत सहित वैश्विक स्तर पर मैकबुक और आईपैड के सभी मॉडल की कीमतों में 20 से 42 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। एप्पल इंडिया की वेबसाइट पर जारी नई मूल्य सूची के अनुसार, कंपनी ने एम5 सीरीज चिप वाले मैकबुक प्रो की कीमत में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि की है। एम5 प्रो चिप वाले 14 इंच के मैकबुक प्रो की कीमत 2,49,900 रुपये से बढ़ाकर 2,99,900 रुपये प्रति इकाई कर दी गई है।

मेमोरी चिप की बढ़ती लागत के कारण यह वृद्धि की गई

बाजार की लागत संरचना में बदलाव

वैश्विक प्रौद्योगिकी बाजार अनुसंधान कंपनी काउंटरपॉइंट रिसर्च के सह-संस्थापक एवं अनुसंधान उपाध्यक्ष नील शाह ने कहा कि मैकबुक नियो, मैकबुक एयर, मैकबुक प्रो, आईपैड एयर और आईपैड प्रो वाई-फाई की कीमतों में एप्पल की बढ़ोतरी उपभोक्ता और एंटरप्राइज पीसी तथा टैबलेट बाजार की लागत संरचना में आए सबसे बड़े बदलाव को दर्शाती है।

आईपैड एयर का बेसिक मॉडल बढ़कर 1,19,900 रुपए

वहीं 13 इंच के आईपैड एयर के बेसिक मॉडल की कीमत में भी भारी बढ़ोतरी की गई है। इसकी कीमत 84,900 रुपये से 41.22 प्रतिशत बढ़ाकर 1,19,900 रुपये प्रति इकाई कर दी गई है।

मेमोरी से लेकर प्रोसेसर तक चिप की कीमतें प्रभावित : इस पर मेमोरी से लेकर प्रोसेसर तक सेमीकंडक्टर चिप की बढ़ती कीमतों का प्रभाव पड़ा है। एप्पल ने बयान में कहा कि उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहा है।

एआई डेटा सेंटर विस्तार के कारण मांग में वृद्धि

कंपनी ने कहा, '' एआई डेटा सेंटर के तेजी से विस्तार के कारण मेमोरी और स्टोरेज की मांग में असाधारण वृद्धि हुई है। हमने पहले कभी किसी घटक की कीमतों में इतनी अधिक और इतनी तेज बढ़ोतरी नहीं देखी।''

अब तक बोझ ग्राहकों पर नहीं डाला था

बयान के अनुसार, '' अब तक हमने इन बढ़ी हुई लागतों का बोझ अपने ग्राहकों पर नहीं डाला था, लेकिन अब हम ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं, जहां हमें कई उत्पादों की कीमतें बढ़ानी पड़ रही हैं। इनमें आज आईपैड और मैकबुक की कीमतों में की गई बढ़ोतरी भी शामिल है। हमें पता है कि यह ग्राहकों के लिए अच्छी खबर नहीं है और हम इसका समाधान खोजने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।''

मिस्र ने पहली बार बनाई राउंड ऑफ 32 में जगह

सिएटल। मिस्र ने महमूद साबेर के शुरू में किए गए गोल के बावजूद कुछ विषम पलों से गुजरते हुए ईरान के खिलाफ बेहद महत्वपूर्ण मैच को 1-1 से ड्रॉ खेला और पहली बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में जगह बनाई। ईरान ने गोल करने के अधिक मौके बनाए। इनमें संभावित विजयी गोल भी शामिल था, जिसे ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिया गया। उसे अब अपने भाग्य का पता लगाने के लिए एक दिन इंतजार करना होगा जब टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ आठ टीम का निर्धारण होगा।

मिस्र ने पांचवें मिनट में साबेर के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। मोहम्मद सालाह ने बॉक्स के अंदर शानदार खेल दिखाया, जिसके बाद साबेर ने ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद के पैरों के बीच से शॉट मारकर गोल कर दिया। ईरान ने नौ मिनट बाद रामिन रेज़ेयान के गोल से मैच को बराबरी पर ला दिया। उसने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में विजयी गोल कर दिया था जब शोजा खलीलजादेह ने गोल में शॉट लगाया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद उसे ऑफसाइड करार दिया गया। अगर यह गोल मान्य होता तो ईरान नॉकआउट राउंड में अपनी जगह पक्की कर लेता।

डेम्बेले ने रचा इतिहास, फ्रांस की नार्वे पर 4-1 से धमाकेदार जीत

32 साल बाद पहले हाफ में हैट्रिक

फॉक्सबोरो

स्ट्राइकर उस्मान डेम्बेले ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई, जिससे फ्रांस ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप आई में नॉर्वे को 4-1 से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा। डेम्बेले ने सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल किए। उनके एक गोल में काइलियन एमबाप्पे ने मदद की।

विश्व कप में पिछले 32 वर्षों में यह पहला अवसर था जबकि किसी खिलाड़ी ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई। इससे पहले 1994 में अमेरिका में खेले गए विश्व कप में रूस के फॉरवर्ड ओलेग सालेन्को ने कैमरून के खिलाफ अपने पांच में से तीन गोल शुरुआती 45 मिनट में किए थे। डेम्बेले इस तरह से लियोनेल मेस्सी और अपने साथी एमबाप्पे के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में शामिल हो गए हैं।

फ्रांस की टीम ने बनाए रखा दबदबा

डेम्बेले ने कहा, 'यह एक अनूठा क्षण है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमने ग्रुप चरण में पहल स्थान पर रहकर अगले दौर में प्रवेश किया। अब हमारा ध्यान अगले मैच पर है, जो सबसे महत्वपूर्ण है।' फ्रांस और नॉर्वे पहले ही नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर चुके थे और इस मैच से ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला होना था। फ्रांस की टीम ने दबदबा बनाए रखा। उसकी तरफ से चौथा गोल दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में डेसिरे डोउ ने किया। नॉर्वे के लिए एकमात्र गोल थैलो आसगार्ड ने 21वें मिनट में किया। फ्रांस ने तीन मैचों में 10 गोल किए हैं। डेम्बेले ने कहा, 'हम अपने सभी मैच जीतना चाहते हैं, लेकिन हम अपना ध्यान केंद्रित रखेंगे।'

बेल्जियम की न्यूजीलैंड पर बड़ी जीत, ग्रुप जी में शीर्ष पर

वैंकूवर। लिएंड्रो ट्रोसार्ड (28वें और 50वें मिनट) के दो गोल की बदौलत बेल्जियम ने विश्व कप फुटबॉल में धीमी शुरुआत के बावजूद न्यूजीलैंड पर 5-1 से जीत हासिल कर नॉकआउट दौर में प्रवेश किया। इस जीत से बेल्जियम ने पांच अंकों के साथ ग्रुप जी में शीर्ष स्थान हासिल किया और वह अगले दौर में बुधवार को सिएटल में तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ आठ टीमों में से किसी एक टीम का सामना करेगा। ग्रुप जी में मिस्र ने भी पांच अंक हासिल किए लेकिन वह बेल्जियम से गोल अंतर में पीछे रहने के कारण दूसरे स्थान पर रहा।

केविन डी ब्रुइन (66वें), रोमेलु लुकाकू (86वें) और एलेक्सिस सैलेमेकर्स (इंजरी टाइम के चौथे मिनट) ने भी बेल्जियम के लिए गोल किए। इससे उसने बड़ी जीत सुनिश्चित करके ग्रुप में पहला स्थान भी हासिल कर लिया। बेल्जियम चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में ग्रुप चरण से ही बाहर हो गए था, जबकि उसने रूस में विश्व कप 2018 में तीसरा स्थान हासिल किया था। न्यूज़ीलैंड के लिए एलिजा जस्ट ने 84वें मिनट में गोल किया। उसे नॉक आउट चरण में जगह बनाने के लिए इस मैच में जीत की दरकार थी लेकिन अब उसे वापस घर लौटना होगा।

खबर संक्षेप

'प्रसिद्धि और चकाचौंध' से दूर सूर्यवंशी : संगाकारा

मुंबई। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगाकारा ने 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि वह 'प्रसिद्धि और चकाचौंध' से प्रभावित होने वाले खिलाड़ी नहीं हैं और दबाव में भी बेहद सहज रहते हैं। श्रीलंका के इस पूर्व दिग्गज कहा कि यह आक्रामक किशोर बल्लेबाज भारत के साथ-साथ विश्व क्रिकेट में भी बड़ा नाम बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी के करियर को समझदारी से आगे बढ़ाने और परिवार और टीम के मजबूत सहयोग की जरूरत होगी। संगाकारा ने कहा, उन्हें आने वाले समय में क्रिकेट और व्यावसायिक स्तर पर कई अवसर मिलेंगे। इन सबके बीच संतुलन बनाना और उसे मिलने वाला समर्थन बेहद महत्वपूर्ण होगा। लेकिन एक बात तय है कि उसे बल्लेबाजी करना पसंद है।

श्रीलंका की स्कॉटलैंड पर रोमांचक जीत

मैनचेस्टर। श्रीलंका ने अंतिम ओवर तक चले रोमांचक मैच में स्कॉटलैंड को 3 विकेट से हराकर महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट की सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को कायम रखा। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान सराह ब्रायस के नाबाद 47 और सलामी बल्लेबाज डार्सी कार्टर के 34 रन की मदद से छह विकेट पर 151 रन बनाए। श्रीलंका ने 19.5 ओवर में 7 विकेट पर 154 रन बनाकर जीत हासिल की। उसकी तरफ से कप्तान चमारी अटापट्टू ने सर्वाधिक 33 रन का योगदान दिया। श्रीलंका को आखिरी ओवर में सात रन की जरूरत थी।

963 दिन बाद वापसी फीकी, जीत के साथ दौरा खत्म करना चाहेंगे अय्यर

बेलफास्ट

आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में चौकाने वाली हार का सामना करने के बाद भारत की स्टार खिलाड़ियों से सजे शीर्ष बल्लेबाज़ी क्रम पर रविवार को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा। श्रेयस अय्यर की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 963 दिनों बाद वापसी और राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। वह बुधवार से चेस्टर-ले-स्ट्रीट में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला शुरू होने से पहले आयरलैंड दौरे का समापन जीत के साथ करना चाहेंगे।

आयरलैंड के खिलाफ मुकाबला आज शाम 6 बजे से

बिखरी टीम इंडिया की बल्लेबाजी

भारतीय टीम की सबसे बड़ी समस्या बल्लेबाजी का बिखर जाना रही। तीन महीने पहले विश्व कप में नायक रहे संजू सैमसन सिर्फ चार गेंद खेलकर आउट हो गए। ईशान किशन और अय्यर भी बल्ले से कोई खास योगदान नहीं दे सके। अभिषेक शर्मा ने आक्रामक खेल जारी रखा और अच्छी शुरुआत दी, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिला। पावरप्ले के बाद उनका आउट होना भारत की पारी के लिए बड़ा झटका साबित हुआ।

राणा ने किया अच्छा प्रदर्शन

गेंदबाजी में कुछ सकारात्मक बातें भी रहीं। हर्षित राणा ने चोट से वापसी करते हुए 24 रन देकर 3 विकेट के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने भी अंतिम ओवरों में बेहतर गेंदबाजी की। टीम को सबसे अधिक नुकसान वॉशिंगटन सुंदर के एक ओवर में 19 रन और प्रसिद्ध कृष्णा के चार ओवरों में 57 रन लुटाने से हुआ। कृष्णा ने पारी के 17वें ओवर में 27 रन दिए।

आयरलैंड का मनोबल ऊंचा

आयरलैंड की ओर से कप्तान लोर्कान टकर ने 50 रन और गैरेथ डेलानी ने 49 रन की अहम पारियां खेलीं, जिससे टीम ने बड़ा स्कोर खड़ा किया। श्रृंखला के शुरुआती मैच में इतिहास रचने के बाद आयरलैंड का मनोबल ऊंचा है, जबकि भारतीय टीम श्रृंखला गंवाने की शर्मनाक स्थिति से बचने के साथ-साथ इंग्लैंड दौरे के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत करना चाहेगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया का हाई-वोल्टेज मुकाबला आज

महिला टी20 वर्ल्ड कप मैच शाम 7 बजे से

लंदन

महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम 28 जून (रविवार) को लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। कप्तान हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में खेल रही भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में यह मैच जीतना होगा।

टीम इंडिया ने इस वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज में अभी तक चार मैच खेले हैं, जिसमें से उन्हें 3 में जीत मिली है। वहीं एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस हाई-वोल्टेज मैच को लेकर दोनों देशों के फैंस के बीच भारी उत्साह है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड

भारत और ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के बीच टी20 इंटरनेशनल में अभी तक 38 मैच खेले गए हैं, जिसमें से टीम इंडिया को सिर्फ 9 में जीत मिली है। वहीं ऑस्ट्रेलिया 27 मुकाबले जीतने में कामयाब रही है। दोनों टीमों के बीच एक मैच टाई रहा है और एक मैच का रिजल्ट नहीं आया। ये आंकड़े बताते हैं कि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हमेशा से भारतीय महिला टीम पर अपना दबदबा बनाए रखा है। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए अपने खेल के हर डिपार्टमेंट बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

एशियाई खेलों में मैदान पर उतरेंगे नीरज

भुवनेश्वर

भारतीय भाला फेंक के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में अपने खिताब का बचाव करने के लिए मैदान पर उतरेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की चयन समिति के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला ने इसकी पुष्टि की। चोपड़ा सितंबर 2025 में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप से पहले पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट से उबर गए हैं। उन्होंने हाल में दोहा डायमंड लीग से अपने सत्र की शुरुआत की, जहां उन्होंने 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 28 वर्षीय चोपड़ा ने राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने की पुष्टि तो कर दी थी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया था कि वह 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे या नहीं। सुमारीवाला ने कहा, 'वह (चोपड़ा) राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों दोनों में भाग लेंगे। उन्होंने क्वालीफाई कर लिया है और वह अभी चोट से पूरी तरह उबरने की प्रक्रिया में है।

एफआईएच प्रो लीग

भारत ने की पाकिस्तान पर गोल की वर्षा

पाकिस्तान को दी 7-1 से करारी शिकस्त

लंदन

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण के दूसरे मैच में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-1 से करारी शिकस्त दी। भारत ने शुरू में गोल खाने के बाद शानदार वापसी की और इसके बाद गोल वर्षा कर दी। उसकी तरफ से सुखजीत सिंह (20वें), हरमनप्रीत सिंह (26वें), हार्दिक सिंह (34वें), जुगराज सिंह (35वें), अभिषेक (41वें), राज कुमार पाल (44वें) और दिलप्रीत सिंह (54वें) ने गोल किए। मिडफील्डर हार्दिक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारतीय खिलाड़ियों ने खेला आक्रामक खेल

भारत ने दूसरे हाफ में अपना दबदबा बरकरार रखा। उसे 34वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर के चलते पेनल्टी मिली, जिसे हार्दिक ने गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर दिया। पाकिस्तान ने लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उसके प्रयासों को नाकाम कर दिया। भारत ने इसके बाद जवाबी हमला किया। दिलप्रीत ने सुखजीत के साथ शानदार तालमेल बिठाते हुए जुगराज को पास दिया, जिन्होंने 35वें मिनट में शानदार गोल दागकर स्कोर 4-1 कर दिया। भारत ने आक्रामक रवैया जारी रखा, जिसका उसे तब फायदा मिला जब सुखजीत ने अभिषेक को पास दिया, जिन्होंने 41वें मिनट में दौड़ते हुए गोल दाग दिया। भारत को तीसरे क्वार्टर के आखिर में लगातार चार पेनल्टी कॉर्नर मिले। इनमें से एक पर राज कुमार पाल ने रिबाउंड पर गोल किया और टीम की बढ़त को 6-1 कर दिया। अंतिम क्वार्टर में भारत ने रक्षापंक्ति में अनुशासन बनाए रखा और साथ ही आक्रमण जारी रखा।

अमेरिकी ओपन: सेमीफाइनल में देविका, रौनक और श्रीकांत

देविका ने किया उलटफेर, तीसरी वरीयता प्राप्त गुंजी को हराया

फुलर्टन

देविका सिहाग ने जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त रिको गुंजी को हराकर बड़ा उलटफेर करके अमेरिकी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि रौनक चौहान ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अंतिम चार में जगह बनाई।

देविका ने महिला एकल क्वार्टरफाइनल में दोनों गेम के अंतिम क्षणों में संयम बनाए रखते हुए गुंजी को 22-20, 21-19 से हराया।

रौनक ने जिल्बरमैन को सिर्फ 38 मिनट में हराया

रौनक चौहान ने इजरायल के मिशा जिल्बरमैन को सिर्फ 38 मिनट में 23-21, 21-11 से पराजित किया। वह पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इसके बाद अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू को 21-9, 12-21, 21-8 से हराकर रविवार को भारत के दो खिलाड़ियों के बीच फाइनल की उम्मीदें बढ़ा दीं।

अब देविका करेंगी क्रिस्टोफरसन का सामना

सेमीफाइनल में चौहान का सामना चीन के ताइपे के आठवीं वरीयता प्राप्त सु ली यांग से होगा, जबकि श्रीकांत जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोतो का सामना करेंगे। देविका सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त लाइन क्रिस्टोफरसन का सामना करेंगी। डेनमार्क की इस खिलाड़ी ने क्वार्टरफाइनल में भारत की तन्वी शर्मा को 21-16, 11-21, 21-11 से हराया। महिला एकल के एक अन्य क्वार्टरफाइनल में रक्षिता श्री कनाडा की राहेल चान से 15-21, 21-16, 21-12 से हार गईं।

उरुग्वे टूर्नामेंट से बाहर, नॉकआउट में स्पेन

स्पेन ने 1-0 से हराया

गुआडालाजारा। स्पेन ने गोलकीपर फर्नांडो मुसलेरा की एक और गलती का फायदा उठाते हुए उरुग्वे को 1-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया और दक्षिण अमेरिका की दिग्गज टीम को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। दो बार की चैंपियन उरुग्वे की टीम ग्रुप एच में एक भी मैच नहीं जीत सकी। यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने सात अंकों के साथ ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया और अगले दौर में उसका सामना गुरुवार को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में ग्रुप जे से दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम (ऑस्ट्रिया या अल्जीरिया) से होगा। स्पेन के लिए एलेक्स बाएना ने 42वें मिनट में गोल दागा, जब मुसलेरा पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाए गए उनके शॉट को रोकने में नाकाम रहे जबकि यह मुश्किल नहीं लग रहा था। 40 वर्षीय मुसलेरा की यह टूर्नामेंट में तीसरी गलती थी, जिसके बाद कोच मार्सेलो बिएल्सा ने उन्हें हाफ टाइम में ही बाहर कर दिया।

सेनेगल ने की इराकी टीम पर गोलों की बारिश

5-0 से दर्ज की जीत

टोरंटो। स्थानापन्न खिलाड़ी पेप गुये के दो गोल की मदद से सेनेगल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे इराक पर 5-0 की शानदार जीत हासिल करके विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इराक के रेबिन सलाका को 13वें मिनट में ही लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया था और इसके बाद उसे 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, जिसका सेनेगल ने पूरा फायदा उठाया। सेनेगल की तरफ से हबीब दियारा ने चौथे मिनट में ही गोल कर दिया था। इससे वह मध्यांतर तक 1-0 से आगे था। उसने दूसरे हाफ में गोल की झड़ी लगा दी। इस्माइल सर्र ने 56वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद पेप गुये ने 59वें और 71वें मिनट में गोल किए। उसकी तरफ से आखरी गोल 82वें मिनट में इलिमन नदिये ने किया। सेनेगल ग्रुप आई में फ्रांस और नॉर्वे से हार गया था लेकिन इराक पर जीत से उसने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

केप वर्दे नॉकआउट में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश

सऊदी अरब से खेला ड्रॉ

ह्यूस्टन। केप वर्दे ने अपना स्वप्निल अभियान जारी रखते हुए सऊदी अरब के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला और इस तरह से विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश बन गया। उसकी यह उपलब्धि 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा के शानदार खेल के दम पर संभव हुई है, जिन्होंने अपने देश की दृढ़ता का प्रतीक बनकर सबको प्रभावित किया है। वोजिन्हा ने कहा, हम भले ही (क्षेत्रफल में) छोटे हैं, लेकिन हमारे दिल बहुत बड़े हैं। हम हार नहीं मानते। हम जुझारू हैं।' केप वर्दे ने ग्रुप एच में अपने तीनों मैच ड्रॉ कराए, जिससे वह स्पेन के बाद दूसरे स्थान पर रहकर आगे बढ़ने में सफल रहा। इस ग्रुप में उरुग्वे और सऊदी अरब दो-दो अंक ही हासिल कर पाए और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित छोटा द्वीपीय राष्ट्र केप वर्दे फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर पहली बार खेल रहा है।

अमेरिका पर ईरान का भीषण जवाबी हमला, कुवैत और बहरीन में 8 सैन्य ठिकाने तबाह

एजेंसी

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी महायुद्ध के बीच अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिए गए कड़े अल्टीमेटम के कुछ ही घंटों के भीतर ईरान की कुलीन सेना 'इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स' ने अमेरिकी सेना के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी और सीधी सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया है। आईआरजीसी ने आधिकारिक बयान जारी कर दावा किया है कि उसने खाड़ी देशों में स्थित अमेरिका के 8 सबसे महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों और आत्मघाती ड्रोन से भीषण हमला कर उन्हें पूरी तरह तबाह कर दिया है। इस अप्रत्याशित हमले के बाद पूरे क्षेत्र में संघर्ष-विराम की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो गई हैं। इस बेहद गोपनीय और बड़े ऑपरेशन को शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे से 3 बजे के बीच अंजाम दिया गया। इस हमले में आईआरजीसी की नेवी और एयरोस्पेस फोर्स ने मिलकर एक साझा रणनीति के तहत काम किया। ईरान के निशाने पर मुख्य रूप से कुवैत में स्थित अमेरिका का रणनीतिक 'अली अल सलेम एयरबेस' और बहरीन के पोर्ट सलमान में मौजूद अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े का मुख्य मुख्यालय शामिल था। ईरान का दावा है कि उसकी मिसाइलों और ड्रोन ने अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम को भेदते हुए सीधे अपने लक्ष्यों पर सटीक प्रहार किया, जिससे वहां तैनात अमेरिकी युद्धक विमानों और संचार प्रणालियों को भारी क्षति पहुंची है।

डोनाल्ड ट्रंप ने चेताया, सीजफायर का उल्लंघन जारी रहा, तो अंजाम ईरान का खात्मा होगा

वाशिंगटन। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के पास 20 लाख बैरल कच्चे तेल से लदे पनामा के टैंकर पर ड्रोन हमला किये जाने के बाद पश्चिम एशिया फिर सुलग उठा है. ड्रोन हमले के बाद अमेरिकी विमानों ने ईरान के मिसाइल सेंटरों, ड्रोन गोदामों के साथ तटीय राडार सिस्टम को बमबारी कर नेस्तनाबूद कर दिया. दूसरे दिन भी अमेरिकी सैन्य विमानों ने ईरान के ठिकानों पर बमबारी की है. ड्रोन हमले से गुस्साये अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकाते हुए कहा कि अगर ईरान ने सीजफायर का उल्लंघन करना जारी रखा, तो उसका पूरा वजूद हम खत्म कर देंगे. ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट पर संदेश जारी ईरान को चेताया है. अमेरिका ने आरोप लगाया है कि ईरान समझौते की शर्त तोड़ा रहा है, जिसके कारण सैन्य कार्रवाई की गयी है. ट्रंप ने लिखा, अमेरिकी विमानों ने सीजफायर तोड़ने की वजह से ईरान के ठिकानों पर दोबारा हमला किया है.

तटीय चौकियों पर अमेरिकी बमबारी का 'जवाब', सीजफायर संधि टूटी

आईआरजीसी के कमांडरों ने इस भीषण हमले को अमेरिका की नई आक्रामकता के खिलाफ एक 'निर्णायक जवाब' बताया है। ईरान का आरोप है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक संदिग्ध व्यापारिक जहाज को रोकने का झूठा बहाना बनाकर ईरान के समुद्री इलाके में स्थित 5 तटीय चौकियों पर भारी बमबारी की थी। ईरान ने साफ किया कि अमेरिका का यह कदम दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए 'इस्लामाबाद संघर्ष-विराम समझौते' की धारा-1 का खुला और गंभीर उल्लंघन था। मिसाइल हमलों के तुरंत बाद आईआरजीसी ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट को लेकर भी एक बड़ा कड़ा रुख अपनाया है।

कराची में आतंकवादी अटैक, छह आतंकवादी सहित चार पाकिस्तानी रेंजर्स मारे गये

एजेंसी

कराची। जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में छह आतंकवादियों को ढेर कर दिया. एक हमलावर को जिंदा पकड़ लिये जाने की खबर है. मुठभेड़ लगभग डेढ़ घंटे तक चली. आतंकी हमले में चार रेंजर्स भी मारे गये हैं. बता दें कि सिंध रेंजर्स का मुख्यालय कराची के घनी आबादी वाले गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में स्थित है. जो जानकारी सामने आयी है उसके अनुसार आतंकियों ने विस्फोटकों से भरा वाहन मुख्य गेट से टकरा दिया. इसके साथ ही हैंड ग्रेनेड फेंकते हुए अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी. हमले के तुरंत बाद मुख्यालय में मौजूद रेंजर्स के

जवानों ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी. हमले की सूचना मिलते ही स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट के कमांडो और एंटी टेररिस्ट फोर्स की टीम ने भी वहां पहुंच कर मोर्चा संभाला. डेढ़ घंटे की भिड़ंत में सुरक्षा बलों ने छह आतंकियों को मार गिराया. एक हमलावर जिंदा पकड़ लिया गया. इस एनकाउंटर में चार रेंजर्स भी मारे गये.

कराची ब्लास्ट: भारत ने पाक के आरोपों को नकारा, कहा- आतंकवाद पर ध्यान दे इस्लामाबाद

भारत ने पाकिस्तान द्वारा कराची में हुए हालिया आतंकवादी हमले के लिए नई दिल्ली को जिम्मेदार ठहराने के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने इन दावों को पूरी तरह बेबुनियाद करार दिया है। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान का अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाने का यह पुराना तरीका है। विदेश मंत्रालय के स्पष्ट बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान को दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय अपने घर में झांकना चाहिए। भारत ने इस्लामाबाद को सलाह दी कि वह अपनी जमीन पर सक्रिय आतंकी ढांचे के खिलाफ विश्वसनीय कार्रवाई करे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रचा नया कीर्तिमान, सेशेल्स संसद बनी 20वीं विदेशी संसद जिसे किया संबोधित

एजेंसी

विक्टोरिया। सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया में वहां की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नया इतिहास रच दिया है। यह दुनिया की 20वीं ऐसी संसद है जिसे पीएम मोदी ने संबोधित किया है। उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत में कहा, इस नेशनल असेंबली को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री के रूप में आपके सामने खड़ा होना मेरे लिए एक बेहद खास सम्मान की बात है। मैं अपने साथ भारत के 140 करोड़ लोगों की तरफ से आपके लिए ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं लेकर आया हूं। पीएम मोदी ने याद दिलाया कि साल 2015 में प्रधानमंत्री बनने के बाद हिंद महासागर क्षेत्र में उन्होंने सबसे पहले सेशेल्स का ही दौरा

किया था, क्योंकि भारत के विजन में सेशेल्स का एक बहुत ही खास स्थान है। एक दशक बाद यहां लौटकर उनका यह विश्वास और भी ज्यादा मजबूत हो गया है। उन्होंने सेशेल्स को उसकी आजादी की 50वीं सालगिरह पर बधाई भी दी।

मोदी ने 1770 के इतिहास का किया जिक्र

पीएम मोदी ने भारत और सेशेल्स के गहरे रिश्तों पर बात करते हुए कहा कि हमारी दोस्ती सिर्फ 50 साल पुरानी नहीं है, जब हमारे डिप्लोमैटिक रिलेशन शुरू हुए थे। यह दोस्ती बहुत पहले, अगस्त 1770 में ही शुरू हो गई थी। जब 'थेलेमाके' जहाज से लोग सेंट ऐन आइलैंड पहुंचे थे, तो उनमें पांच भारतीय भी शामिल थे। उसी यात्रा ने आगे का रास्ता दिखाया और वक्त के साथ भारतीयों की कहानियां मॉडर्न सेशेल्स की कहानी का हिस्सा बन गईं। पीएम मोदी ने कहा, यह इतिहास हमें याद दिलाता है कि हमारे बीच के ये संबंध किसी सरकार ने नहीं बनाए हैं। इन्हें यहां के लोगों ने बनाया है, परिवारों ने पाला-पोसा है और पीढ़ियों ने इसे जिंदा रखा है। हिंद महासागर ने इसे मुमकिन बनाया है। यह समंदर भारत और सेशेल्स को अलग नहीं करता, बल्कि हमें आपस में जोड़ता है। यही वजह है कि हम अजनबियों की तरह नहीं, बल्कि पुराने दोस्तों की तरह मिलते हैं।

आईएनएस नीलगिरि से लेकर आईएनएस तरकश तक...

प्रधानमंत्री ने दोनों देशों की पार्टनरशिप की गहराई को बयां करते हुए एक और दिलचस्प बात साझा की। उन्होंने कहा कि 50 साल पहले जब सेशेल्स आजाद हो रहा था, तब भारत का एक नौसैनिक जहाज 'आईएनएस नीलगिरि' दोस्ती और एकजुटता के प्रतीक के रूप में पोर्ट विक्टोरिया में मौजूद था और आज, जब सेशेल्स अपनी आजादी की गोल्डन जुबली मना रहा है, तो भारत के दो आधुनिक युद्धपोत 'आईएनएस तरकश' और 'आईएनएस इक्षक' पोर्ट विक्टोरिया पर आपके साथ इस जश्न में शामिल हैं। बीते 50 सालों में दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन एक-दूसरे के प्रति हमारा कमिटमेंट आज भी वैसा ही है। मैरीटाइम सिक्योरिटी, कैपेसिटी बिल्डिंग, हाइड्रोग्राफी और मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस में हमारा सहयोग एक सुरक्षित हिंद महासागर के लिए हमारी कमिटमेंट को दिखाता है। हमारा यही विजन हमारे 'महासागर' आइडिया में छिपा है, जो यह मानता है कि हम दोनों का फ्यूचर एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है।

फ्यूचर जनरेशन के लिए मिलकर काम करने का संकल्प

भाषण के आखिरी हिस्से में पीएम मोदी ने भविष्य के रोडमैप पर बात की। उन्होंने कहा कि भारत और सेशेल्स मिलकर फिशरीज, मरीन साइंस, कोस्टल मैनेजमेंट, रिन्यूएबल एनर्जी और सस्टेनेबल टूरिज्म के क्षेत्रों में बेहतरीन पार्टनरशिप बना सकते हैं। उन्होंने सेशेल्स के सांसदों और दुनिया से अपील करते हुए कहा, आइए हम सब मिलकर इस तरह काम करें कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को जो समंदर विरासत में मिले, वे आज की तुलना में कहीं ज्यादा हेल्दी, सेफ और रिसोर्सेज से भरपूर हों।

संक्षिप्त खबर

सऊदी अरब में बड़ा हादसा : अरामको का हेलीकॉप्टर क्रैश, 14 लोगों की मौत

कुवैत। सऊदी अरब से एक बड़ी दुखद खबर सामने आई है। रविवार को सऊदी अरामको कंपनी का एक हेलीकॉप्टर रास तनुरा इलाके में दुर्घटना का शिकार हो गया। राज्य समाचार एजेंसी के अनुसार, इस हादसे में कुल 14 लोगों की जान चली गई है। सऊदी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि जान गंवाने वाले सभी 14 लोग सऊदी नागरिक थे। फिलहाल हेलीकॉप्टर के गिरने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रशासन ने इस मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि हादसे की सटीक वजह क्या थी। जांच आगे बढ़ने पर ही घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। इस हृदयविदारक घटना पर सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मंत्रालय ने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए प्रार्थना की है कि ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति और उनके परिजनों को धैर्य प्रदान करे। आधिकारिक बयान में कहा गया कि हम इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ हैं। हादसा जिस स्थान पर हुआ, वह ऊर्जा क्षेत्र के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। रास तनुरा में पश्चिम एशियाई क्षेत्र की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी स्थित है। यह शहर सऊदी अरामको के प्रमुख परिचालन केंद्रों में से एक है और यहां दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल के निर्यात टर्मिनलों में से एक संचालित होता है।

कांग्रेस को बराबरी का दर्जा मिलना चाहिए, नए उत्तर प्रदेश इंचार्ज ने सहयोगी सपा से कहा

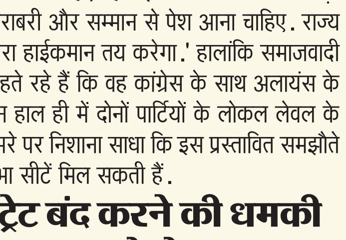

नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश के नए एआईसीसी इंचार्ज राजेंद्र पाल गौतम 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं. साथ ही उन्होंने संभावित सहयोगी समाजवादी पार्टी के खिलाफ पहले ही आक्रामक रुख अपना लिया है. एससी डिपार्टमेंट के पहले हेड रहे गौतम को शुक्रवार को पार्टी के अहम पद के लिए चुना गया और अब उनके पास उत्तर प्रदेश में इस सबसे पुरानी पार्टी की किस्मत बदलने के लिए एक साल से भी कम समय है, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी 2017 से सत्ता में है. उत्तर प्रदेश का इंचार्ज बनाए जाने के एक दिन बाद गौतम ने अपनी संभावित सहयोगी समाजवादी पार्टी को यह कहते हुए आवाज दी कि कांग्रेस एक नेशनल पार्टी है और इसलिए हाईकमान द्वारा तय किए जाने वाले प्रस्तावित गठबंधन में उसे बराबर का दर्जा और सम्मान मिलना चाहिए. हम इंडिया ब्लॉक में सबसे बड़ी पार्टी हैं. इसलिए हमारे साथ बराबरी और सम्मान से पेश आना चाहिए. राज्य में गठबंधन का मुद्दा बेशक हमारा हाईकमान तय करेगा.' हालांकि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव कहते रहे हैं कि वह कांग्रेस के साथ अलायंस के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन हाल ही में दोनों पार्टियों के लोकल लेवल के नेताओं ने इस बात पर एक-दूसरे पर निशाना साधा कि इस प्रस्तावित समझौते में कांग्रेस को कितनी विधानसभा सीटें मिल सकती हैं.

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट बंद करने की धमकी दी, अमेरिका को बताया धोखेबाज

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए रविवार को संकेत दिया है कि अगर तनाव बढ़ता रहा तो होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद किया जा सकता है. ईरानी मीडिया प्रेस टीवी के अनुसार उन्होंने कहा- अमेरिका के साथ हुए समझौते के तहत, होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन की जिम्मेदारी सिर्फ ईरान की है. अराघची ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- होर्मुज स्ट्रेट पर अगर दूसरे देश और पक्ष अपना नियंत्रण लागू करने की कोशिश करते हैं, तो टकराव की स्थिति पैदा होगी. ईरान ने कहा- समझौता ज्ञापन के अनुच्छेद 1 के अनुसार, लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म होना चाहिए. हमें अफसोस है कि इजरायली सरकार लगातार हमले कर रही है. समझौता ज्ञापन के तहत किए गए वादों के मुताबिक, यह अमेरिका की जिम्मेदारी है कि वह इजरायली सरकार के इन हमलों को रुकवाए और यह सुनिश्चित करे कि युद्धविराम पूरी तरह से लागू हो, जिसमें कब्जे वाले इलाकों से पीछे हटना भी शामिल है. ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने चेतावनी दी है कि खाड़ी में जारी जवाबी हमलों के बीच, अगर अमेरिका कोई हमला करता है तो वे उसका और भी कड़ा जवाब देंगे. अमेरिका पर धोखेबाजी का आरोप लगाते हुए आईआरजीसी के प्रवक्ता हुसैन मोहेबी ने सरकारी एसएनएन टीवी से कहा, जैसा कि हमने अनुमान लगाया था, दुश्मन ऐसा है जो अपने वादे तोड़ता है, धोखेबाज है और उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता. बातचीत के किसी भी चरण में, वह कभी भी कोई कदम उठा सकता है.

कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 : कई तीर्थयात्री नेपाल में फंसे, टएअ ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली : विदेश मंत्रालय ने निजी टूर ऑपरेटर के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है. इस बारे में मंत्रालय ने शनिवार को अपने एक बयान में कहा कि यात्रियों को यात्रा पर जाने से पहले यह पता कर लेना चाहिए कि उनका टूर ऑपरेटर पंजीकृत और अधिकृत है. साथ ही मंत्रालय ने परामर्श में कहा, ह्यह्यमंत्रालय को ऐसे कई भारतीय नागरिकों से सहायता के लिए अनुरोध प्राप्त हुए हैं, जो निजी टूर ऑपरेटर के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए थे, लेकिन चीन में प्रवेश के लिए आवश्यक वीजा और परमिट नहीं होने की वजह से नेपाल में फंस गए हैं. शनिवार देर रात जारी यह परामर्श उन भारतीय नागरिकों के लिए है, जो निजी टूर ऑपरेटर के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे हैं. इतना ही नहीं परामर्श में कहा गया है, नागरिकों को सलाह दी जाती है कि जब तक पूरी यात्रा के लिए सभी आवश्यक यात्रा दस्तावेज प्राप्त नहीं हों, तब तक वे भारत से अपनी यात्रा शुरू नहीं करें. विदेश मंत्रालय ने कहा, तीर्थयात्रियों को यह सत्यापित करने की भी सलाह दी जाती है कि उनका टूर ऑपरेटर विधिवत रजिस्टर्ड और अधिकृत है. बता दें कि अप्रैल में, विदेश मंत्रालय ने घोषणा की थी कि वार्षिक कैलाश मानसरोवर यात्रा इस वर्ष जून से अगस्त तक दो मार्गों - उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रा और सिक्किम में नाथू ला के रास्ते होगी. भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों के तहत यह यात्रा पिछले साल करीब पांच साल के अंतराल के बाद फिर से शुरू हुई थी. इससे पूर्व यात्रा को शुरू में 2020 में कोविड महामारी की वजह से और बाद में पूर्वी लद्दाख में एलओसी के पास दोनों देशों के बीच सैन्य गतिरोध की वजह से सस्पेंड कर दिया गया था.

राम भक्तों पर गोली चलाने वाले.... हाथरस में सीएम योगी का अखिलेश यादव पर वार

एजेंसी

हाथरस। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को हाथरस के सलेमपुर इंडस्ट्रियल एरिया पहुंचे। अपने इस दौरे पर सीएम योगी ने हाथरस की जनता को 548 करोड़ रुपये की लागत वाली 143 विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी। उन्होंने वहां लोकल प्रोडक्ट्स के स्टॉल्स का मुआयना किया, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक बांटे और साथ ही छोटे बच्चों को अपने हाथों से खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन भी कराया।

राम भक्तों पर गोली चलाने वाले अब अयोध्या की बात कर रहे हैं

प्रोग्राम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव के एक बयान पर जमकर चुटकी ली। योगी ने कहा, अखिलेश यादव कह रहे हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वे

अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाएंगे। अरे, आप क्या बनाएंगे! अपना इतिहास तो देखिए, राम भक्तों पर गोली आप ही के लोगों और आपकी सरकार ने चलाई थी। उन्होंने आगे कहा कि आज जब पीएम मोदी के नेतृत्व में अयोध्या त्रेता युग जैसी चमक रही है, तो विपक्ष के मुंह में भी पानी आने लगा है।

पैसे के डायवर्जन पर सीएम योगी का बड़ा बयान

सीएम योगी ने सपा सरकार के पुराने दिनों की याद दिलाते हुए कहा कि उनके समय में थानों और जेलों में कृष्ण जन्माष्टमी मनाने पर रोक थी और कांवड़ यात्रा पर भी बैन लगा दिया गया था। उन्होंने कहा, आज हाथरस में 22 से ज्यादा मंदिरों का सुंदरीकरण हुआ है। क्या यह सपा के राज में मुमकिन था? बिल्कुल नहीं, क्योंकि उनके समय में विकास का पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्रीवॉल के लिए जाता था। हमारी सरकार ने वही पैसा मंदिरों की तरफ डायवर्ट किया है, क्योंकि कब्रिस्तान की नहीं, आस्था के केंद्र मंदिरों की जरूरत है। योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव को नसीहत देते हुए कहा कि अयोध्या को राम भक्तों ने पहले ही पूरी तरह सजा और संवार दिया है। अब वे उसकी चिंता छोड़ें, अपने पुराने किए पर पश्चाताप करें और एक बार जाकर रामलला के दर्शन कर लें ताकि उन्हें थोड़ी सद्बुद्धि आए। सीएम ने चैलेंज देते हुए कहा, अगर आप सचमुच खुद को धार्मिक दिखाना चाहते हैं, तो अब मथुरा-वृंदावन और श्री कृष्ण जन्मभूमि पर खुलकर बोलिए।

तृणमूल कांग्रेस का विवाद और गहराया, ममता बनर्जी गुट की डोला सेन ने बागियों के खिलाफ पुलिस में की शिकायत

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में छिड़ा गृहयुद्ध अब कानूनी लड़ाई में तब्दील हो चुका है. बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुट की राज्यसभा सांसद डोला सेन ने बागी गुट के नेताओं के खिलाफ मोर्चा खोला है. डोला सेन ने बागी सांसदों के खिलाफ दिल्ली पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों के पास धोखाधड़ी और प्रतिरूपण की लिखित शिकायत दर्ज करायी है. पूरा विवाद टीएमसी के 20 बागी सांसदों के उस कदम के बाद शुरू हुआ, जब काकोली घोष दस्तीदार की अगुवाई वाले बागी गुट ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर त्रिपुरा की क्षेत्रीय पार्टी एनसीपीआई में तृणमूल कांग्रेस का विलय करने और संसद में भाजपा नीत एनडीए को समर्थन देने का दावा किया. डोला सेन ने अपनी शिकायत

में आरोप लगाया है कि बागी गुट ने इस तथाकथित विलय के लिए फर्जी दस्तावेजों, जाली हस्ताक्षरों और तकनीकी हेरफेर का सहारा लिया है. यह आपराधिक कृत्य है.

ममता बनर्जी के चेहरे पर जीते, अब पीठ में छुरा घोंप रहे : सेन

सांसद डोला सेन ने बागी नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इन सभी सांसदों ने महज डेढ़ महीने पहले ममता बनर्जी के नाम, उनकी तस्वीरों और टीएमसी के आधिकारिक चुनाव चिह्न पर लोकसभा का चुनाव जीता था. जनता ने इन्हें ममता बनर्जी की नीतियों के लिए वोट दिया था, लेकिन संसद पहुंचते ही इन्होंने अपनी मूल पार्टी और नेतृत्व के साथ विश्वासघात किया है. डोला सेन ने कहा कि जालसाजी के सहारे किये गये इस कथित विलय को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता और कानूनन इन सभी की संसद सदस्यता रद्द होनी चाहिए. पुलिस में की गयी इस शिकायत के बाद बंगाल से लेकर दिल्ली सियासी पारा चढ़ गया है. कानून के जानकार कहते हैं कि यदि डोला सेन के जालसाजी और फजीवाड़े के आरोप जांच में सही पाये जाते हैं, तो बागी सांसदों पर आपराधिक मुकदमा चलने के साथ-साथ दलबदल विरोधी कानून के तहत उनकी संसद सदस्यता रद्द हो सकती है.

आंध्र प्रदेश में सोने की खदानें, नीलामी की प्रक्रिया शुरू

एजेंसी

चित्तूर: आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के कुप्पम क्षेत्र में सोने की खदानें चालू होने वाली हैं. कुप्पम के गुडुपल्ले मंडल में मौजूद चिगुरुगुंटा-बिसनाथम ब्लॉक की नीलामी का फैसला किया गया है. बोली प्रक्रिया में हिस्सा लेने की आखिरी तारीख 9 जुलाई है. दो कंपनियों के प्रतिनिधि पहले ही इलाके का दौरा कर चुके हैं; उन्होंने पिछली खनन की स्थितियों और खदानों के बंद होने के कारणों के बारे में जानकारी इकट्ठा की. आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने हाल ही में कहा कि चित्तूर जिले में जल्द ही सोने की खदान का काम शुरू होगा.

1972 में शुरू हुआ खनन कार्य

चिगुरुगुंटा-बिसनाथम सोने की खदानें कर्नाटक के कोलार गोल्ड फील्ड्स से 27 किलोमीटर दूर हैं. केंद्र सरकार की कंपनी भारत गोल्ड माइंस लिमिटेड ने 1972 में यहां खनन का काम शुरू किया था. इन खदानों से निकाले गए अयस्क को प्रोसेसिंग के लिए केजीएफ ले जाया जाता था. समय के साथ, सतह-स्तरीय जमाव खत्म हो गए, और

डीप-लेवल माइनिंग की लागत बहुत ज्यादा हो गई. वित्तीय नुकसान के कारण, केंद्र सरकार ने 2001 में केजीएफ ऑपरेशन के साथ-साथ चिगुरुगुंटा-बिसनाथम खदानों को पूरी तरह से बंद कर दिया. उस समय, इस सुविधा में 156 स्टाफ मेंबर और सैकड़ों वर्कर काम करते थे. 2018 में इन खदानों को फिर से खोलने का फैसला किया गया. उस समय, एक ई-ऑक्शन किया गया, और केंद्र सरकार की कंपनी एनएमडीसी ने बोली जीती.

तीसरी बार नया टेंडर जारी

अगर पर्यावरण मंजूरी, माइनिंग प्लान की मंजूरी और जमीन अधिग्रहण पूरा हो गया होता, तो एनएमडीसी को पूरा लाइसेंस मिल जाता. लेकिन, किसानों ने इसका विरोध किया क्योंकि प्रस्तावित इलाके में ज्यादातर 'पट्टा' जमीन (निजी मालिकाना हक वाली खेती की जमीन) थी; इसलिए, एनएमडीसी कंपनी 2025 में इस प्रोजेक्ट से हट गई. हालांकि इस साल की शुरूआत में टेंडर जारी किए गए थे, लेकिन उन्हें बिना अंतिम रूप दिए ही कैंसल कर दिया गया. अब तीसरी बार नया टेंडर जारी किया गया है. ऐसा माना जा रहा है कि सोने की कीमतों में बढ़ोतरी को देखते हुए कंपनियां अब इसमें दिलचस्पी दिखा सकती हैं. चिगुरुगुंटा-बिसनाथम सोने की खदानें 272.987 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई हैं. चिगुरुगुंटा में लगभग 2.043 मिलियन टन खनिज भंडार है, जिसमें प्रति टन अयस्क के प्रोसेस्ड करने के बाद 5.73 ग्राम सोना मिलता है, जबकि बिसनाथम में लगभग 0.173 मिलियन टन खनिज भंडार है, जिसमें प्रति टन 4.70 ग्राम सोना मिलने की उम्मीद है.

तमिलनाडु के सीएम ने अपनी फिल्म के प्रोड्यूसर को बनाया 'स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव, बढ़ा विवाद

चेन्नई : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के एक फैसले पर राजनीतिक विवाद बढ़ता जा रहा है. उन्होंने अपनी फिल्म ₹जननायकन₹ के प्रोड्यूसर वेंकट के नारायण को दिल्ली में स्पेशल रेप्रेजेंटेटिव नियुक्त किया है. भाजपा, सीपीएम और अन्य दलों ने इस फैसले की आलोचना की है. कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से दिल्ली में राज्य सरकार के विशेष प्रतिनिधि की नियुक्ति पर फिर से विचार करने का आग्रह किया है. पार्टी के राज्य सचिव एम. वीरपांडियन ने रविवार को इस मामले पर एक बयान जारी किया. उन्होंने कहा, ₹ऐसी खबरें आई हैं कि बेंगलुरु के एक व्यवसायी वेंकट के नारायण, जिनका कर्नाटक में राजनीतिक प्रभाव है, उन्हें दिल्ली में तमिलनाडु सरकार का विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है. इस नियुक्ति ने तमिलनाडु में बहस छेड़ दी है और इसकी कड़ी आलोचना हो रही है.₹ सीपीएम नेता ने कहा, ₹जनता ऐसे व्यक्ति को दिल्ली में राज्य के विशेष प्रतिनिधि के रूप में स्वीकार नहीं करेगी जिसे तमिलनाडु के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य के साथ-साथ इसकी कला, साहित्य और संस्कृति की समझ न हो. इसलिए, सीपीआई की तमिलनाडु राज्य कार्यकारी समिति मुख्यमंत्री से अनुरोध करती है कि वे इस नियुक्ति पर पुनर्विचार करें और किसी उपयुक्त प्रतिनिधि का चयन करें.

वेनेजुएला भूकंप : अबतक 1,500 लोगों की मौत, 51,000 लोग अभी भी लापता, बचाव कार्य जारी

एजेंसी

मसकट। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला इन दिनों भीषण प्राकृतिक आपदा का सामना कर रहा है। पिछले कुछ दिनों में आए लगातार भूकंपों ने देश को हिलाकर रख दिया है। रविवार की सुबह यहां 5.6 तीव्रता का एक और भूकंप दर्ज किया गया। इससे पहले 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, अब तक लगभग 1,500 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 51,000 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्यों को लेकर स्थानीय लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इंटरनेट और मोबाइल सेवाओं के ठप होने से स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। ला गुएरा जैसे सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य में भारी अव्यवस्था देखी जा रही है। मौके पर मौजूद विदेशी बचाव कर्मियों का कहना है कि स्थिति काफी अराजक और असंगठित है। विशेषज्ञों का मानना है कि भूकंप के 72 घंटे बाद मलबे से

जीवित लोगों को निकालना अत्यंत कठिन होता है। इसके बावजूद, बचाव दल निरंतर प्रयास कर रहे हैं। इस त्रासदी के बीच एक उम्मीद की किरण तब दिखी जब शुक्रवार को ला गुएरा में मलबे से एक नवजात शिशु को जीवित सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस राहत भरी खबर के वीडियो ने लोगों को भावुक कर दिया। भारत, अमेरिका सहित कई अन्य देशों ने वेनेजुएला को मानवीय और चिकित्सा सहायता भेजी है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि उनके खोज और बचाव दल सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस आपदा से लगभग 6.7 अरब डॉलर का भौतिक नुकसान हुआ है, जो वेनेजुएला की जीडीपी का लगभग 6 प्रतिशत है।

रणबीर की रामायणम करेगी 3300 करोड़ से ज्यादा कमाई?

नई दिल्ली। नितेश तिवारी के निर्देशन बन रही रामायणम दो पार्ट में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन, अभी से ही इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर अनुमान आने शुरू हो गए हैं। मशहूर थिएटर ओनर और फिल्म ट्रेड एनालिस्ट विश्वेक चौहान का कहना है कि रामायणम कमाई के मामले में रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर फ्रैंचाइजी के 3300 करोड़ रुपए के कलेक्शन के रिकॉर्ड को तोड़ देगी। धुरंधर फ्रैंचाइजी ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। यह आमिर खान की दंगल के बाद दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई। अब सबकी नजर रणबीर की रामायणम पर टिकी हुई है। विश्वेक चौहान ने आगे कहा कि रामायणम लोगों के दिल के बहुत करीब है।

लाइफ Style

संचिता

परिवार के खिलाफ जाकर की एक्टिंग

माना जाता है कि एक सफल प्रोजेक्ट कलाकार की आगे की राहें आसान कर देता है। हालांकि, साल 2024 में प्रदर्शित वेब सीरीज 'ठुकरा के मेरा प्यार' की सफलता के बाद भी अभिनेत्री संचिता बासु की कहानी कुछ अलग दिखती है। हाल ही में इस शो का दूसरा सीजन जियो हॉटस्टार पर प्रदर्शित हुआ, दोनों सीजन के बीच में संचिता ने कोई दूसरा शो नहीं किया। वह कहती हैं, "मैंने ऐसा सोच समझकर नहीं किया। मैं तो काम रही थी, लगातार ऑडिशन दे रही थी।

मुझे बस अच्छे प्रोजेक्ट का इंतजार था, जिसमें मैं अपनी भूमिका न्यायसंगत तरीके से निभा सकूं। 'ठुकरा के मेरा प्यार' के पहले सीजन के पहले मैं इस इंडस्ट्री में बिल्कुल नई थी। उसके बाद मुझे कास्टिंग निर्देशकों के जिस तरह से फोन या मैसेज आए हैं, उससे ये पता चलता है कि अब लोग मुझे इंडस्ट्री में पहचान गए हैं।' शो का नायक और संचिता के पात्र का प्रेमी आगे चलकर आईएएस अधिकारी बन जाता है। ऐसे में बिहार के भागलपुर से आने वाली संचिता अपने अभिनय सफर के बारे में बताती हैं, 'मेरे पापा चाहते थे कि मैं आईएएस अधिकारी बनूं, क्योंकि मैं बिहार से हूं। वहां के माता-पिता की अपने बच्चों से यही उम्मीद होती है कि उनका बच्चा इंजीनियर, डॉक्टर बने या यूपीएससी पास कर आईएएस अधिकारी बने। हालांकि, मैंने इनमे से कुछ नहीं किया मैंने तीसरा रास्ता (अभिनय) चुना।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे बचपन से ही फिल्मों की दुनिया बहुत पसंद रही है। जब भी मैं कोई फिल्म देखती थी तो अंदर से दिल करता था कि मैं भी एक्टिंग करूं। मैंने आठवीं या नौंवी कक्षा में टिकटॉक वीडियोज से एक्टिंग करना शुरू किया था। धीर-धीरे मेरा सफर आगे बढ़ता गया, लोगों को मेरे वीडियोज पसंद आने लगे। उसी प्रवाह में आगे बढ़ते हुए मैंने अपना पहला ऑडिशन दिया, जिससे मुझे मेरी पहली तेलुगु फिल्म मिली। फिर धीरे-धीरे मैं पूरी तरह से इस पेशे में ढल गई।'

हॉलीवुड मसाला

मिल्ड्रेड पियर्स से मिली थी पहचान

नई दिल्ली। ऑस्कर के लिए नॉमिनेटेड एक्ट्रेस ऐन ब्लाइथ का निधन हो गया है। वह 98 साल की थीं। उन्हें 1945 की क्लासिक फिल्म 'मिल्ड्रेड पियर्स' में जोन क्रॉफर्ड की चालाक बेटी 'वेडा' का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। 'वेदा' का किरदार निभाने के लिए एक्ट्रेस को 'बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस' के तौर पर एकेडमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन मिला। उस समय क्रॉफर्ड ने एमजीएम छोड़ दिया था, फिर भी उन्होंने खुद उस 16 साल की एक्ट्रेस के साथ स्क्रीन टेस्ट में शामिल होकर ब्लाइथ को कास्ट करने का समर्थन किया।

योलान्डा ने 62 साल की उम्र में की सगाई

लॉस एंजिल्स। सुपरमॉडल जीजी हदीदी और बेला हदीदी की मां योलान्डा किसी जमाने में भी खुद भी मॉडल रही थीं। हाल ही में उनकी सगाई की खबर सामने आई है। 62 साल की उम्र में वह तीसरी बार अपना घर बसाने वाली हैं। योलान्डा हदीद की सगाई की खबर ने फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स को चौंका दिया। दरअसल, उन्होंने अपने नए रिश्ते को दुनिया से अब तक छिपाकर रखा था। खबर है कि उन्होंने बिजनेसमैन रैंडी केंड्रिक से सगाई की है। बता दें इससे पहले उन्होंने जोसेफ जिंगोली से सगाई की थी, लेकिन यह कुछ समय बाद टूट गई थी। रैंडी केंड्रिक ने इस सप्ताह के शुरुआत में योलान्डा को प्रपोज किया। योलान्डा ने भी उनका प्रपोजल स्वीकार कर लिया। इस सगाई की खबर ने अब फैंस, सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। दरअसल, अब तक रैंडी केंड्रिक और योलान्डा की डेटिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं थी। योलान्डा के मंगेतर रैंडी केंड्रिक रियल एस्टेट से जुड़े बिजनेसमैन हैं।

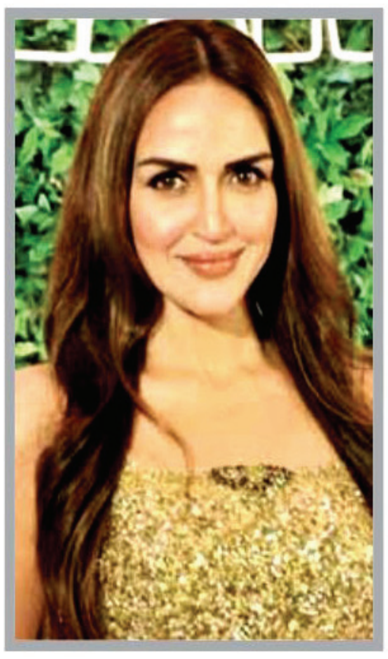

तलाक के बाद अब प्यार की कमी हो रही महसूस

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल और बिजनेसमैन भरत तख्तानी की शादी साल 2024 में टूट गई थी। इस कपल ने अलग होने का ऐलान कर हर किसी को हैरान कर दिया था। हालांकि, दोनों अपनी दो बेटियों की परवरिश मिलकर कर रहे हैं। वहीं, ईशा ने अब अपनी पर्सनल जिंदगी के बारे में बात करते हुए माना है कि उन्हें अपनी लाइफ में प्यार की कमी महसूस होती है। फिर भी, उन्होंने ये भी कहा कि वह उम्मीद बनाए हुए हैं और दोबारा प्यार पाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में, ईशा 'कर्ली टेल्स' के एक पॉडकास्ट में शामिल हुई थीं यहां उन्होंने भरत तख्तानी से अलग होने के बारे में खुलकर बात की. ईशा ने माना कि उन्हें अपनी जिंदगी में अभी प्यार और रोमांस की कमी महसूस हो रही है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि प्यार और रोमांस किसी इंसान की जिंदगी में सबसे जरूरी चीजें हैं, जिनकी मुझे अभी कमी महसूस हो रही है, मुझे रोमांटिक होना पसंद है।

तब्बू को माचिस के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलने पर हुई थी जलन

नई दिल्ली। साल 1996 में आई गुलजार की फिल्म 'माचिस' को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। खासतौर फिल्म में तब्बू की अदाकारी ने लोगों का दिल जीत लिया था। वहीं, इस फिल्म में दमदार एक्टिंग के लिए तब्बू को साल 1997 में 'बेस्ट एक्ट्रेस' का पहला नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी मिला था। दिलचस्प बात ये है क उस साल अवॉर्ड की दौड़ में सोनाली कुलकर्णी भी शामिल थीं। हालांकि, तब्बू ने बाजी मार ली थी। अब सोनाली ने खुलासा किया है कि उन्हें उस समय बहुत गुस्सा आया और तब्बू से काफी जलन भी हुई थी। बता दे कि सोनाली कुलकर्णी की फिल्म 'दायरा' साल 1996 में आई थी। अमोल पालेकर की इस फिल्म में सोनाली की एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी। वहीं, उस दौर को याद करते हुए, सोनाली ने कहा कि उस समय अवॉर्ड जीतने वाले हर किसी से उन्हें जलन होती थी।

टीवी मसाला

लोग कहते हैं अकेली रह जाओगी मुझे यही पसंद : मुनमुन

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का किरदार निभाने वाली मुनमुन दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी जिंदगी की खूबसूरत झलकियां फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी जर्नी का एक खूबसूरत वीडियो शेयर किया, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया।

द इंडिया स्टोरी का टीजर रिलीज, कीटनाशक के खिलाफ कोर्ट में उतरीं काजल!

एजेंसी ▸▸ मुंबई

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अगली फिल्म 'द इंडिया स्टोरी'में नजर आने वाले हैं। शुक्रवार को इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। द इंडिया स्टोरी 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दुनियाभर में रिलीज की जाएगी। टीजर की शुरुआत एक बड़े प्रदर्शन से होती है, जहां किसान और आम लोग सड़कों पर उतरकर वकील अर्चना (काजल अग्रवाल) के खिलाफ विरोध करते नजर आते हैं। भीड़ उनकी गिरफ्तारी की मांग करती है और गुस्से में उनके पोस्टरों पर कालिख पोतती दिखाई देती है। इसके बाद कहानी कोर्टरूम में पहुंचती है। यहां श्रेयस तलपड़े का किरदार योगेश पांडे अपनी 7 साल की बेटी की मौत के लिए न्याय मांगता है। उसका कहना है कि उसकी बेटी की मौत कैंसर से नहीं, बल्कि खाने में मौजूद मिलावट और पेस्टिसाइड की वजह से हुई है। इस केस में काजल अग्रवाल का किरदार अर्चना पेस्टिसाइड बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ लड़ाई करती नजर आती हैं। टीजर के आखिर में एक चौंकाने वाला सीन भी है, जहां प्रदर्शन के बीच एक महिला काजल अग्रवाल को थप्पड़ मार देती है। यह फिल्म पेस्टिसाइड और खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे को सामने लाती है और दिखाती है कि कैसे यह धीरे-धीरे हमारी सेहत और आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित कर रहा है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है और इसे सागर बी शिंदे ने लिखा और प्रोड्यूस किया है।

1952 में छपा हिंदी उपन्यास, 1992 में बनी फिल्म

मानेक मुल्ला को हुआ जमुना, सत्ती, लिली से प्यार, जीता नेशनल अवॉर्ड

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में कई ऐसी फिल्में हैं जो मसालेदार एंटरटेनमेंट से अलग अपनी अनोखी कहानी और प्रेजेंटेशन के लिए याद की जाती हैं। 1992 में रिलीज हुई एक ऐसी ही फिल्म ने दर्शकों को प्रेम, समाज और इंसानी रिश्तों को देखने का बिल्कुल अलग नजरिया दिया। खास बात ये है कि इसकी कहानी 1952 में लिखे गए एक चर्चित हिंदी उपन्यास पर बेस्ड थी। फिल्म में एक ऐसा कथावाचक है जो अपने दोस्तों को तीन महिलाओं की कहानियां सुनाता है और इन कहानियों के जरिए प्यार, उम्मीद, कास्टिज्म और समाज की परतें खुलती चली जाती हैं। रिलीज के बाद इस फिल्म को क्रिटिक्स ने खूब सराहा और इसे नेशनल लेवल पर भी बड़ा सम्मान मिला।

उपन्यास से पर्दे तक का दिलचस्प सफर

हम बात कर रहे हैं श्याम बेनेगल की फिल्म सूरज का सातवां घोड़ा की। ये फिल्म प्रसिद्ध साहित्यकार धर्मवीर भारती के इसी नाम के उपन्यास पर बेस्ड है। धर्मवीर भारती का ये उपन्यास 1952 में प्रकाशित हुआ था और हिंदी साहित्य में इसका खास स्थान है। श्याम बेनेगल ने उपन्यास की कॉम्पलेक्सिटी और मेटाफर्स को बेहद खूबसूरती से फिल्म में पेश किया। यही वजह रही कि फिल्म को 1993 में बेस्ट हिंदी फीचर फिल्म का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। फिल्म में रजित कपूर, राजेश्वरी सचदेव, पल्लवी जोशी, नीना गुप्ता, अमरीश पुरी और रघुवीर यादव जैसे कलाकार नजर आए।

मानेक मुल्ला और तीन महिलाओं की कहानी

फिल्म का फोकस मानेक मुल्ला नाम का किरदार पर है। जो अपने दोस्तों को तीन महिलाओं से जुड़ी कहानियां सुनाता है। ये महिलाएं हैं जमुना, लिली और सत्ती। दिलचस्प बात ये है कि ये सिर्फ तीन अलग-अलग प्रेम कहानियां नहीं हैं, बल्कि समाज के तीन अलग-अलग वर्गों से बिलॉन्ग करती हैं। जमुना मिडिल क्लास दुनिया की झलक दिखाती है, लिली एजुकेटेड वर्ग का प्रतीक है, जबकि सत्ती समाज के गरीब तबके की कहानी सामने लाती है। मानेक मुल्ला की नजर से सुनाई गई ये कहानियां प्रेम के पारंपरिक नजरिए को चुनौती देती हैं और दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती हैं।फिल्म की सबसे खास बात इसका अनोखा कहानी कहने का तरीका है।

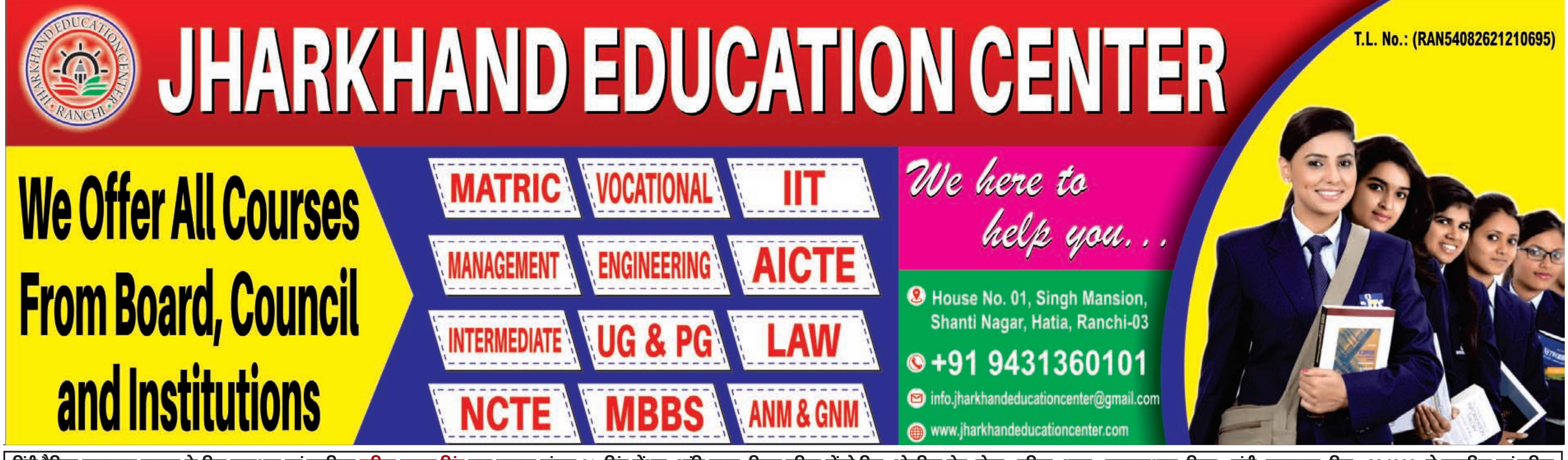

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रत्नेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.